{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
सोमवार 21 सितम्बर 2026
भाद्रपद शुक्ल 10 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 17, अंक 01
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

17 वर्ष सफलतम

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

सफलता के 17 वर्ष...

आपका अपना अखबार "बालाघाट एक्सप्रेस" ने आज प्रकाशन के 17 वर्ष पूर्ण कर 18वें वर्ष में प्रवेश किया है अखबार के प्रकाशन की सफलता उसके पाठकों पर निर्भर करती है कि वह अखबार द्वारा परोसी जा रही सामग्री से कितने संतुष्ट हैं। हमने इन वर्षों में पूरा-पूरा प्रयास किया है कि पाठकों की अपेक्षा अनुरूप सामग्री का प्रकाशन हो, इसी का परिणाम है कि हमें आप सब का भरपूर प्रतिसाद मिला है। बालाघाट जैसे छोटे एवं पिछड़े जिले में 12 पृष्ठों का दैनिक अखबार का प्रकाशन करना एक चुनौती होता है, क्योंकि संसाधन सीमित होते हैं,अनेक तकनीकी समस्याओं का सामना करना पड़ता है जिस तरह से देश बदल रहा है उसी तरह समाज भी बदल रहा है, संस्कृति बदल रही है, कार्य करने की शैली बदल रही है, आईटी से बढ़कर जमाना एआई की तरफ बढ़ गया है इसमें अखबार कहीं ना कहीं पीछे छूटते जा रहा है इसकी जगह सोशल मीडिया ने ले लिया है।

फिजिकल अखबार की जगह ई-पेपर नें ले ली है, अखबार के पाठकों (पढ़ने वालों) की संख्या का ह्रास हो चुका है पुरानी पीढ़ी जिन्हें पूर्व से अखबार पढ़ने का शौक है, वह अखबार से आज भी लगाव रखे हुए हैं इसी तरह सरकारी महकमों में आवश्यकता अनुरूप अखबार का महत्व रह गया है। जिसमें सरकारी सूचनाए, टेंडर, सरकारी प्रचार, विज्ञापन आदि प्रकाशन के लिए प्रिंट मीडिया(अखबार) की आवश्यकता पड़ती है। आजकल जिसे ज़ेन जी कहा जा रहा है वह पीढ़ी अखबार से बहुत दूर जा चुकी है ज्यादा ही होगा तो ई-पेपर से काम चला लेती है। युवा पीढ़ी की पसंद की सामग्री सोशल मीडिया,इंस्टाग्राम,फेसबुक,ट्विटर आदि से मिल जाती है, ऐसे परिदृश्य में अखबार का चलन संख्या की दृष्टि से सिमटता चला गया है। इसी तरह अखबारों से विज्ञापन भी लगभग समाप्त हो चुके हैं। यहां हम जैसे छोटे अखबारों की बात कर रहे हैं कॉर्पोरेट एवं बड़े समूह के अखबारों की बात नहीं है, उन्हें तो कॉरपोरेट जगत के साथ-साथ सरकारों से भी भरपूर विज्ञापन प्राप्त हो जाते हैं। वहीं दूसरी ओर एक बात यहां उल्लेखनीय है कि इन बड़े अखबारों की प्रसार संख्या भी जमीन पर आ चुकी है अर्थात न्यूनतम हो चुकी है लेकिन सरकार के समक्ष प्रसार संख्या का जो आंकड़ा अधिकांश अखबार बढ़ा चढ़ा कर फर्जी तरीके से प्रस्तुत कर रहे हैं ताकि उन्हे सरकारी विज्ञापन अधिक से अधिक दर पर मिलतें रहें और मिल भी रहे हैं। लेकिन छोटे अखबारों की स्थिति कहीं भी बेहतर नहीं है । पहले राजनीतिक विज्ञापन तथा व्यापारिक विज्ञापन इन छोटे अखबारों को अच्छे खासे मिल जाते थे लेकिन अब सोशल मीडिया स्ट्रांग होने से विज्ञापन डाइवर्ट होकर सोशल मीडिया की ओर चले गए हैं,सोशल मीडिया सूचनाओं की दृष्टि से मजबूत भी हो गया है कि किसी भी गतिविधि या घटना की तत्काल जानकारी उसे मिल जाती है। लेकिन अखबार में यह जानकारी दूसरे दिन प्राप्त होती है जब तक यह सामग्री पुरानी हो चुकी होती है ऐसे माहौल में अखबार की पहचान बनाए रखना मुश्किल होता है दूसरी ओर जो राजनीतिक सामाजिक परिदृश्य बदला है उसमें पत्रकारिता करना भी एक चुनौती हो चुकी है। पत्रकारिता का अर्थ सरकारों से उसके कर्ता-धर्ताओं से सवाल पूछना, ताकतवर जब कमजोर को दबाता है तो कमजोर की तरफ से आवाज उठाना उसका पक्ष रखना होता है आज के माहौल में सत्ता से सवाल करना यानि अपने स्वयं के गले में फांसी लगाने जैसा है ना तो आज दो दशक पूर्व के जैसे राजनेता है ना ही नौकरशाही है और ना ही वैसे समाज है काफी बंदिशे है, संवादहीनता है सवाल पूछा तो आप पर फर्जी मुकदमे दर्ज हो जाएंगे, पुलिस केस हो जायेगें, डराया धमकाया जाएगा। इन सब के बावजूद आज भी हमारे जैसे अनेक छोटे अखबार अपने अस्तित्व को बचाने में लगे हैं उनमें से एक हम भी हैं देखना होगा कि कब तक हम अपने अस्तित्व को बचा पाते हैं क्योंकि कुछ बडें अखबार हमें निगलने में लगातार लगे हुए हैं जिसका प्रमाण है हमारे अखबार का रजिस्टर्ड टाईटल नाम "बालाघाट एक्सप्रेस" का उपयोग प्रदेश के कुछ क्षेत्रीय अखबार अपने अखबार के मथ्थे पर बड़े-बड़े अक्षरों में लगाकर प्रयोग कर रहे हैं वह ऐसा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि बालाघाट एक्सप्रेस जिले का सबसे ज्यादा प्रचलित एक ब्रांड हो चुका है जिले में ग्रामीण स्तर तक बालाघाट एक्सप्रेस पाठकों की पसंद है यह एक सच्चाई है बालाघाट एक्सप्रेस के नाम का उपयोग कर ऐसे कतिपय अखबार जिले में पाठकों ,विज्ञापन दाताओं को भ्रमित कर रहे हैं उनकी इस हरकत का बालाघाट एक्सप्रेस के नाम का उपयोग करने का परिणाम कई बार हमें भुगतना होता है उनके द्वारा प्रकाशित गलत समाचार के सवाल-जवाब पाठक हमसे करने लग जाते हैं,इन अखबारों की कोई साख या प्रसारित संख्या नहीं बची है इसलिए हमारे टाइटल नाम बालाघाट एक्सप्रेस के नाम से अपनी दुकानदारी चलाने के असफल प्रयास में लगे हैं। इन सब चुनौतियों के बावजूद जिले में हमें पाठकों का भरपूर आशीर्वाद पिछले लगातार 17 वर्षों से मिल रहा है जिसके चलते हम 18वें वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं,इसके लिए हम हमारे सभी पाठकों,विज्ञापन दाताओं के साथ ही साथ हमारी संस्था से जुड़े अभिकर्ताओं एवं सहकर्मियों का अभिवादन अभिनंदन करते हैं और आशा करते हैं कि इसी तरह वें हमें पूर्वानुसार सहयोग प्रदान करते रहें, जिससे हम आपके साथ कदम से कदम बढ़ाते हुए आगे बढ़ते रहेंगे आप सभी को शुभकामनाएं....

आपका...
उमेश बागरेचा
प्रधान संपादक

दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस
बालाघाट

मान.उमेश बागरेचा
प्रधान संपादक बालाघाट एक्सप्रेस

मान. विवेक पटेल
विधायक वारासिवनी खैरलांजी

बालाघाट एक्सप्रेस
केवल एक समाचार पत्र नहीं बल्कि हमारे क्षेत्र की चेतना का प्रतीक है

17 वर्ष सफलतम

राजनीतिक जीवन में जनसेवा का संकल्प तब तक अधूरा रहता है जब तक जनता के मुद्दे सही मंच तक ना पहुँचें। बालाघाट एक्सप्रेस ने पिछले 17 वर्षों में निरंतर एक निष्पक्ष और निर्भीक प्रहरी की भूमिका निभाई है। बालाघाट एक्सप्रेस मेरे राजनीतिक कैरियर का पहला कदम रहा है। इसी ने मुझे जनता के दिल तक पहुँचाया और उनके सपनों से जोड़ा है।

जिले का लोकप्रिय निष्पक्ष एवं निर्भीक पत्रकारिता का पर्याय
बालाघाट एक्सप्रेस
को सफलतम् 17 वर्ष पूर्ण होने पर हार्दिक बधाई...

विनीतः: विवेक पटेल विधायक वारासिवनी खैरलांजी एवं विधानसभा क्षेत्र की सभी आम जनता

मान.उमेश बागरेचा
प्रधान संपादक बालाघाट एक्सप्रेस

मान. गौरवसिंह पारधी
विधायक कटंगी

राजनीति में संवाद सबसे बड़ी ताकत होती है और बालाघाट एक्सप्रेस ने हमेशा जनप्रतिनिधियों और जनता के बीच उस पारदर्शी संवाद को बनाए रखा है। मेरे राजनीतिक जीवन के शुरुआती संघर्षों से लेकर आज तक इस समाचार पत्र ने एक निष्पक्ष आलोचक और एक सच्चे मार्गदर्शक दोनों की भूमिका निभाई है। जब काम अच्छा हुआ तो सराहना मिली और जहाँ कमी रही वहाँ सकारात्मक आलोचना से सुधार का अवसर मिला। 17 वर्षों की इस निष्पक्ष यात्रा के लिए बालाघाट एक्सप्रेस परिवार को बधाई व साधुवाद।

जिले के लोकप्रिय निर्भीक और निष्पक्ष पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
बालाघाट एक्सप्रेस के सफलतम 17 वर्ष पूर्ण होने पर
हार्दिक शुभकामनाएं...

शुभेच्छुः- भारतीय जनता पार्टी विधानसभा क्षेत्र कटंगी खैरलांजी
एवं समस्त भाजपा परिवार

मान.उमेश बागरेचा
प्रधान संपादक बालाघाट एक्सप्रेस

मान. रामकुमार नगपुरे
जिला अध्यक्ष किसान गर्जना संगठन बालाघाट,
बलराम , श्रीराम

अपने शुरुआती राजनीतिक दौर में जन जन की समस्याओं जमीनी मुद्दों और जनहित के कार्यों को बालाघाट एक्सप्रेस ने प्राथमिकता से जगह दी जिससे पहचान और विचार क्षेत्र के हर घर तक पहुँचे। इस समाचार पत्र ने मेरी राजनीतिक यात्रा के दौरान निष्पक्ष पत्रकारिता का परिचय दिया। जहाँ एक ओर जनहितकारी योजनाओं और उपलब्धियों को उजागर कर जनसरोकार में योगदान दिया।

जनता की समस्याओं को आगाज देने वाले जिले का एकमात्र स्थानीय अखबार
बालाघाट एक्सप्रेस के सफलतम 17 वर्ष पूर्ण होने पर
हार्दिक शुभकामनाएं

विनीतः: रामकुमार नगपुरे जिला अध्यक्ष किसान गर्जना संगठन बालाघाट

मान.उमेश बागरेचा
प्रधान संपादक बालाघाट एक्सप्रेस

मान.प्रदीप जायसवाल
पूर्व कैबिनेट मंत्री

सत्य, साहस और निष्पक्षता के 17 वर्ष पूर्ण कर हिन्दी दैनिक
बालाघाट एक्सप्रेस के 18वें वर्ष प्रवेश करने पर
प्रधान संपादक उमेश बागरेचा जी **आपको हार्दिक बधाईयां**

मेरे राजनीतिक और सामाजिक जीवन के उतार-चढ़ाव भरे सफर में बालाघाट एक्सप्रेस सदैव एक सच्चे मार्गदर्शक और प्रहरी की तरह साथ रहा है। जनहित के मुद्दों पर इसकी पैनी नज़र और सकारात्मक पत्रकारिता ने मुझे सदैव जनता के प्रति जवाबदेह और समर्पित रहने की प्रेरणा दी है।
क्षेत्रीय विकास और लोकतंत्र की मजबूती में इस समाचार पत्र का योगदान अतुलनीय है। आपकी लेखनी का यह सफर यूं ही बेबाक और अविरल जारी रहे यही मेरी हार्दिक कामना है।

शुभेच्छुः-भारतीय जनता पार्टी विधानसभा क्षेत्र वारासिवनी खैरलांजी
एवं समस्त भाजपा परिवार

मंगलसूत्र चोरी के आरोप से आहत महिला ने दोनों कलाई पर चलाया ब्लेड

पद्मेश न्यूज़ बालाघाट। [illegible] मंगलसूत्र चोरी का आरोप लगाए जाने से मानसिक रूप से परेशान एक महिला द्वारा अपनी दोनों कलाई पर ब्लेड चलाने का मामला सामने आया है। घायल महिला रोशनी पति मुकेश [illegible] 29 को परिजनों ने जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया जहां उसका उपचार जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रोशनी का मायका [illegible] है। उसकी शादी 28 अप्रैल 2016 को मुकेश [illegible] के साथ सामाजिक रीति रिवाज से हुई थी। दंपती के एक 10 वर्षीय बेटा और 8 वर्षीय बेटी है। मुकेश मजदूरी का कार्य करते हैं। [illegible] रोशनी के अनुसार शादी के बाद से ही [illegible] को लेकर उसकी सास और ननद द्वारा उसे परेशान किया जाता था। करीब तीन वर्ष पूर्व उस पर कान के झुमके चोरी करने का आरोप लगाया गया था। [illegible] इसके बावजूद विवाद और आरोप प्रत्यारोप का सिलसिला जारी रहने की बात सामने आई है। बताया गया कि पिछले करीब एक माह से रोशनी पर मंगलसूत्र चोरी करने का आरोप लगाकर सास और ननद द्वारा आए दिन विवाद किया जा रहा था। 19 सितंबर की रात भी इसी बात को लेकर विवाद हुआ। 20 सितंबर को पुनः मंगलसूत्र चोरी करने के आरोप से मानसिक रूप से आहत होकर रोशनी ने अपनी दोनों कलाई पर ब्लेड चला लिया। अधिक रक्तस्राव होने से वह बेहोश हो गई। बच्चों ने रोशनी की कलाई से खून निकलते देख [illegible] पति और परिवार के अन्य सदस्य उसे जिला अस्पताल बालाघाट लेकर पहुंचे। अस्पताल पुलिस ने घायल महिला के बयान दर्ज किए हैं। मामले की आगे की कार्रवाई के लिए संबंधित [illegible] पुलिस को जानकारी भेजी गई है। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

JOB VACANCY

WE ARE HIRING

- RECEPTION - SALARY 5000+
- SURVEYOR - SALARY 15000+
- AREA MANEGER - SALARY 20000+
- ELECTRONIC TECHNICIAN - SALARY 10000+

- CONTACT -
9826181028, 9232652868

बारबेड वायर (काँटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

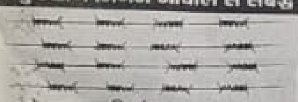

-निर्माता-
तिरुपति इंजीनियरिंग वर्क्स
[illegible] हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

कार्यालय जिला शिक्षा केन्द्र बालाघाट
[illegible], बालाघाट 481001
दूरभाष: (07632) 249591
(E Mail - [illegible])

प्रेस विज्ञप्ति

सहायक परियोजना समन्वयकों और ब्लॉक स्रोत समन्वयकों के पदों को भरने के लिए-

[illegible] जिला शिक्षा केन्द्र बालाघाट अन्तर्गत सहायक परियोजना समन्वयकों एवं विकासखण्ड स्रोत समन्वयक के पदों की पूर्ति की जाने है। [illegible] जिनकी आयु 01 जुलाई 2026 को 56 वर्ष से अधिक न हो [illegible] आवश्यक है। [illegible] आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि दिनांक 25.09.2026 समय 06:00 बजे तक जिला शिक्षा केन्द्र बालाघाट में जमा किये जा सकते हैं। [illegible]

जिला परियोजना समन्वयक
जिला शिक्षा केन्द्र बालाघाट

CONGRATULATION

किरण भाई त्रिवेदी

उमेश बागरेचा

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन..
जिले का सर्वाधिक लोकप्रिय समाचार पत्र
हिन्दी दैनिक

बालाघाट एक्सप्रेस

के सफलतम 17 वर्ष पूर्ण होने पर
प्रधान सम्पादक..
श्री उमेश बागरेचा जी
एवं समस्त स्टाफ
आपश्री को हार्दिक बधाईयाँ

- शुभेच्छु -
किरण भाई त्रिवेदी
कोषाध्यक्ष, जिला भाजपा
अध्यक्ष, पूज्य सर्व ब्राम्हण सभा
अध्यक्ष, हॉकी संघ
संरक्षक, नूतन कला निकेतन
बालाघाट

CONGRATULATION

बब्बू सिंह

शालू अली

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन..
जिले का सर्वाधिक लोकप्रिय समाचार पत्र
हिन्दी दैनिक...

बालाघाट एक्सप्रेस

के सफलतम 17 वर्ष पूर्ण होने पर
प्रधान सम्पादक..
श्री उमेश बागरेचा जी
एवं समस्त स्टाफ
आपश्री को हार्दिक बधाईयाँ

शुभेच्छु- बब्बू सिंह, शालू अली, लांजी-किरनापुर

CONGRATULATION

रहीम खान

उमेश बागरेचा

जिले का सर्वाधिक लोकप्रिय पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन, हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

बालाघाट एक्सप्रेस

के सफलतम 17 वर्ष पूर्ण होने पर
प्रधान सम्पादक..
श्री उमेश बागरेचा जी

आपश्री को हार्दिक बधाईयाँ

शुभेच्छु- **रहीम खान** पूर्व अध्यक्ष, शहर कांग्रेस कमेटी, [illegible]

UMESH

बालाघाट
सोमवार 21 सितम्बर 2026
भाद्रपद शुक्ल 10 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 17, अंक 01
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन
बालाघाट एक्सप्रेस
हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

बालाघाट चावल चोरी मामले में बड़ी गिरफ्तारी

पूर्व मंत्री व भाजपा जिलाध्यक्ष के भाई को भोपाल से दबोचा

भोपाल। प्रदेशभर में सुर्खियां बटोरने वाले बालाघाट के चावल हेराफेरी कांड में एसआईटी ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई की है। एसआईटी ने रविवार को पूर्व मंत्री रामकिशोर कावरे के बड़े भाई राजकुमार (कुमार) कावरे को भोपाल से गिरफ्तार कर लिया है। इसके साथ ही पूर्व मंत्री व भाजपा जिलाध्यक्ष कावरे की मुश्किलें बढ़ गई हैं।फिलहाल, बालाघाट पुलिस ने कुमार कावरे की गिरफ्तारी की अधिकृत पुष्टि नहीं की है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, एसआईटी को भोपाल के गोविंदपुरा थाना अंतर्गत क्षेत्र से कुमार की लोकेशन प्राप्त हुई थी। इसके बाद रविवार को एसआईटी ने कुमार कावरे को रचना टावर क्षेत्र से गिरफ्तार किया।

मामले में यह 20वीं गिरफ्तारी

इसके बाद एसआईटी ने गोविंदपुरा थाना पुलिस को इसकी सूचना दी। सूत्रों की मानें, तो कुमार को लेकर वारासिवनी थाना प्रभारी सहित एसआईटी की टीम बालाघाट के लिए रवाना हो गई है। टीम, रविवार देर रात तक बालाघाट पहुंचेगी। पूर्व मंत्री के भाई की गिरफ्तारी की खबर फैलते ही जिलेभर में हलचल तेज हो गई। भाजपा सहित अन्य राजनीतिक दलों में चर्चाओं का दौर भी शुरू हो गया है। मामले में यह 20वीं गिरफ्तारी है।

कुमार की हर्ष राइस मिल में खपा था सरकारी चावल

4 जून को उजागर सरकारी चावल की चोरी की कड़ियां पूर्व मंत्री के भाई कुमार की टेकाड़ी स्थित हर्ष राइस मिल से भी जुड़ी हैं। एसआईटी तकनीकी साक्ष्यों, वित्तीय लेनदेन और बयानों के आधार पर कुमार कावरे के बिजनेस पार्टनर विनोद शर्मा, गोपाल ठाकुर और पूर्व मंत्री के भतीजे अविनाश कावरे को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है।

तीनों आरोपित फिलहाल बालाघाट जेल में हैं। कुमार कावरे की गिरफ्तारी न होने से पुलिस पर कई सवाल खड़े हो रहे थे। विपक्ष लगातार पुलिस पर सवाल खड़े कर रहा था। आखिरकार पुलिस के हाथ हर्ष राइस मिल के कर्ताधर्ता तक पहुंच गए हैं।

CONGRATULATION

राजेश पाठक

संजयसिंह कछवाहा

जिले का सर्वाधिक लोकप्रिय पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन, हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
बालाघाट एक्सप्रेस
के सफलतम 17 वर्ष पूर्ण होने पर
प्रधान सम्पादक..
श्री उमेश बागरेचा जी
आपश्री को हार्दिक बधाईयाँ
शुभेच्छु-
राजेश पाठक
जिलाध्यक्ष, सर्व ब्राम्हण समाज, जिला-बालाघाट
संजयसिंह कछवाहा
जिलाध्यक्ष, क्षत्रीय राजपूत समाज, जिला-बालाघाट

CONGRATULATION

मधु भगत

17 वर्ष सफलतम
जिले का सर्वाधिक लोकप्रिय पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन, हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
बालाघाट एक्सप्रेस
के सफलतम 17 वर्ष पूर्ण होने पर
प्रधान सम्पादक..
श्री उमेश बागरेचा जी

आपश्री को हार्दिक बधाईयाँ
शुभेच्छु-
मधु भगत-विधायक
परसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र, जिला-बालाघाट

CONGRATULATION

अनुभा मंजारे

17 वर्ष सफलतम
जिले का सर्वाधिक लोकप्रिय पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन, हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
बालाघाट एक्सप्रेस
के सफलतम 17 वर्ष पूर्ण होने पर
प्रधान सम्पादक..
श्री उमेश बागरेचा जी

आपश्री को हार्दिक बधाईयाँ
शुभेच्छु-
अनुभा मुंजारे-विधायक
विधानसभा क्षेत्र, बालाघाट -लालबर्रा

सतबहनी मंदिर वार्ड में पाइपलाइन के लिए खोदी गई नाली बनी मुसीबत, सड़कों पर बह रहा गंदा पानी

नाली क्षतिग्रस्त एवं सड़क से पानी बहने पर आवागमन में हो रही परेशानी, जल्द मरम्मत एवं सफाई करवाने की उठी मांग

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी के लालबर्रा स्थित सतबहनी मंदिर वार्ड में शासन की महात्वाकांक्षी नल जल योजना आम जनता के लिए राहत की बजाय बड़ी समस्या बनकर उभरी है। पीएचई विभाग के द्वारा पुरानी पाइप के स्थान पर नई पाइपलाइन बिछाने का कार्य किया जा रहा है। जिसके लिए विगत माह पूर्व उक्त वार्ड में मुख्य सड़क के साथ नालियों की खुदाई की गई थी। किन्तु निर्माण कार्य पूरा होने के बावजूद विभाग एवं निर्माण कंपनी के ठेकेदार के द्वारा क्षतिग्रस्त नालियों व सडक का मरम्मत कार्य नही करवाया गया है। जिस कारण से सड़क के ऊपर से गंदा पानी बह रहा है और गंदगी फैल रही है। इस तरह से पीएचई विभाग एवं निर्माण कंपनी की उदासीनता के चलते निवासरत लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे वार्डवासियों में प्रशासन के प्रति रोष व्याप्त है।

सड़कों पर जमा हो रहा गंदा पानी

आपको बता दे कि पीएचई विभाग के द्वारा पांढरवानी पंचायत क्षेत्र के लालबर्रा के सतबहनी मंदिर सहित अन्य वार्डों में नल-जल योजना की पुरानी पाइपलाइन जो खराब हो चुकी थी। उसे बदलकर उसके स्थान पर नई पाइपलाइन बिछाने का कार्य किया गया है और कुछ वार्डों में उक्त कार्य जारी है। किन्तु पाइपलाइन बिछाने का कार्य करने वाली कंपनी के द्वारा मुख्य सड़क एवं नालियों की खुदाई की गई है और उक्त कार्य संपन्न होने के बाद सड़क एवं नालियों का मरम्मत कार्य नही किया गया है। जिस कारण से पानी की निकासी नाली के माध्यम से नही हो पा रही है। साथ ही रास्ते भर मिट्टी के ढेर और खुले गड्डे होने से राहगीरों और वाहन चालकों को आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। रात के समय यहां दुर्घटना होने की आशंका लगातार बनी रहती है। जबकि कार्य पूर्ण होने के बाद सड़क एवं नाली का मरम्मत कार्य करवाना था, लेकिन ऐसा नही किया गया है जिससे सभी में रोष व्याप्त है। वहीं स्थानीय रहवासियों का कहना है कि पाइपलाइन डालने के दौरान पुरानी पक्की नालियों को भारी नुकसान पहुंचाया गया है। नालियां क्षतिग्रस्त हो जाने के कारण उनमें जमा गंदा पानी अब सीधे सड़कों के ऊपर से बह रहा है। जिससे आवागमन करने वालों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, इसलिए प्रशासन से मांग है कि सड़क एवं नाली का मरम्मत या फिर नवीन निर्माण करवाये ताकि पानी निकासी सुचारू रूप से नाली के माध्यम से हो सके।

शिकायत के बाद भी समस्या का नही हो रहा समाधान - प्रवीण

प्रवीण कुमरे ने बताया कि सतबहनी मंदिर वार्ड में गत माह पूर्व नल-जल योजना के तहत पुरानी पाइपलाइन के स्थान पर नई पाइपलाइन बिछाने के लिए नालियां और सड़क को खोदी गई थी, निर्माण कंपनी के ठेकेदार के द्वारा लेकिन कार्य पूर्ण होने के बाद अब तक न तो नाली का निर्माण हुआ और न ही सड़क दुरूस्त की गई। नाली क्षतिग्रस्त होने से गंदे पानी की निकासी नही हो पा रही है, ऐसी स्थित में सड़क के ऊपर से पानी बह रहा है जिससे सभी को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस समस्या से पंचायत में भी शिकायत की गई है लेकिन समस्या का समाधान नही हो रहा है जिससे सभी में रोष व्याप्त है।

नाली का निर्माण एवं सड़क का मरम्मत कार्य जल्द करवाये प्रशासन - सचिन

सचिन सर्राटे ने बताया कि पानी की निकासी नही होने से सड़क के ऊपर से पानी बह रहा है, साथ ही जगह-जगह नाली क्षतिग्रस्त एवं सामग्री के ढेर होने से आवागमन में भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और यह समस्या विगत माह से बनी हुई है। साथ ही यह भी बताया कि वर्तमान में गणेशोत्स्व का पर्व जारी है और आगामी पर्वों के दौरान मूर्ति स्थापित सहित अन्य कार्यक्रम भी आयोजित किये जायेगें। जगह-जगह फैली गंदगी के कारण म'छरों का प्रकोप बढ़ रहा है। इस समस्या के संबंध में सीएम हेल्पलाईन में भी शिकायत करने के बावजूद ठेकेदार और संबंधित विभाग के द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। हमारी मांग है कि नाली निर्माण के साथ ही सड़क का मरम्मत कार्य करवाये प्रशासन।

इनका कहना है

पीएचई विभाग के माध्यम से पुरानी पाइपलाइन के स्थान पर नई पाइप बिछाने का कार्य किया जा रहा है। जिस कार्य हेतु नाली की खुदाई की गई है, जिस कारण से पानी निकासी की समस्या आ रही है। विभाग एवं निर्माण कंपनी से कहा गया है कि जिस स्थान से खुदाई की गई है उसका मरम्मत कार्य जल्द करवाये।

अनीस खान
सरपंच
ग्राम पंचायत पांढरवानी।

आस-पास खबरें

रामजीटोला में एक दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी के अंतर्गत आने वाले ग्राम रामजीटोला में श्री शिव शक्ति सार्वजनिक गणेशोत्सव समिति के द्वारा गत दिवस प्रथम पू'य भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा विराजित कर

गणेशोत्सव पर्व भक्तिभाव के साथ मनाया जा रहा है। 21 सितंबर को एक दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। चर्चा में श्री शिव शक्ति सार्वजनिक गणेशोत्सव समिति के पदाधिकारी, जनपद सदस्य दीपक कावरे ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी गणेशोत्सव पर्व भक्तिभाव के साथ मनाया जा रहा है। वहीं पर्व के दौरान रोजाना विविधि धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। श्री कावरे ने बताया कि 21 सितंबर को एक दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। जिसमें प्रथम पुरस्कार 10,001 रूपये, द्वितीय पुरस्कार 7001 रूपये, तृतीय पुरस्कार 5001 रूपये एवं प्रवेश शुल्क 351 रूपये निर्धारित किया गया है। उक्त कार्यक्रम जिला पंचायत सभापति डुलेन्द्र ठाकरे के मुख्य आतिथ्य, पूर्व पंच सेवकराम माने की अध्यक्षता एवं जिला पंचायत सभापति झामसिंह नागेश्वर, पांढरवानी सरपंच अनीस खान, जनपद सदस्य देवेश गौतम, पंच शेख साकिर के विशेष आतिथ्य में प्रारंभ होगा। इस अवसर पर जिलेभर के कबड्डी टीम के खिलाड़ियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की अपील समिति संरक्षक डॉ. रामप्रसाद पंचेश्वर, जनपद सदस्य दीपक कावरे, रामजी माने, उमाशंकर नागेश्वर, ज्वारलाल पंचेश्वर, लेखराम माने, भुनेन्द्र पंचेश्वर, मनोज यादव, महेश माने, युवराज पंचेश्वर, राजेश पंचेश्वर, रंजन राजुरकर, राजा श्रीवास्तव, देवन पंचेश्वर, धर्मेन्द्र पंचेश्वर, दुबुक लरहे सहित अन्य पदाधिकारी, सदस्य एवं ग्रामीणजनों ने की है।

बोरी में पोषण माह कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत बोरी के आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक 3 में शुक्रवार को 8 वां राष्ट्रीय पोषण माह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महिला एवं बाल विकास विभाग परियोजना अधिकारी श्रीमती रानू शिवहरे एवं पर्यवेक्षक श्रीमती भारती मेश्राम के मार्गदर्शन में बोरी सरपंच श्रीमती मंजू बारमाटे की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस दौरान गर्भवती एवं स्तनपान कराने वाली महिलाओं, ब'चों, किशोरी बालिकाओं और उनके परिवारों को पोषण, बेहतर स्वास्थ्य, स्व'छता, आहार में विविधता एवं पर्याप्त प्रोटीन के महत्व के बारे में विस्तार से समझाइश दी गई। साथ ही उपस्थितजनों को मातृ वंदना योजना के बारे में भी जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर ग्राम बोरी सरपंच श्रीमती मंजू बारमाटे, सी.एच.ओ. रानी गायधने, एम.पी.डब्ल्यू., ए.एन.एम., आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती ललिता नागेश्वर, श्रीमती गायत्री पंचेश्वर, समीना खान, रंजीता उइके, अंजू शिववंशी, उषा पटले, आशा कार्यकर्ता निरूलता आहके, सहायिका कृष्णा जगने, मातृ सहयोगी समिति अध्यक्ष ममता उइके सहित गामीणजन

सार्थक, विश्वसनीय और गौरवपूर्ण पत्रकारिता
बालाघाट एक्सप्रेस
के सफलतापूर्वक 17 वर्ष पूर्ण होने पर
हार्दिक बधाई
शुभेच्छु-अरूण गौतम संचालक गौतम कृषि केंद्र लालबर्रा।

बधाई ... बधाई ... बधाई
श्री उमेश बागरेचा संपादक, दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस
डुलेंद्र ठाकरे जिला पंचायत सभापति
निष्पक्ष एवं निर्भीक पत्रकारिता का पर्याय
बालाघाट एक्सप्रेस
को 18वें वर्ष में प्रवेश करने पर
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
शुभेच्छु - डुलेंद्र 'मुन्ना भैय्या' ठाकरे
जिला पंचायत सदस्य क्षेत्र क्रमांक २१
सभापति जैव विविधता समिति, जिला पंचायत बालाघाट म.प्र.।

जिले के निष्पक्ष, विश्वसनीय, लोकप्रिय दैनिक समाचार पत्र
बालाघाट एक्सप्रेस
के सफलतापूर्वक 17 वर्ष पूर्ण होने पर
हार्दिक बधाई
शुभेच्छु-धनेंद्र भलावी सभापति वन समिति जनपद पंचायत लालबर्रा।

जनता की समस्याओं को आवाज देने वाले जिले के एकमात्र स्थानीय अखबार
बालाघाट एक्सप्रेस
के सफलतापूर्वक 17 वर्ष पूर्ण होने पर
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
सौजन्य से- प्रेमलता बिसेन
अध्यक्ष ब्लॉक महिला कांग्रेस कमेटी लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.।

सार्थक, विश्वसनीय और गौरवपूर्ण पत्रकारिता
बालाघाट एक्सप्रेस
के सफलतापूर्वक 17 वर्ष पूर्ण होने पर
हार्दिक बधाई
शुभेच्छु-टीसी टांडेकर अधीक्षक शासकीय अनुसूचित जाति बालक छात्रावास लालबर्रा बालाघाट।

पद्मेश मीडिया ग्रुप
बालाघाट एक्सप्रेस
के सफलतापूर्वक 17 वर्ष पूर्ण होने पर
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
शुभेच्छु-दीपक कावरे जनपद सदस्य जनपद पंचायत लालबर्रा।

पद्मेश मीडिया ग्रुप
बालाघाट एक्सप्रेस
के सफलतापूर्वक 17 वर्ष पूर्ण होने पर
हार्दिक बधाई
शुभेच्छु-म.प्र. आदिवासी विकास परिषद लालबर्रा।

पद्मेश मीडिया ग्रुप
बालाघाट एक्सप्रेस
के सफलतापूर्वक 17 वर्ष पूर्ण होने पर
हार्दिक बधाई
शुभेच्छु-सुमित स्वामी, विधायक प्रतिनिधि शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय लालबर्रा।

जिले के लोकप्रिय, निर्भीक और निष्पक्ष दैनिक अखबार
बालाघाट एक्सप्रेस
के सफलतापूर्वक 17 वर्ष पूर्ण होने पर
हार्दिक बधाई
शुभेच्छु-मुनेंद्र ठाकरे ब्लाक अध्यक्ष किसान कांग्रेस कमेटी लालबर्रा।

सार्थक, विश्वसनीय और गौरवपूर्ण पत्रकारिता
बालाघाट एक्सप्रेस
के सफलतापूर्वक 17 वर्ष पूर्ण होने पर
हार्दिक बधाई
शुभेच्छु-मनीष कुशवाहा जिला अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग कांग्रेस कमेटी बालाघाट।

जिले के निष्पक्ष, विश्वसनीय, लोकप्रिय दैनिक समाचार पत्र
बालाघाट एक्सप्रेस
के सफलतापूर्वक 17 वर्ष पूर्ण होने पर
हार्दिक शुभकामनाएं
शुभेच्छु-मनोहर अग्रवाल वरिष्ठ कांग्रेसी नेता।

सार्थक, विश्वसनीय और गौरवपूर्ण पत्रकारिता
बालाघाट एक्सप्रेस
के सफलतापूर्वक 17 वर्ष पूर्ण होने पर
हार्दिक बधाई
शुभेच्छु-भाऊराम गाडेश्वर जिला सचिव कांग्रेस कमेटी बालाघाट।

सार्थक, विश्वसनीय और गौरवपूर्ण पत्रकारिता
बालाघाट एक्सप्रेस
के सफलतापूर्वक 17 वर्ष पूर्ण होने पर
हार्दिक बधाई
शुभेच्छु-अरविंद पंचेश्वर सरपंच ग्राम पंचायत बेलगांव लालबर्रा।

सार्थक, विश्वसनीय और गौरवपूर्ण पत्रकारिता
बालाघाट एक्सप्रेस
के सफलतापूर्वक 17 वर्ष पूर्ण होने पर
हार्दिक बधाई
शुभेच्छु-सांई मेडिकल स्टोर्स बकोड़ा लालबर्रा।

देवी जागरण में शामिल हुए क्षेत्रीय विधायक विवेक पटेल

भगवान श्रीगणेश के आशीर्वाद से हमारे क्षेत्र में हो रहे विकास कार्य-विवेक पटेल

पद्‌मेश न्यूज। वारासिवनी । वारासिवनी खैरलांजी विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण और शहरी इलाकों में भक्तों के द्वारा भगवान श्रीगणेश की आराधना की जा रही है। सार्वजनिक पंडालों में उद्धाटन और धार्मिक अनुष्ठानों में विधायक विवेक पटेल की सक्रिय भागीदारी देखी जा रही है। वारासिवनी नगर के वॉर्ड नंबर ११ हैदराबाद मोहल्ले और ग्राम आरंभा में देवी जागरण का आयोजन किया गया। जहाँ मुख्य अतिथि के रूप में विधायक विवेक पटेल पहुंचे। कार्यक्रम में पहुंचते ही विधायक पटेल ने भगवान श्रीगणेश की पूजा अर्चना की जिसके पश्चात फीता काटकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। भजन गायक श्याम शर्मा ने भगवान श्रीगणेश की वंदना के साथ ही काली काली अमावस्या की रात में काली निकली है भैरो के साथ में,माता है गौरा पिता है महेश जय हो गणेश तेरी जय हो गणेश, मां शेरों वालिये तेरा शेर आ गया,भोले हो गए टनाटन सहित एक से बढ़कर एक भगवान के भजनो को गाया। इस दौरान राजकुमार खैरवार,विनायक शेंद्रे,शैलेन्द्र शिन्दे,जीतलाल

चौधरी,प्रमेंद्र हेड़ाऊ, विक्की खैरवार, राजा कामरी, अमन अर्जे, रूपम शिकारे,राजा बसेने,बुधराम बिसेन, देवनलाल जैतवार सहित गभक्तगण मौजूद रहे। इस दौरान विधायक विवेक पटेल ने कहा कि इस समय पूरा क्षेत्र भगवान श्रीगणेश की भक्ति में लीन है। भगवान श्रीगणेश का आशीर्वाद हमारे क्षेत्र वासियों में बना हुआ है,धार्मिक कार्यक्रम होने से दिल में सुकून मिलता है। ऐसे धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन बार बार होना चाहिए। इस समय हमारे क्षेत्र के किसान दुखी है इतनी मेहनत से फ सल तैयार किया है मगर उन फ सलों में माहु,करपा जैसी अनेकों बीमारी फ सल में लग चुकी है। मगर प्रदेश सरकार की भाजपा सरकार का किसानों की ओर ध्यान नहीं है,हमने क्षेत्र में खराब फसलों का सर्वे करवाने मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव को पत्र लिखा है। हम चाहते है हमारे किसानों को मेहनत का सही दाम मिले ये भाजपा सरकार किसान विरोधी है। ये नहीं चाहते कि किसानों को ईकतीस सौ रुपए प्रति क्विंटल धान का मूल्य मिले,ये चुनावों के समय सिर्फ बड़ी.बड़ी घोषणाएं करती है। आने वाले समय पर किसान ही इन्हें गद्दी से नीचे बैठाएगी।

वारासिवनी में चार दिवसीय हथकरघा एवं हस्तशिल्प प्रदर्शनी प्रारंभ

पद्‌मेश न्यूज। वारासिवनी । मध्यप्रदेश शासन के द्वारा संचालित सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत वोकल फॉर लोकल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बुनकर बाहुल क्षेत्र वारासिवनी में चार दिवसीय हथकरघा एवं हस्तशिल्प प्रदर्शनी २०२६ का शुभारंभ शनिवार को किया गया। प्रदर्शनी का आयोजन हथकरघा एवं हस्तशिल्प विकास निगम परिसर वारासिवनी में १९ से २२ सितंबर तक किया जा रहा है। प्रदर्शनी का समय प्रतिदिन सुबह ११ बजे से रात ८ बजे तक निर्धारित किया गया है। गणेश उत्सव एवं सेवा संकल्प अभियान के अवसर पर प्रदर्शनी में उपलब्ध सभी सामग्रियों पर २० प्रतिशत की विशेष छूट भी दी जा रही है। इससे स्थानीय बुनकरों एवं शिल्पकारों के द्वारा तैयार उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने के साथ नागरिकों को स्थानीय हस्तशिल्प खरीदने का अवसर मिलेगा। प्रदर्शनी का शुभारंभ मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद वारासिवनी की अध्यक्ष सरिता दांदरे ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर अध्यक्ष प्रतिनिधि मनोज दांदरे, पार्षद मोनू लिमजे,संतोष आड़े,जिला हथकरघा कार्यालय वारासिवनी के सहायक संचालक संजय मांझी, हथकरघा एवं हस्तशिल्प विकास निगम वारासिवनी के प्रभारी अधिकारी एस के आजाद सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि सरिता दांदरे ने कहा कि वोकल फॉर लोकल की भावना के तहत स्थानीय बुनकरों एवं शिल्पकारों द्वारा तैयार उत्पादों को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने शिल्पकारों से अपने पारंपरिक हुनर को आगे बढ़ाने तथा अधिक से अधिक गुणवत्तापूर्ण उत्पाद तैयार करने का आह्वान किया। प्रदर्शनी में जिले के बुनकरों एवं शिल्पकारों के द्वारा तैयार विभिन्न हथकरघा एवं हस्तशिल्प उत्पाद प्रदर्शित किए गए हैं। आयोजन का उद्देश्य स्थानीय कारीगरों को बाजार उपलब्ध कराने, उनके उत्पादों को पहचान दिलाने तथा पारंपरिक शिल्प एवं हाथकरघा कला को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम के अंत में सहायक संचालक हथकरघा संजय मांझी ने कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों, बुनकरों, शिल्पकारों एवं गणमान्य नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया। आयोजकों ने नागरिकों से प्रदर्शनी में पहुंचकर स्थानीय बुनकरों और शिल्पकारों के उत्पादों को प्रोत्साहित करने की अपील की है।

मान.उमेश बागरेचा
संपादक बालाघाट एक्सप्रेस
17 वर्ष सफलतम
मान. जावेद अली
जिला अध्यक्ष बालाघाट
राहुल प्रियंका गांधी विचार मंच
जनता की समस्याओं को आगाज देने वाले जिले का एकमात्र स्थानीय अखबार
बालाघाट एक्सप्रेस के सफलतम 17 वर्ष पूर्ण होने पर
हार्दिक शुभकामनाएं
विनीत::जावेद अली राहुल प्रियंका गांधी विचार मंच जिला अध्यक्ष बालाघाट

मान.उमेश बागरेचा
संपादक बालाघाट एक्सप्रेस
मान. प्रदीप जायसवाल
पूर्व केबिनेट मंत्री
मान. अरमान खान
समाज सेवी
मान.संदीप मिश्रा
भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष
17 वर्ष सफलतम
मनोज दांदरे
मनोज लिल्हारे युवा नेता
जीतू पुरी युवा नेता
मोतीराम नगपुरे
निष्पक्ष एवं निर्भीक पत्रकारिता का पर्याय बालाघाट एक्सप्रेस
को सफलतम् 17 वर्ष पूर्ण होने पर हार्दिक बधाई...
विनीत:: भाजपा परिवार वारासिवनी

मान.उमेश बागरेचा
संपादक बालाघाट एक्सप्रेस
17 वर्ष सफलतम
मान. स्वप्रिल डोंगरे
अधिवक्ता एवं कवि
पद्‌मेश मीडिया ग्रुप
बालाघाट एक्सप्रेस
के सफलतम 17 वर्ष पूर्ण होने पर
हार्दिक शुभकामनायें
विनीत:: स्वप्रिल डोंगरे अधिवक्ता एवं कवि वारासिवनी बालाघाट

मान.उमेश बागरेचा
संपादक बालाघाट एक्सप्रेस
प्रदीप जायसवाल
पूर्व केबिनेट मंत्री
सुभाष पारधी
अध्यक्ष भाजपा किसान मोर्चा वारासिवनी
जिले के लोकप्रिय निर्भीक और निष्पक्ष दैनिक अखबार
बालाघाट एक्सप्रेस
के सफलतम 17 वर्ष पूर्ण होने पर
हार्दिक बधाई...
विनीत:: सुभाष पारधी अध्यक्ष भाजपा किसान मोर्चा वारासिवनी

मान.उमेश बागरेचा
संपादक बालाघाट एक्सप्रेस
मान. के डी देशमुख
पूर्व विधायक
मान.विक्रम देशमुख
पूर्व जिला पंचायत सदस्य
17 वर्षो का यह सफर केवल पन्नों पर छपी स्याही का नहीं बल्कि बालाघाट जिले की जनता के विश्वास, संघर्ष और उम्मीदों का सफर है। बालाघाट एक्सप्रेस पत्र ने सदैव जनहित की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया और शासन प्रशासन तक पहुँचाया।
जिले का लोकप्रिय निष्पक्ष एवं निर्भीक पत्रकारिता का पर्याय
बालाघाट एक्सप्रेस को सफलतम् 17 वर्ष पूर्ण होने पर
हार्दिक बधाई...
विनीत:: विक्रम देशमुख पूर्व जिला पंचायत सदस्य वारासिवनी

मान.उमेश बागरेचा
संपादक बालाघाट एक्सप्रेस
दीपक मेश्राम
पूर्व जिला प्रभारी
बसपा बालाघाट
जिले का लोकप्रिय निष्पक्ष एवं निर्भीक पत्रकारिता का पर्याय
बालाघाट एक्सप्रेस
को सफलतम् 17 वर्ष पूर्ण होने पर
हार्दिक बधाई...
विनीत:: दीपक मेश्राम पूर्व जिला प्रभारी बसपा बालाघाट

मान.उमेश बागरेचा
संपादक बालाघाट एक्सप्रेस
मान. राजेन्द्र जैन
राज्यसभा सदस्य गोंदिया महाराष्ट्र
मान. निर्दोष माडॅल
पूर्व नपा अध्यक्ष
मान. धवल माडॅल
पूर्व नपा अध्यक्ष वारासिवनी
किसी भी जनप्रतिनिधि के लिए जनता का विश्वास सबसे बड़ा धन होता है और इस विश्वास को बनाए रखने में मीडिया की भूमिका अहम होती है। बालाघाट एक्सप्रेस ने निष्पक्ष पत्रकारिता के 17 वर्ष पूरे कर लिए हैं। मेरे राजनीतिक सफर में भी इस पत्र का मार्गदर्शन और सहयोग अतुलनीय रहा है।
जनता की समस्याओं को आगाज देने वाले जिले का एकमात्र स्थानीय अखबार
बालाघाट एक्सप्रेस
के सफलतम 17 वर्ष पूर्ण होने पर
हार्दिक शुभकामनाएं
विनीत:: निर्दोष माडॅल
पूर्व नपा अध्यक्ष वारासिवनी

मान.उमेश बागरेचा
संपादक बालाघाट एक्सप्रेस
मनोज लिल्हारे
सरपंच डोंगरमाली
17 वर्षो का यह सफर केवल पन्नों पर छपी स्याही का नहीं बल्कि बालाघाट जिले की जनता के विश्वास, संघर्ष और उम्मीदों का सफर है। बालाघाट एक्सप्रेस पत्र ने सदैव जनहित की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया और शासन प्रशासन तक पहुँचाया।
जिले का लोकप्रिय निष्पक्ष एवं निर्भीक पत्रकारिता का पर्याय
बालाघाट एक्सप्रेस को सफलतम् 17 वर्ष पूर्ण होने पर हार्दिक बधाई...
विनीत:: मनोज लिल्हारे सरपंच ग्राम पंचायत डोंगरमाली

मान.उमेश बागरेचा
संपादक बालाघाट एक्सप्रेस
सुनील बंटी पारधी
पूर्व जनपद उपाध्यक्ष
राजेश बॉंबी परिहार
शासकीय कान्ट्रेक्टर वारासिवनी
जिले का लोकप्रिय निष्पक्ष एवं निर्भीक पत्रकारिता का पर्याय
बालाघाट एक्सप्रेस के सफलतम 17 वर्ष पूर्ण होने पर
हार्दिक शुभकामनाएं
विनीत:: सुनील बंटी पारधी पूर्व जनपद उपाध्यक्ष वारासिवनी

मान.उमेश बागरेचा
संपादक बालाघाट एक्सप्रेस
श्रीमती अनुसूईया बिसेन
पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष
डॉ.लोहमर्ष बिसेन
जिला पंचायत सदस्य
बालाघाट एक्सप्रेस के १७ वर्षो का यह सफर क्षेत्र की विकास यात्रा का साक्षी रहा है। आपके द्वारा उठाए गए विकास कार्यों के मुद्दों को इस पत्र ने लगातार प्रमुखता से उठाया जिससे आपको जनसेवा के पथ पर आगे बढ़ने का एक सशक्त मंच मिला।
निष्पक्ष एवं निर्भीक पत्रकारिता का पर्याय बालाघाट एक्सप्रेस
को सफलतम् 17 वर्ष पूर्ण होने पर हार्दिक बधाई...
विनीत:: डॉ. लोहमर्ष बिसेन जिला पंचायत सदस्य बालाघाट

खानपान पर राजनीति

आज के दौर में राजनीतिक प्रोपेगेंडा से समाज के नजरिए को प्रभावित करने के बहुत से उदाहरण हमारे सामने हैं। खानपान की आदतें भी विभाजनकारी राजनैतिक प्रवृत्तियों के हाथ में एक औजार बन गई हैं। यह तर्क दिया जाता है कि मुसलमान इसलिए अधिक हिंसक होते हैं क्योंकि वे मांसाहारी होते हैं। पवित्र गाय और गौमांस के सेवन को भी इससे जोड़ दिया गया और नतीजे में हम भारत में लिंचिंग की शुरूआत के साक्षी बने जिसके मुख्य शिकार मुस्लिम होते हैं किंतु साथ ही बड़ी संख्या में दलितों को भी इसका सामना करना पड़ता है। हाउसिंग सोसायटियों में किसे रहने की इजाजत दी जाए और किसे नहीं, यह भी खानपान की आदतों के आधार पर तय होने लगा है। हाउसिंग सोसायटियां फ्लैट बेचने की अनुमति देने के पहले खरीदार की खानपान की आदतों के बारे में पूछताछ करती हैं। यह मुद्दा अधिक जटिल स्वरूप में हाल में बंगाल में सामने आया जहां पूजा-पंडालों के आसपास मांसाहारी खाद्य सामग्री न रखने की सलाह दी गई। साथ ही, समाज का एक तबका यह मांग कर रहा है कि जैन धर्म के पर्यूषण पर्व के दौरान मांसाहारी खाद्य पदार्थों पर प्रतिबंध लगना चाहिए। धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री (पर्चीवाले बाबा, जिन्हें प्रधानमंत्री अपना छोटा भाई कहते हैं) की दुर्गापूजा में मांसाहार पर निषेध की सलाह की मिलीजुली प्रतिक्रिया हुई। कुछ ही दिनों में बंगाल का सबसे बड़ा उत्सव, दुर्गा पूजा प्रारंभ होने वाला है। भाजपा हाल ही में पश्चिम बंगाल में सत्ता पर काबिज हुई है। बंगाल में भाजपा की राजनैतिक शक्ति में बढ़ोत्तरी के साथ-साथ वहां भगवान राम को बढ़ावा देने का सिलसिला शुरू हो गया है। भाजपा और उसके समर्थकों द्वारा भगवान राम पर केन्द्रित उत्सवों को बढ़ावा दिया जा रहा है। राम का सहारा लेने से भाजपा को उत्तर भारत में जबरदस्त चुनावी लाभ हुआ, जिसका प्रभाव पूरे देश के चुनावी परिदृश्य पर पड़ा। भाजपा ने बंगाल में सत्ता संभालने के बाद बागेश्वर धाम के धीरेन्द्र शास्त्री को बंगाल आने का न्यौता दिया। वे हावड़ा के लिलुआह में हनुमान कथा सुनाने के लिए आए थे। उन्होंने लोगों को सलाह दी कि पूजा के दौरान मांसाहारी खाद्य पदार्थों को दुर्गा प्रतिमा से दूर रखा जाए। ऐसा ही परामर्श आरएसएस की सहयोगी संस्था व्हीएचपी द्वारा कुछ दिन पहले दिया जा चुका था। इससे बंगाली हिन्दू नाराज हो गए। इनमें वे हिन्दू भी शामिल थे जो स्वयं को 'हिन्दू राष्ट्रवादी'' कहते हैं। कई प्रमुख बंगालियों ने अपना विरोध प्रदर्शित किया और वक्तव्य जारी कर कहा कि शास्त्री को हमें यह सिखाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए कि हम दुर्गापूजा कैसे मनाएं और क्या खाएं और क्या न खाएं। इस प्रतिक्रिया की वजह यह तथ्य है कि मछली और बकरे के मांस से बनने वाले व्यंजन दुर्गा उत्सव का लगभग अनिवार्य हिस्सा हैं। कई लोगों ने इस ओर ध्यान दिलाया कि मछली का बंगाली संस्कृति में बहुत महत्वपूर्ण स्थान है और मांसाहारी खाद्य पदार्थ हिंदू धर्म के कई धार्मिक संस्कारों का हिस्सा हैं। त्रिपुरा के पूर्व राज्यपाल तथागत रॉय से लेकर कई पत्रकारों, कंटेंट क्रियेटरों, समाज के विभिन्न वर्गों के व्यक्तियों, जिनमें स्वयं को ''बंगाली हिन्दू राष्ट्रवादी'' कहने वाले भी शामिल हैं, ने इसके प्रति विरोध प्रदर्शित किया। ''बंगालियों को यह न बताया जाए कि वे दुर्गा पूजा कैसे मनाएं'' कोलकाता की कंटेंट क्रियेटर श्रेयसी विश्वास बैनर्जी ने फेसबुक पर लिखा। उन्होंने एक वीडियो भी अटैच किया जिसमें उन्होंने कहा कि एक 'बाहरी व्यक्ति' विशिष्ट बंगाली धार्मिक और पाक परंपराओं के कायदे निर्धारित कर रहा है। कई लोगों ने शास्त्री के पोस्टरों को फाड़ा और विकृत किया।

युद्ध की राख से शांति का नया संसार कैसे बने?

21 सितम्बर का अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस इस वर्ष ऐसे समय में आया है, जब दुनिया को शांति की सबसे अधिक जरूरत है। रूस-यूक्रेन युद्ध लंबा खिंच चुका है, पश्चिम एशिया में इजराइल-गाजा संघर्ष की मानवीय त्रासदी समाप्त नहीं हुई है और 2026 में अमेरिका-इजराइल तथा ईरान के बीच भीषण सैन्य संघर्ष ने पूरे क्षेत्र की सुरक्षा एवं वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है। ऐसे वातावरण में शांति केवल एक आदर्श या कूटनीतिक शब्द नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के अस्तित्व की अनिवार्य शर्त बन गई है। संयुक्त राष्ट्र ने 2026 के अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस की थीम रखी है- शांति में निवेश करें-सभी के लिए, हर जगह, हर दिन। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार शांति का अर्थ केवल युद्ध की अनुपस्थिति नहीं, बल्कि सुरक्षा, गरिमा, अवसर और सहयोग का ऐसा वातावरण है जिसमें मनुष्य भयमुक्त होकर जीवन जी सके। इस वर्ष विशेष रूप से उन 'रोजमर्रा के शांति-निर्माताओं' को रेखांकित किया जा रहा है, जो अपने परिवार, समुदाय, विद्यालय और समाज में संवाद तथा विश्वास की नींव मजबूत करते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग भी शांति की खोज एवं शांति की स्थापना में होना चाहिए। ब्रिक्स 2026 की अध्यक्षता करते हुए भारत ने शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के महत्व को ही रेखांकित किया है।

दुनिया की वर्तमान स्थिति इस संदेश को और महत्वपूर्ण बनाती है। रूस-यूक्रेन युद्ध के साढ़े चार वर्ष से अधिक समय बाद भी हिंसा समाप्त नहीं हुई है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार जुलाई 2026 में यूक्रेन में कम-से-कम 437 नागरिक मारे गए और 2,610 घायल हुए-मार्च 2022 के बाद किसी एक महीने में दर्ज सबसे अधिक नागरिक क्षति में से एक है। मिसाइलों, ड्रोन और हवाई हमलों ने शहरों, ऊर्जा ढांचे और सामान्य नागरिक जीवन को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। सितंबर में अमेरिका, रूस और यूक्रेन के बीच वार्ता फिर शुरू करने की संभावनाओं पर चर्चा हुई है, लेकिन क्षेत्रीय नियंत्रण सहित कई महत्वपूर्ण प्रश्न अभी भी विवादित हैं। पश्चिम एशिया की स्थिति भी विश्व-शांति के लिए गंभीर चुनौती है। गाजा में संघर्ष और मानवीय संकट पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार सितंबर 2026 में भी वहां हवाई हमलों और सैन्य कार्रवाइयों के कारण नागरिकों की मौतें जारी थीं और बड़ी संख्या में लोग विस्थापित जीवन जी रहे थे। दूसरी ओर, फरवरी 2026 से अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच शुरू हुआ संघर्ष क्षेत्रीय तनाव को व्यापक बना चुका है। ईरान के हमलों और अमेरिकी तथा इजराइली सैन्य कार्रवाइयों ने केवल संबंधित देशों को ही नहीं, बल्कि खाड़ी क्षेत्र, ऊर्जा आपूर्ति और अंतरराष्ट्रीय व्यापार मार्गों को भी प्रभावित किया है। सितंबर में भी इस युद्ध के समाप्त होने की स्पष्ट स्थिति नहीं बनी थी।

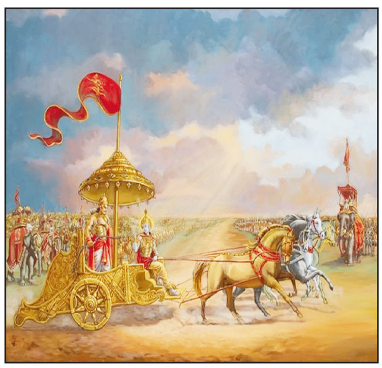

इन युद्धों की सबसे बड़ी कीमत सैनिकों से कहीं अधिक आम नागरिक चुका रहे हैं। घर उजड़ते हैं, बच्चे शिक्षा से वंचित होते हैं, अस्पताल और ऊर्जा व्यवस्था प्रभावित होती है, रोजगार समाप्त होते हैं और लाखों लोग विस्थापित होते हैं। युद्ध केवल वर्तमान को नहीं जलाता, वह आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को भी कमजोर करता है। इसलिए शांति की चर्चा केवल सीमाओं और सेनाओं के संदर्भ में नहीं, बल्कि मानवाधिकार, विकास, पर्यावरण, शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक सुरक्षा के संदर्भ में भी करनी होगी। शांति स्थापित करने का पहला रास्ता संवाद है। युद्धरत देशों के बीच प्रत्यक्ष संवाद कठिन हो सकता है, लेकिन असंभव नहीं। युद्ध के बीच भी मानवीय गलियारे, युद्धविराम, कैदियों की अदला-बदली, नागरिकों की सुरक्षा और मानवीय सहायता के रास्ते खुले रखने चाहिए। स्थायी शांति के लिए बातचीत में केवल शक्तिशाली देशों की भूमिका पर्याप्त नहीं है; क्षेत्रीय देशों, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं, नागरिक समाज और प्रभावित समुदायों की आवाज भी शामिल होनी चाहिए।

दूसरा रास्ता है हथियारों की दौड़ के बजाय शांति में निवेश। दुनिया सैन्य क्षमता पर जितना खर्च करती है, उसका एक हिस्सा यदि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, जलवायु संरक्षण और संघर्ष-प्रभावित क्षेत्रों के पुनर्निर्माण पर लगाया जाए तो हिंसा की ज ?ें को कमजोर किया जा सकता है। शांति केवल युद्ध समाप्त करने से नहीं आती; गरीबी, असमानता, बेरोजगारी, भेदभाव और अवसरों की कमी जैसे कारणों पर काम करना भी शांति-निर्माण का हिस्सा है। तीसरा महत्वपूर्ण उपाय है विश्वसनीय अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को मजबूत करना। संयुक्त राष्ट्र की स्थापना ही अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हुई थी। आज आवश्यकता इस बात की है कि बहुपक्षीय संस्थाएं अधिक प्रभावी, प्रतिनिधित्वपूर्ण और जवाबदेह बनें। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस ने 2026 के संदेश में कूटनीति, संवाद, बातचीत, शांति स्थापना, मानवाधिकार और सतत विकास में निवेश को स्थायी शांति के महत्वपूर्ण साधन बताया है।

भारत की शांति-दृष्टि भी इस संदर्भ में महत्वपूर्ण है। पंचशील के सिद्धांत-एक-दूसरे की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान, आक्रामकता से परहेज, आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करना, समानता एवं पारस्परिक लाभ तथा शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व-अंतरराष्ट्रीय संबंधों में संवाद और सह-अस्तित्व की अवधारणा को मजबूत करते हैं। महावीर का अहिंसा संदेश, बुद्ध की करुणा, गांधी का सत्य-अहिंसा दर्शन और आधुनिक भारत की शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की परंपरा दुनिया को यह स्मरण कराती है कि शक्ति का सर्वोच्च रूप विनाश नहीं, संयम और मानवीयता है। शांति केवल सरकारों की जिम्मेदारी भी नहीं है। घर में संवाद, विद्यालय में सहिष्णुता, समाज में भाईचारा और डिजिटल माध्यमों पर जिम्मेदार भाषा-ये सब विश्वशांति की ही छोटी इकाइयां हैं। आज सोशल मीडिया पर नफरत, झूठी सूचनाएं और उकसाने वाली भाषा सामाजिक तनाव को बढ़ाती हैं। इसलिए डिजिटल शांति भी 21वीं सदी की एक बड़ी आवश्यकता है। बच्चों और युवाओं को विवाद का उत्तर हिंसा से नहीं, तर्क, संवाद और सहानुभूति से देना सिखाना होगा।

सफेद कबूतर शांति का प्रतीक जरूर है, लेकिन अब प्रतीकों से आगे ब ?कर शांति की ठोस संरचना बनाने का समय है। युद्ध रोकने के लिए कूटनीति, नागरिकों की रक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय कानून, पीड़ितों के लिए मानवीय सहायता, विवादों के समाधान के लिए मध्यस्थता और युद्ध के बाद पुनर्निर्माण के लिए वैश्विक सहयोग-इन सभी को समान महत्व देना होगा। आज दुनिया को यह स्वीकार करना होगा कि किसी देश की सुरक्षा दूसरे देश की असुरक्षा पर स्थायी रूप से आधारित नहीं हो सकती। किसी एक क्षेत्र का युद्ध धीरे-धीरे ऊर्जा, व्यापार, पर्यावरण और वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है। इसलिए शांति अब किसी एक राष्ट्र का विषय नहीं, पूरी मानवता का साझा हित है। अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस हमें यह संकल्प लेने का अवसर देता है कि हम केवल युद्ध समाप्त होने की प्रतीक्षा न करें, बल्कि अपने-अपने स्तर पर शांति की संस्कृति विकसित करें। संयुक्त राष्ट्र का 2026 का संदेश भी इसी दिशा में है-शांति सम्मेलन कक्षों में ही नहीं, बल्कि विद्यालयों, मोहल्लों, परिवारों और समाजों में भी निर्मित होती है। मनुष्य ने विज्ञान से आकाश जीत लिया, समुद्र की गहराइयां नाप लीं और अंतरिक्ष तक पहुंच बना ली; अब उसे अपने भीतर की हिंसा पर विजय प्राप्त करनी है। युद्ध की राख से यदि शांति का संसार बनाना है तो हथियारों से अधिक विश्वास, शक्ति से अधिक संवाद और प्रतिस्पर्धा से अधिक सहयोग में निवेश करना होगा। यही अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस का वास्तविक संदेश है-दुनिया को युद्ध से विराम ही नहीं, शांति को स्थायी जीवन-पद्धति बनाना होगा।

-ललित गर्ग

भारत जोड़ो यात्रा के बाद छात्रों की गूंज-क्या कांग्रेस तलाश रही है नया वोट बैंक?

-सौरभ वार्ष्णेय

राजनीति में जन रैलियां और जनसंपर्क अभियान, जन सभायें केवल भीड़ जुटाने या एकत्रित करने के साधन नहीं होते। वरन राजनीतिक दलों को समाज के अलग-अलग वर्गों के साथ अपना रिश्ता बनाने, मुद्दों को पहचान देने और पार्टी संगठन को नई ऊर्जा देने संचार का अवसर भी देते हैं। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा के बाद अब कांग्रेस के कर्णधार राहुल गांधी की छात्रों की गूंज' कार्यक्रम पहल इसी दृष्टि से जनता की ओर अवना ध्यान खींच रही है। सवाल यह है कि क्या कांग्रेस छात्रों के बीच अपनी विचारधारा और राजनीतिक संदेश को पहुंचाने में सफल हो रही है या यह आने वाले चुनावों के लिए नए वोट बैंक की तलाश की रणनीति है? कांग्रेस का 17 जून 2026 को राजस्थान के कोटा से शुरू हुआ छात्रों की गूंज अभियान अब देहरादून, प्रयागराज और पुणे तक पहुंच चुका है। कांग्रेस ने इसे केवल राहुल गांधी के कुछ कार्यक्रमों तक सीमित नहीं रखा है। पार्टी ने इसके विस्तार की योजना बनाई है। जानकारी के अनुसार पहले चरण में 28 कार्यक्रम और आगे 800 शहरों या जिलों तक छात्र संपर्क बढ़ाने की योजना है। यहीं से इस अभियान का राजनीतिक महत्व समझ में आता है। हालांकि इसे विरोधी भी समझ रहे हैं लेकिन पेपर लीक समस्या का समाधान न मिलने से वह कांग्रेस के आगे शांति दिखाई दे रहे हैं। अगर हम कांग्रेस की नई रणनीति की बात करें तो भारत जोड़ो यात्रा का मूल स्वर व्यापक सामाजिक-राजनीतिक संपर्क था। राहुल गांधी ने पैदल यात्रा के माध्यम से विभिन्न राज्यों में लोगों से जनसंवाद किया। वह यात्रा कांग्रेस के लिए राजनीतिक पुन सम्पर्क का बड़ा प्रयोग थी क्योंकि राहुल गांधी की छवि जो प्रतिपार्टी ने धूमिल कर रखी थी उसे निखारने का का यह अवसर था जो कि बखूबी सिद्ध सफल हुआ।छात्रों की गूंज का दायरा अपेक्षाकृत ज्यादा केंद्रित है। यहां निशाना एक खास सामाजिक समूह है छात्र, प्रतियोगी परीक्षा देने वाले युवा और रोजगार की तलाश में लगे नौजवान। कोटा में परीक्षा, शिक्षा का खर्च, प्रवेश की मुश्किलें और छात्रों के मानसिक दबाव जैसे मुद्दे उठाए गए। रिपोर्ट के अनुसार उस कार्यक्रम में 4,000 से अधिक लोग पहुंचे, जिनमें बड़ी संख्या छात्रों की थी। देहरादून में पेपर लीक, सरकारी नौकरियों और बेरोजगारी जैसे सवाल सामने आए। प्रयागराज में भी पेपर लीक, भर्ती परीक्षाओं और रोजगार को प्रमुख मुद्दा बनाया गया। इससे स्पष्ट है कि कांग्रेस ने छात्र राजनीति के लिए मुद्दों का एक निश्चित पैकेज तैयार किया है। पेपर लीक, परीक्षा व्यवस्था, बेरोजगारी, महंगी शिक्षा और रोजगार के अवसर।इसका जवाब फिलहाल हां, लेकिन सीमित अर्थ में' दिया जा सकता है। कांग्रेस ने छात्रों के सामने ऐसे मुद्दे रखे हैं जो उनके रोजमर्रा के जीवन से जुड़े हैं। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाला छात्र पेपर लीक को किसी राजनीतिक नारे के रूप में नहीं, बल्कि अपने कई वर्षों के परिश्रम से जुड़े सवाल के रूप में देखता है। नौकरी की तैयारी करने वाले युवा के लिए भर्ती परीक्षा में देरी या परीक्षा रद्द होना सीधे उसके भविष्य से जुड़ता है। यही वह जगह है जहां कांग्रेस को राजनीतिक अवसर दिखाई दे रहा है। प्रयागराज में बड़ी संख्या में छात्र और परीक्षा अभ्यर्थी कार्यक्रम में पहुंचे और कई ने परीक्षा व्यवस्था तथा रोजगार से जुड़े सवाल उठाए। लेकिन यहां सावधानी जरूरी है। किसी राजनीतिक कार्यक्रम में युवाओं की भागीदारी को सीधे कांग्रेस के समर्थन या वोट में बदल देना सही निष्कर्ष नहीं होगा। कार्यक्रम में आना, राहुल गांधी की बात सुनना और कांग्रेस को वोट देना तीन अलग-अलग बातें हैं। अभी यह कहना अधिक उचित होगा कि कांग्रेस ने छात्रों के बीच अपने मुद्दे पहुंचाने के लिए एक प्रभावी मंच बनाया है। यह मंच भविष्य में कितना राजनीतिक समर्थन पैदा करता है, इसका प्रमाण चुनाव और स्वतंत्र जनमत सर्वेक्षण ही देंगे।

ट्रंप नें लिंडसे ओ.ग्राहम रूस और ईरान प्रतिबंध अधिनियम 2026 पर हस्ताक्षर किए

वैश्विक स्तरपर 19 सितंबर 2026 का दिन वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए केवल एक और कारोबारी दिन नहीं है,बल्कि यह उस बदलती आर्थिक व्यवस्था का संकेत है जिसमें ऊर्जा,व्यापार प्रतिबंध,शुल्क,मुद्रा और शेयर बाजार एक-दूसरे से पहले से कहीं अधिक गहराई से जुड़ गए हैं।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा रूस और ईरान से संबंधित नए प्रतिबंध कानून पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद भारत समेत रूस से ऊर्जा खरीदने वाले देशों के सामने नई अनिश्चितता खड़ी हो गई है।इस कानून में रूस की ऊर्जा खरीद करने वाले प्रमुख देशों पर 100 प्रतिशत तक अतिरिक्त शुल्क लगाने की शक्ति अमेरिकी राष्ट्रपति को दी गई है।हालांकि इसका यह अर्थ नहीं है कि भारत पर आज से ही 100 प्रतिशत शुल्क लागू हो गया है,बल्कि यह अमेरिकी प्रशासन को भविष्य में ऐसा कदम उठाने का वैधानिक अधिकार देता है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि,भारत के लिए यह घटनाक्रम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि एक ओर अगस्त में भारतीय वस्तु निर्यात 43.81 अरब डॉलर तक पहुंचा और कुल वस्तु एवं सेवा निर्यात 82.68 अरब डॉलर रहने का अनुमान लगाया गया,वहीं दूसरी ओर रूस से ऊर्जा आयात और अमेरिकी बाजार के बीच संतुलन की चुनौती और जटिल हो सकती है।ऐसे समय में जब भारतीय रुपया लगभग 95.87 प्रति डॉलर पर है और भारतीय शेयर बाजार वैश्विक संकेतों के प्रति संवेदनशील बना हुआ है, अमेरिकी प्रतिबंधों का नया ढांचा केवल विदेश नीति का विषय नहीं रह जाता,बल्कि भारत की ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार मुद्रा,महंगाई,उद्योग और निवेशकों की मनोदशा से सीधे जुड़ जाता है।

साथियों, बात अगर हम अमेरिकी कानून ने बदला आर्थिक समीकरण, इसको समझने की करें तो 18 सितंबर 2026 को ट्रंप ने लिंडसे ओ. ग्राहम रूस और ईरान प्रतिबंध अधिनियम 2026 पर हस्ताक्षर कर इसे कानून का रूप दिया।अमेरिकी सरकार के अनुसार यह कानून रूस पर वैधानिक प्रतिबंधों,शुल्क और अन्य प्रतिबंधात्मक उपायों का विस्तार करता है तथा ईरान पर मौजूदा प्रतिबंधों को भी आगे बढ़ाता है।इसके अंतर्गत रूस के तेल या प्राकृतिक गैस के प्रमुख खरीदार देशों पर 100 प्रतिशत तक शुल्क लगाने का प्रावधान है।कानून में कुछ अपवाद और शर्तें भी हैं, इसलिए इसे भारत पर तत्काल 100 प्रतिशत शुल्क लगाए जाने के रूप में देखना तथ्यात्मक रूप से सही नहीं होगा।लेकिन आर्थिक दृष्टि से असली चिंता इसी अधिकार के अस्तित्व में है। यदि भविष्य में अमेरिकी प्रशासन भारत के रूस से ऊर्जा आयात को लेकर अतिरिक्त शुल्क लागू करता है तोभारत के लिए चुनौती केवल अमेरिका को होने वाला निर्यात नहीं होगी, बल्कि रूस से मिलने वाले अपेक्षाकृत सस्ते कच्चे तेल की उपलब्धता,भारतीय परिशोधन उद्योग की लागत, घरेलू ईंधन कीमतों, व्यापार संतुलन और मुद्रा बाजार पर भी असर पड़ सकता है। यही कारण है कि आज का घटनाक्रम एक संभावित शुल्क विवाद से आगे बढ़कर भारत की ऊर्जा और व्यापार नीति के लिए महत्वपूर्ण परीक्षा बन गया है।

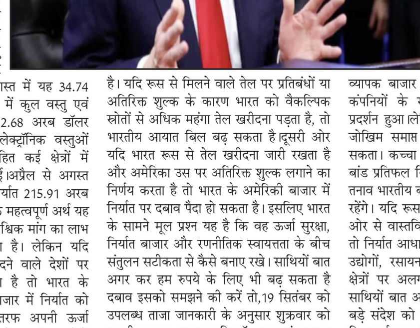

साथियों बात अगर हम भारत के सामने दोहरी आर्थिक चुनौती को समझने की करें तो, भारत की वर्तमान स्थिति में सबसे दिलचस्प विरोधाभास यह है कि निर्यात क्षेत्र से अच्छी खबर आई है, लेकिन बाहरी आर्थिक जोखिम भी बढ़ा है। अगस्त 2026 में भारत का वस्तु निर्यात 43.81 अरब डॉलर रहा, जबकि पिछले वर्ष अगस्त में यह 34.74 अरब डॉलर था।इसी अवधि में कुल वस्तु एवं सेवा निर्यात का अनुमान 82.68 अरब डॉलर रहा।इंजीनियरिंग वस्तुओं, इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं और पेट्रोलियम उत्पादों सहित कई क्षेत्रों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई।अप्रैल से अगस्त 2026-27 के दौरान वस्तु निर्यात 215.91 अरब डॉलर रहा।इस आंकड़े का एक महत्वपूर्ण अर्थ यह है कि भारत का निर्यात क्षेत्र वैश्विक मांग का लाभ उठाने की क्षमता दिखा रहा है। लेकिन यदि अमेरिका रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर अतिरिक्त शुल्क लागू करता है तो भारत के लिए एक तरफ अमेरिकी बाजार में निर्यात को बनाए रखना और दूसरी तरफ अपनी ऊर्जा आवश्यकता के लिए रूस से तेल खरीदना दोनों लक्ष्यों के बीच संतुलन कठिन हो सकता है। यही वह बिंदु है जहां व्यापार नीति और ऊर्जा नीति एक-दूसरे से जुड़ जाती हैं। साथियों बात अगर हम रूस का तेल भारत के लिए इतना महत्वपूर्ण क्यों है? इसको समझने की करें तो भारत अपनी विशाल ऊर्जा आवश्यकता के कारण दुनिया के प्रमुख कच्चे तेल आयातक देशों में है। ऐसे में तेल की कीमत में प्रत्येक बड़ी वृद्धि का असर केवल पेट्रोल और डीजल पर नहीं पड़ता। परिवहन लागत, विमानन रसायन प्लास्टिक, उर्वरक, विनिर्माण और वस्तुओं की ढुलाई तक इसकी श्रृंखलाबद्ध प्रतिक्रिया पहुंचती है। यदि रूस से मिलने वाले तेल पर प्रतिबंधों या अतिरिक्त शुल्क के कारण भारत को वैकल्पिक स्रोतों से अधिक महंगा तेल खरीदना पड़ता है, तो भारतीय आयात बिल बढ़ सकता है।दूसरी ओर यदि भारत रूस से तेल खरीदना जारी रखता है और अमेरिका उस पर अतिरिक्त शुल्क लगाने का निर्णय करता है तो भारत के अमेरिकी बाजार में निर्यात पर दबाव पैदा हो सकता है। इसलिए भारत के सामने मूल प्रश्न यह है कि वह ऊर्जा सुरक्षा, निर्यात बाजार और रणनीतिक स्वायत्तता के बीच संतुलन सटीकता से कैसे बनाए रखे। साथियों बात अगर कर हम रुपये के लिए भी बढ़ सकता है दबाव इसको समझने की करें तो,19 सितंबर को उपलब्ध ताजा जानकारी के अनुसार शुक्रवार को भारतीय रुपया 95.87 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। उसे भारतीय रिजर्व बैंक की डॉलर बिक्री और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से कुछ सहारा मिला, लेकिन मजबूत अमेरिकी मुद्रा और आयातकों की डॉलर मांग ने उसकी मजबूती सीमित रखी। चालू वित्त वर्ष में रुपया अब तक लगभग 1.05 प्रतिशत कमजोर हो चुका है।यदि भविष्य में तेल का आयात महंगा होता है तो भारत को तेल खरीदने के लिए अधिक डॉलर की आवश्यकता होगी। इससे डॉलर की मांग बढ़ सकती है और रुपये पर दबाव आ सकता है। कमजोर रुपया निर्यातकों के लिए कुछ परिस्थितियों में लाभकारी हो सकता है, लेकिन महंगे आयात के कारण कच्चे माल, ऊर्जा और मशीनरी की लागत बढ़ सकती है। इसलिए रुपये की कमजोरी को केवल निर्यातकों के लिए लाभ के रूप में देखना उचित नहीं होगा। साथियों बात अगर हम शेयर बाजार के लिए असली परीक्षा को समझने की करें तो 18 सितंबर को भारतीय शेयर बाजार में मिश्रित तस्वीर देखने को मिली। सेंसेक्स 19.63 अंक की मामूली गिरावट के साथ 74,294.96 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 50 में 75.80 अंक अथवा 0.33 प्रतिशत की बढ़त रही और वह 23,346.40 पर बंद हुआ। व्यापक बाजार में मध्य और छोटे आकार की कंपनियों के सूचकांकों में अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन हुआ।लेकिन बाजार की इस स्थिरता को जोखिम समाप्त होने का संकेत नहीं माना जा सकता। कच्चा तेल, अमेरिकी ब्याज दरें,वैश्विक बांड प्रतिफल विदेशी निवेश और भू-राजनीतिक तनाव भारतीय बाजार की दिशा को प्रभावित करते रहेंगे। यदि रूस के तेल को लेकर अमेरिका की ओर से वास्तविक अतिरिक्त शुल्क लागू होता है तो निर्यात आधारित कंपनियों, ऊर्जा- खपत वाले उद्योगों, रसायन, विमानन, परिवहन और अन्य क्षेत्रों पर अलग-अलग प्रभाव पड़ सकता है। साथियों बात अगर हम निवेशकों के लिए सबसे बड़े संदेश को समझने की करें तो,निवेशकों के लिए वर्तमान परिस्थिति में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि केवल एक दिन के शेयर बाजार की तेजी या गिरावट के आधार पर भविष्य का निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा। बाजार इस समय कई परस्पर विरोधी संकेतों को एक साथ समाहित कर रहा है। एक ओर कच्चे तेल में कुछ नरमी आती है तो बाजार को राहत मिलती है,दूसरी ओर अमेरिका के नए प्रतिबंधों से ऊर्जा और व्यापार संबंधी अनिश्चितता बढ़ती है।एक तरफ भारत के निर्यात में तेज वृद्धि हुई है, तो दूसरी तरफ विदेशी मुद्रा और रुपये पर बाहरी दबाव बना हुआ है।ऐसे वातावरण में भारतीय निवेशकों के लिए कंपनियों की आय,कर्ज,आयात पर निर्भरता, निर्यात में अमेरिकी बाजार की हिस्सेदारी और ऊर्जा लागत जैसे मूलभूत तत्व पहले से अधिक महत्वपूर्ण हो जाते हैं। वैश्विक निवेशकों के लिए भारत की कहानी केवल आर्थिक वृद्धि की नहीं बल्कि बाहरी झटकों को सहने की क्षमता की भी होगी। साथियों बात अगर हम महंगाई की चिंता क्यों लौट सकती है इसको समझने की करें तो,यदि कच्चे तेल की कीमत लंबे समय तक ऊंची रहती है तो भारत के लिए महंगाई का जोखिम बढ़ सकता है। तेल महंगा होने से परिवहन लागत बढ़ती है और उसका प्रभाव अनेक वस्तुओं और सेवाओं तक पहुंच सकता है।यदि उसी समय रुपया भी कमजोर होता है तो आयातित मुद्रास्फीति का दबाव और बढ़ सकता है। इसके विपरीत यदि तेल की कीमतों में पर्याप्त और स्थायी कमी आती है तो भारत के आयात बिल और महंगाई दोनों को राहत मिल सकती है।यही कारण है कि आने वाले समय में भारत की अर्थव्यवस्था के लिए अमेरिकी प्रतिबंध कानून का प्रभाव इस बात पर निर्भर करेगा कि उसका वास्तविक क्रियान्वयन किस रूप में होता है, तेल की वैश्विक कीमतें किस दिशा में जाती हैं और भारत वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों तथा व्यापारिक साझेदारियों का कितना प्रभावी उपयोग करता है।

साथियों बात अगर हम निर्यात की तेज रफ्तार के बीच नया प्रश्न इसको समझने की करें तो अगस्त के निर्यात आंकड़ों ने भारत की अर्थव्यवस्था को एक सकारात्मक आधार दिया है। वस्तु निर्यात में 26 प्रतिशत से अधिक की वार्षिक वृद्धि दर्ज हुई और कुल वस्तु एवं सेवा निर्यात 82.68 अरब डॉलर तक पहुंचने का सटीक अनुमान रहा।लेकिन अब प्रश्न यह है कि क्या यह निर्यात गति आगे भी कायम रह सकेगी। अमेरिका भारत के लिए एक महत्वपूर्ण निर्यात बाजार है। यदि रूस से तेल खरीद को लेकर अतिरिक्त अमेरिकी शुल्क लागू होते हैं और उसके जवाब में व्यापारिक तनाव बढ़ता है,तो भारतीय निर्यातकों को नए बाजार खोजने, लागत घटाने और आपूर्ति श्रृंखला में बदलाव करने की आवश्यकता पड़ सकती है। इससे अल्पकाल में अनिश्चितता बढ़ सकती है, जबकि दीर्घकाल में भारत के लिए बाजारों का विविधीकरण एक महत्वपूर्ण रणनीतिक आवश्यकता बन सकता है।भारत के लिए अवसर भी मौजूद हैं,वर्तमान परिस्थितियों में केवल जोखिम देखना भी पूरी तस्वीर नहीं होगी। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता की आवश्यकता बढ़ रही है। यदि कंपनियां किसी एक देश या क्षेत्र पर निर्भरता घटाना चाहती हैं तो भारत विनिर्माण इलेक्ट्रॉनिक्स, औषधि,इंजीनियरिंग,रसायन और अन्य क्षेत्रों में अपनी क्षमता का विस्तार कर सकता है।अगस्त के निर्यात आंकड़ों में इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं और इंजीनियरिंग वस्तुओं की मजबूत वृद्धि इसका संकेत देती है।इसलिए वर्तमान संकट भारत के लिए चुनौती के साथ-साथ व्यापारिक विविधीकरण का अवसर भी बन सकता है।यदि भारत अमेरिकी बाजार के साथ संबंध बनाए रखते हुए यूरोप, पश्चिम एशिया, अफ्रीका, दक्षिण-पूर्व एशिया और अन्य उभरते बाजारों में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाता है तो किसी एक बाजार पर अत्यधिक निर्भरता कम की जा सकती है। साथियों बात अगर हम आने वाले सप्ताह में बाजार की नजर किन बातों पर होगी इसको समझने की करें तो अब बाजार की निगाह मुख्य रूप से पांच बातों पर रहेगी, अमेरिकी प्रशासन नए कानून का वास्तविक उपयोग किस प्रकार करता है, रूस से भारतीय तेल आयात को लेकर आगे क्या निर्णय सामने आता है, कच्चे तेल की कीमत किस स्तर पर टिकती है, रुपया 96 प्रति डॉलर के आसपास किस प्रकार व्यवहार करता है और विदेशी निवेशकों की भारतीय बाजार में वापसी कितनी मजबूत होती है।

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

इंदौर बाजार की साप्ताहिक समीक्षा

इंदौर। एजेंसी। आयात पर ड्यूटी फ्री व स्टॉक सीमा के बाद आलौच्य सप्ताह के दौरान शक्कर में बाजार मंदी के रहे। खोपरा गोला कमोवेश बना रहा। खाद्य तेलों में सुस्ती बनी, तिलहनों में सोयाबीन 5700 रू. प्रति क्विंटल पर कमजोर रहा। दलहनों में लेवाली से चना चमक पर रहा।

किराना- शनिवार को समाप्त हुए आलौच्य सप्ताह के दौरान स्थानीय सियागंज किराना बाजार में व्यापार सामान्य ही रहा। शक्कर में सरकारी नियंत्रण हावी होने से आयातित शक्कर 10 लाख टन ड्यूटी फ्री करने और स्टॉक सीमा लागू होने के बाद शक्कर में बाजार मंदी के रहे। शक्कर में बाजार 4900-4950 रू. प्रति क्विंटल से टूटकर 4720-4800 रू. प्रति क्विंटल पर आ गये। खोपरा गोला 340-400 रू. प्रति क्विंटल की रेंज में रहा। कालीमिर्च में कोचीन तरफ की पूछपरख से भावों में मजबूती बनी। कालीमिर्च में एटम क्वालिटी माल 785-800 रू. प्रति किलो पर आ गया। जीरे में लेवाली थमने से बाजार 10-15 रू. प्रति किलो तक घटाकर बोले गये। काजू व बादाम में लेवाली सामान्य रहने के बावजूद आयातित मालों में आयी तेजी से बाजार चढ़ गये। बादाम में मगज क्वालिटी माल 1150-1200 रू. प्रति किलो पर आ गया। नारियलों गणेशोत्सव की मॉंग से बाजार बड़ पर रहे। नारियल 120 भरती मालों में बाजार 2900 रू. प्रति थैले के मुकाबले 3100 रू. प्रति थैले पर आ गये। अन्य किराना जिंसों में बाजार पूर्वस्तर पर बने रहे।

तेल तिलहन- समीक्षा सप्ताह के दौरान खाद्य तेलों में कामकाज सामान्य ही रहा। तेल में पिछले सप्ताह आयी तेजी के बाद बाजार में सुस्ती बनी है। आलौच्य अवधि में सींगदाना तेल इंदौर लाइन पर 1780-1800 रू. प्रति 10 किलो प मजबूत रहा। सोया व कपास्या तेलों में 20-25 रू. प्रति 10 किलो की गिरावट पर रहे। सोया तेल रिफाइंड मालों में बाजार 1445-1450 रू. प्रति 10 किलो से टूटकर 1420-1425 रू. प्रति 10 किलो पर आ गये। कपास्या तेलों में भी नरमी आयी। तिलहनों में सोयाबीन बाजार घटकर 5700 रू. प्रति क्विटल पर आ गये। वहीं, सरसो व रायडे में बाजार बने रहे।

दाल दलहन- आलौच्य सप्ताह के दौरान दाल-दलहनों में कामकाज सामान्य ही रहा। चने में पूछपरख के बाद भावों में 50-100 रू. क्विंटल तक की तेजी दर्ज हुई। चना बढ़िया मालों में 6800-6900 रू. क्विंटल पर आ गया। तुअर बाजार 6500-6800 रू. प्रति क्विंटल पर बने रहे। उड़द में सीमित आवकों के बीच बाजार 9200-9500 रू. प्रति क्विंटल पर आ गये। मूंग में नये मालों की दस्तक सप्ताह के दौरान पंधाना लाइन से हुई। आने वाले दिनों में आवकों में बढ़ौतरी की उम्मीद है। मूंग में क्वालिटीनुसार बाजार 7800-9500 रू. प्रति क्विंटल पर आ गये।

लागत से कम दाम पर बिकवाली से मंदी की चपेट में तेल-तिलहन बाजार

नई दिल्ली। एजेंसी। बीते सप्ताह कांडला बंदरगाह पर आयातकों द्वारा पैसे की तंगी और कमजोर मांग के चलते लागत से नीचे दाम पर की गई बिकवाली से लगभग सभी तेल-तिलहन कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई। मूंगफली तेल की निरंतर मांग के बीच उसके दाम स्थिर रहे। कांडला बंदरगाह पर आयातकों को पैसे की तंगी के चलते लागत से नीचे दाम पर तेल बेचने को मजबूर होना पड़ा, जिससे बीते सप्ताह लगभग सभी तेल-तिलहन की कीमतों में भारी गिरावट आई। सूत्रों के अनुसार, आयातित सोयाबीन तेल अपनी वास्तविक लागत (127 रुपये) से लगभग 10-11 रुपये प्रति किलो नीचे (116.50 रुपये) बिक रहा है, यहां तक कि ब्राजील और अर्जेंटीना जैसे प्रमुख उत्पादक देशों से भी सस्ता मिल रहा है। इसी तरह, कच्चे पाम तेल को रिफाइंड कर पामोलीन बनाने की लागत (150 रुपये) भी बिक्री मूल्य (145 रुपये) से अधिक बैठ रही है, जिससे पाम तेल में भी गिरावट देखी गई। ऊंचे दाम के कारण सरसों खप नहीं पा रहा और मंडियों में बिनौला की नई फसल की आवक ने भी सरसों और बिनौला तेल कीमतों में गिरावट दर्ज कराई। हालांकि, बाजार में निरंतर मांग के चलते मूंगफली तेल-तिलहन के दाम इस गिरावट से अछूते रहे और स्थिर बने हुए हैं।

बीते सप्ताह सरसों दाना 150 रुपये की गिरावट के साथ 8,150-8,200 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों तेल दादरी 350 रुपये की गिरावट के साथ 16,450 रुपये प्रति क्विंटल तथा सरसों पक्की एवं कच्ची घानी तेल क्रमशः 50-50 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 2,685-2,785 रुपये और 2,685-2,835 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 250-250 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 6,050-6,100 रुपये और 5,900-6,000 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार आयातकों की लागत से नीचे दाम पर बिकवाली की वजह से दिल्ली में सोयाबीन तेल 200 रुपये की गिरावट के साथ 15,300 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 200 रुपये की गिरावट के साथ 15,100 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दूसरी ओर, सोयाबीन डीगम तेल 300 रुपये गिरावट के साथ 11,650 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। विदेशों में आई गिरावट के बावजूद निरंतर मांग के कारण बीते सप्ताह मूंगफली तिलहन का दाम 7,600-8,175 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 17,500 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 2,755-3,055 रुपये प्रति टिन पर स्थिर रुख के साथ बंद हुए। सीपीओ तेल का दाम 150 रुपये की गिरावट के साथ 13,975 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली 325 रुपये की गिरावट के साथ 15,700 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल 225 रुपये की गिरावट के साथ 14,500 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।नयी फसल की आवक शुरू होने के कारण बीते सप्ताह बिनौला तेल का दाम 500 रुपये की गिरावट के साथ 15,700 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

त्योहारी मौसम में एफएमसीजी उत्पादों की कीमतों में बढ़ोतरी टली

नई दिल्ली। एजेंसी। देश की प्रमुख एफएमसीजी (रोजमर्रा के उपभोग का सामान बनाने वाली) कंपनियां त्योहारी सीजन में उत्पादों की कीमतों में बड़ी बढ़ोतरी से बचेंगी। लागत पर बढ़ते दबाव के बावजूद उनका मुख्य ध्यान फिलहाल उपभोक्ता मांग और बिक्री बनाए रखने पर है। उद्योग से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार कंपनियों ने जून तिमाही में ही कच्चे माल की बढ़ी कीमतों के प्रभाव को कम करने के लिए चुनिंदा उत्पादों के दाम में करीब दो से पांच प्रतिशत तक की बढ़ोतरी कर दी थी। चीनी, खाद्य तेल, कॉफी और पैकेजिंग सामग्री सहित विभिन्न कच्चे मालों की लागत में वृद्धि, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और भू-राजनीतिक तनाव ने कंपनियों पर दबाव बढ़ा रखा है। हालांकि, कंपनियां परिचालन दक्षता और लागत नियंत्रण जैसे उपायों से इस अतिरिक्त बोझ का बड़ा हिस्सा खुद वहन कर रही हैं, जिससे उनके मुनाफे पर दबाव बना है।

कच्चे तेल, पश्चिम एशिया के घटनाक्रम तय करेंगे शेयर बाजार की दिशा

मुंबई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार के लिए यह सप्ताह चुनौतियों से भरा रहने वाला है। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें, पश्चिम एशिया में तनाव और अमेरिका द्वारा रूस तथा ईरान पर लगाए गए नए प्रतिबंध निवेशकों की धारणा को प्रमुखता से प्रभावित करेंगे। विश्लेषकों का मानना है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लिंडसे ओ. ग्राहम सैंक्शनिंग रूस एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026 पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद व्यापार मोर्चे पर एक नई अनिश्चितता पैदा हो गई है, जिसका असर भारत पर भी पड़ सकता है। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीओ) न्की लगातार निकासी भी बाजार के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार अमेरिका के इस नए कानून के तहत रूस से कच्चा तेल और गैस खरीदने वाले कुछ देशों पर 100 प्रतिशत तक शुल्क लगाने का अधिकार अमेरिकी राष्ट्रपति को मिल गया है। चूंकि भारत रूस से महत्वपूर्ण मात्रा में कच्चे तेल की खरीद करता है, ऐसे में इस नीति का संभावित प्रभाव भारतीय बाजार पर देखा जा सकता है। हालांकि, शुल्क की दर और किन देशों पर यह लागू

होगा, इस बारे में अमेरिकी प्रशासन के पास व्यापक अधिकार हैं, जिससे फिलहाल अनिश्चितता बनी हुई है। बाजार के जानकारों के मुताबिक कच्चे तेल के दाम, बॉण्ड प्रतिफल और भू-राजनीतिक घटनाक्रम इस सप्ताह बाजार की दिशा तय करने वाले प्रमुख कारक रहेंगे। अमेरिका-ईरान तनाव और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल को भी वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण बताया। इस बीच, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने सितंबर में अब तक भारतीय शेयरों से करीब 20,974 करोड़ रुपये की बड़ी निकासी की है। ऊंची कच्चे तेल की कीमतें, अमेरिका में ब्याज दरों में वृद्धि और वैश्विक अनिश्चितताएं इस बिकवाली के मुख्य कारण हैं। आने वाले दिनों में भारत, अमेरिका और यूरो क्षेत्र के पीएमआई आंकड़ों के साथ-साथ अमेरिका के आगामी श्रम बाजार आंकड़ों पर भी निवेशकों की नजर रहेगी। घरेलू मोर्चे पर, 24 सितंबर को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) की सूचीबद्धता भी एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम होगी, जिसके 22,569 करोड़ रुपये के आईपीओ को दूसरे दिन ही पूर्ण अभिदान मिल गया था। पिछले सप्ताह, बीएसई का सेंसेक्स 0.65 प्रतिशत और एनएसई निफ्टी 0.22 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए थे।

ईंधन की कीमतों में स्थिरता बरकरार

नई दिल्ली। एजेंसी। रविवार 20 सितंबर को देश भर में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में स्थिरता बनी हुई है, जिससे उपभोक्ताओं को थोड़ी राहत मिली है। ज्यादातर बड़े शहरों में ईंधन के दाम अपरिवर्तित रहे। इस वक्त देश में पेट्रोल की औसत कीमत 111.21 रुपये प्रति लीटर है, जबकि डीजल 97.83 रुपये प्रति लीटर पर बिक रहा है। राजधानी दिल्ली में जहां कीमतें अपेक्षाकृत कम हैं, वहीं हैदराबाद जैसे शहरों में ये सर्वाधिक दर्ज की गई हैं। प्रमुख शहरों में मुंबई में पेट्रोल 111.31 रुपये और डीजल 97.97 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है। दिल्ली में पेट्रोल 102.12 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.20 रुपये प्रति लीटर पर उपलब्ध है, जो अन्य बड़े शहरों के मुकाबले कम है। वहीं, हैदराबाद में पेट्रोल 115.71 रुपये और डीजल 103.84 रुपये प्रति लीटर के साथ कीमतें सर्वाधिक दर्ज की गई हैं। बेंगलुरु में भी पेट्रोल 110.82 रुपये और डीजल 98.77 रुपये प्रति लीटर पर बना हुआ है। कीमतों में यह स्थिरता रविवार को कमोडिटी बाजारों के बंद रहने के कारण है, जिससे दाम शुक्रवार, 18 सितंबर के स्तर पर बरकरार हैं। शुक्रवार को कच्चे तेल की कीमतों में लगभग 1 फीसदी की गिरावट आई थी, जिसमें ब्रेंट क्रूड 0.91 फीसदी गिरकर 103.87 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ। ब्रेंट क्रूड का 104 डॉलर प्रति बैरल से नीचे रहना पिछले हफ्ते ईंधन की कीमतों को काफी हद तक स्थिर रखने में मददगार साबित हुआ।

लागत से कम दाम पर बिकवाली से मंदी की चपेट में तेल-तिलहन बाजार

नई दिल्ली। एजेंसी। बीते सप्ताह कांडला बंदरगाह पर आयातकों द्वारा पैसे की तंगी और कमजोर मांग के चलते लागत से नीचे दाम पर की गई बिकवाली से लगभग सभी तेल-तिलहन कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई। मूंगफली तेल की निरंतर मांग के बीच उसके दाम स्थिर रहे। कांडला बंदरगाह पर आयातकों को पैसे की तंगी के चलते लागत से नीचे दाम पर तेल बेचने को मजबूर होना पड़ा, जिससे बीते सप्ताह लगभग सभी तेल-तिलहन की कीमतों में भारी गिरावट आई। सूत्रों के अनुसार, आयातित सोयाबीन तेल अपनी वास्तविक लागत (127 रुपये) से लगभग 10-11 रुपये प्रति किलो नीचे (116.50 रुपये) बिक रहा है, यहां तक कि ब्राजील और अर्जेंटीना जैसे प्रमुख उत्पादक देशों से भी सस्ता मिल रहा है। इसी तरह, कच्चे पाम तेल को रिफाइंड कर पामोलीन बनाने की लागत (150 रुपये) भी बिक्री मूल्य (145 रुपये) से अधिक बैठ रही है, जिससे पाम तेल में भी गिरावट देखी गई। ऊंचे दाम के कारण सरसों खप नहीं पा रहा और मंडियों में बिनौला की नई फसल की आवक ने भी सरसों और बिनौला तेल कीमतों में गिरावट दर्ज कराई। हालांकि, बाजार में निरंतर मांग के चलते मूंगफली तेल-तिलहन के दाम इस गिरावट से अछूते रहे और स्थिर बने हुए हैं। बीते सप्ताह सरसों दाना 150 रुपये की गिरावट के साथ 8,150-8,200 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों तेल दादरी 350 रुपये की गिरावट के साथ 16,450 रुपये प्रति क्विंटल तथा सरसों पक्की एवं कच्ची घानी तेल क्रमशः 50-50 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 2,685-2,785 रुपये और 2,685-2,835 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 250-250 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 6,050-6,100 रुपये और 5,900-6,000 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार आयातकों की लागत से नीचे दाम पर बिकवाली की वजह से दिल्ली में सोयाबीन तेल 200 रुपये की गिरावट के साथ 15,300 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 200 रुपये की गिरावट के साथ 15,100 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दूसरी ओर, सोयाबीन डीगम तेल 300 रुपये गिरावट के साथ 11,650 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

मेष- मेष राशि वालों के लिए आज का दिन उपलब्धियों और अच्छी खबरों से भरा रह सकता है। नौकरीपेशा लोगों को वरिष्ठ अधिकारियों की ओर से कोई महत्वपूर्ण समाचार मिल सकता है। रोजगार की तलाश कर रहे जातकों के लिए नए अवसर सामने आएंगे और मित्रों के माध्यम से बने नए संपर्क भविष्य में लाभदायक साबित हो सकते हैं।

वृषभ- वृष राशि वालों के लिए आज का दिन कई सुखद अनुभव लेकर आ सकता है। आपकी मुलायम और मधुर वाणी लोगों पर अच्छा प्रभाव डालेगी, इसलिए बातचीत में संयम बनाए रखना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। बचपन का कोई मित्र अचानक मिलने आ सकता है और उसके साथ पुरानी यादें ताजा होंगी। घर से दूर रहने वाले लोगों को परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिल सकता है।

मिथुन- मिथुन राशि वालों के लिए आज का दिन सकारात्मक बदलाव लेकर आएगा। परिवार से जुड़ा कोई पुराना मामला किसी बुजुर्ग की सहायता से सुलझ सकता है, जिससे घर में फिर से खुशियों का माहौल बनेगा। आपकी योजनाएं गति पकड़ेंगी और किसी नए काम की शुरुआत करने का विचार है तो आज उस दिशा में कदम बढ़ाया जा सकता है।

कर्क- कर्क राशि वालों के लिए आज का दिन अनुकूल रहने वाला है। किसी खास व्यक्ति से होने वाली मुलाकात आपके लंबे समय से अटके काम को पूरा कराने में मदद कर सकती है। बच्चों को स्कूल से जुड़ी किसी गतिविधि या यात्रा का अवसर मिलने से वे उत्साहित रहेंगे। जीवनसाथी का स्नेह और सहयोग आपको भावनात्मक रूप से मजबूत महसूस कराएगा।

सिंह- सिंह राशि वालों के लिए आज का दिन किसी बड़ी इच्छा के पूरे होने का संकेत दे रहा है। मकान, प्लॉट, दुकान या किसी अन्य संपत्ति से जुड़ी आपकी योजना आगे बढ़ सकती है। संतान की नौकरी या करियर से जुड़ी कोई अच्छी खबर परिवार के लिए खुशी का कारण बनेगी। लंबे समय से चली आ रही किसी परेशानी में भी राहत मिल सकती है।

कन्या- कन्या राशि वालों के लिए आज का दिन आत्मविश्वास और उपलब्धियों से जुड़ा रहेगा। आपका शांत और विनम्र व्यवहार दूसरों को प्रभावित करेगा। हालांकि, खर्चों पर नजर रखना जरूरी है, क्योंकि आज कुछ अनावश्यक खर्च सामने आ सकते हैं। बेवजह की बहस और उलझनों से दूरी बनाए रखना ही समझदारी होगी।

तुला- तुला राशि वालों के लिए आज का दिन करियर और व्यापार से जुड़े मामलों में महत्वपूर्ण रहेगा। यदि आप अपनी पसंद की जगह पर ट्रांसफर के लिए प्रयास कर रहे हैं तो आज आवेदन करने का विचार आगे बढ़ाया जा सकता है। व्यापार में उम्मीद से अधिक लाभ मिलने के संकेत हैं। परिवार में आपसी समझ बेहतर होगी और घर का वातावरण सकारात्मक बना रहेगा।

वृश्चिक- वृश्चिक राशि वालों के लिए आज का दिन उत्साह और आत्मविश्वास से भरा रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपके नए विचार और काम करने का अलग अंदाज लोगों का ध्यान आकर्षित करेगा। वरिष्ठ अधिकारी आपके काम की सराहना कर सकते हैं और नौकरी में आगे बढ़ने के अवसर बन सकते हैं। प्रमोशन या नई जिम्मेदारी मिलने की संभावना भी दिखाई देती है।

धनु- धनु राशि वालों के लिए आज का दिन कई स्तरों पर राहत देने वाला रहेगा। धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियों में आपकी रुचि बढ़ सकती है और किसी विशेष आयोजन या कार्य का हिस्सा बनने का अवसर मिल सकता है। लंबे समय से अटका हुआ धन वापस मिलने से आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े लोगों के लिए दिन विशेष रूप से सक्रिय और महत्वपूर्ण रहेगा। आज आप खुद पर पहले से अधिक विश्वास करेंगे और किसी जरूरी काम को पूरी एकाग्रता के साथ पूरा करने का प्रयास करेंगे। व्यस्तता के बावजूद बच्चों और परिवार के लिए समय निकाल पाएंगे। परिवार के साथ कहीं घूमने की योजना भी बन सकती है।

मकर- मकर राशि वालों के लिए आज का दिन व्यापार और करियर में आगे बढ़ने का अवसर लेकर आ सकता है। आपका आत्मविश्वास मजबूत रहेगा और आप अपने काम करने के तरीके में कुछ महत्वपूर्ण बदलाव करने के बारे में सोचेंगे। कंस्ट्रक्शन से जुड़े कारोबारियों को लाभ के अवसर मिल सकते हैं।कुंभ राशि

कुंभ- आज का दिन मेहनत का फल देने वाला रहेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को अपनी मेहनत का सकारात्मक परिणाम मिल सकता है और कोई अच्छी खबर प्राप्त हो सकती है। आप अपनी क्षमताओं को और बेहतर बनाने के लिए नई स्किल्स सीखने पर ध्यान देंगे। समाज में किए गए किसी अच्छे कार्य के लिए सम्मान या प्रशंसा मिल सकती है। शाम का समय परिवार के साथ हंसी-खुशी में बीतेगा।

मीन- मीन राशि वालों के लिए आज का दिन कार्यक्षेत्र और पारिवारिक जीवन दोनों में संतुलन लेकर आएगा। फाइनेंस या सेल्स से जुड़े लोगों के लिए पुराना अनुभव आज किसी नए अवसर को हासिल करने में मददगार साबित होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम और आपसी समझ बनी रहेगी। कारोबार से जुड़े जरूरी काम पूरे होंगे, जिससे आप नए कार्यों पर अपना पूरा ध्यान लगा पाएंगे।

शब्दजाल - 7811

र	रा	डा.	आं	बे	ड	क	र	झ	क	अ
वि	च	र	ह	रिं	लै	ता	दि	शा	को	ब्दु
शं	र	ह	वि	नो	बा	भा	वे	ला	ल	ल
क	म	दा	च	ल	क	इं	हा	दा	रा	क
र	जा	र	सी	हा	मि	री	दि	स	जी	ला
ह	कि	प	वी	दा	ह	ला	ती	रा	व	म
ट	र	बु	र	र	म	ट	ह	ला	गां	क
बा	हु	वा	म	क	छ	सौ	न	ट	धी	धी
स	सै	तें	न	ह	अ	म	र्त्य	से	न	द
र	न	प	ति	रं	ट	ऐ	बें	न	रु	थो
म	द	र	टे	रे	सा	बौ	ख	ला	ह	ट

शब्द जाल में 10 भारत रत्न प्राप्त लोगों के नाम ढूंढिए.शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

रवि शंकर, अमर्त्य सेन, राजीव गांधी, अब्दुल कलाम, डा. आंबेडकर, सी.वी. रमन, जाकिर हुसैन, मदर टेरेसा, इंदिरा गांधी, विनोबा भावे

शब्दजाल - 7810 का हल

रि	अ	मे	क	अ	मि	ता	भ	ब	च्च	न
ति	भि	क	म	क्ष	डे	ने	ग	ति	मा	ला
क	षे	र	ला	य	ग	अं	द	ह	प	आ
रो	क	ल	का	कु	न	स	ध	ह	लि	मि
श	ब	स	ल	मा	न	खा	न	का	न	र
न	च्च	का	र	र	ल	का	त	ह	र	खा
र	न	ल	मा	व	शा	ह	रु	ख	खा	न
र	ज	भा	र	न	प	स	रा	ल	वि	ला
क	न	नी	अ	सै	फ	अ	ली	खा	न	दे
र	का	ति	कां	न	शा	हि	द	क	पू	र
बां	र	ल	प	त	स	स	त्ता	प	र	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

20 सितम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	कन्या में
चंद्र	धनु में
मंगल	कर्क में
बुध	कन्या में
गुरु	कर्क में
शुक्र	तुला में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
कन्या	05.35 बजे से
तुला	07.50 बजे से
वृश्चिक	10.05 ब.से
धनु	12.21 बजे से
मकर	14.26 बजे से
कुंभ	16.12 बजे से
मीन	17.45 बजे से
मेष	19.16 बजे से
वृष	20.56 बजे से
मिथुन	22.54 बजे से
कर्क	01.07 बजे से
सिंह	03.23 बजे से

रविवार 2026 वर्ष का 263 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास भाद्रपद **पक्ष** शुक्ल
तिथि नवमी 17.52 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पूर्वाषाढ़ा 04.35 बजे प्रातः को समाप्त।
योग सौभाग्य 15.23 बजे को समाप्त।
करण कौलव 17.52 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 08.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 01° 10'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872838
जूलियन दिन 2461303.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना रवि उस्सानी
तारीख 08
विशेष नवाखाई।

दिन का चौघड़िया						रात का चौघड़िया				
उद्वेग	05.56	से	07.23	बजे तक		शुभ	05.36	से	07.09	बजे तक
चर	07.23	से	08.51	बजे तक		अमृत	07.09	से	08.41	बजे तक
लाभ	08.51	से	10.18	बजे तक		चर	08.41	से	10.14	बजे तक
अमृत	10.18	से	11.46	बजे तक		रोग	10.14	से	11.46	बजे तक
काल	11.46	से	01.14	बजे तक		काल	11.46	से	01.19	बजे तक
शुभ	01.14	से	02.41	बजे तक		लाभ	01.19	से	02.51	बजे तक
रोग	02.41	से	04.09	बजे तक		उद्वेग	02.51	से	04.24	बजे तक
उद्वेग	04.09	से	05.36	बजे तक		शुभ	04.24	से	05.53	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7331

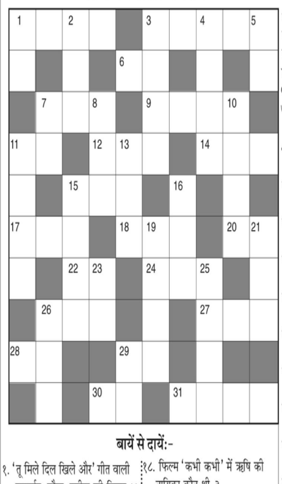

ऊपर से नीचे:-

१. 'दिल ना दिया' गीत वाली फिल्म-२
२. विनोद खन्ना, बिंदू की फिल्म-३
३. 'दो दिल मिल रहे' गीत वाली फिल्म-४
४. विनोद मेहरा, रीना राय की फिल्म-४
५. 'आप से प्यार हुआ' गीत वाली फिल्म-२
७. 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं' गीत वाली अब्बास, शर्बाणी मुखर्जी की फिल्म-२
८. देव आनंद, आशा पारेख की 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'बड़ी दूर से आये हैं प्यार' गीत वाली अनिल घवन, योगिता की फिल्म-४
११. देव आनंद, मधुबाला की 'उन के खयाल आए तो' गीत वाली फिल्म-२,२
१३. 'जब लिया हाथ में हाथ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, गीताबाली की फिल्म-३
१५. जयराज, निरूपा की 'ना किसी की आँख का नूर हूँ' गीत वाली फिल्म-२,२
१६. फिल्म 'शिवा' में नागार्जुन के साथ नायिका कौन थी-३
१९. 'लेके पहला पहला प्यार गीत वाली फिल्म-१,२,१
२१. मिथुन, आदित्य, डिम्पल, मंदाकिनी की फिल्म-३
२३. अनिल घवन, रश्मि वर्मा, सोनिका गिल की एक सस्पेंस फिल्म-२
२५. 'पियू बोले जिया' गीत वाली फिल्म-४
२६. बिस्वजीत, माला की 'अजी हो ताश के बावन पत्ते' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'चालबाज' में श्रीदेवी के एक किरदार का नाम अंजू था दूसरे किरदार का नाम?-२

बायें से दायें:-

१. 'तू मिले दिल खिले और' गीत वाली नागार्जुन, रमैया, मनीषा की फिल्म-४
३. राजकपूर, माला की 'आँसू भरी हैं ये जीवन की राहें' गीत वाली फिल्म-५
६. 'केसरिया बालम' गीत वाली श्रेयस तलपदे, आयशा टाकिया की फिल्म-२
७. शाहरुख, माधुरी की 'अठरा बरस की कँवारी कली थी' गीत वाली फिल्म-३
९. 'वो चाँद जैसी' गीत वाली शाहरूख खान, माधुरी, ऐश्वर्या की फिल्म-४
११. जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली फिल्म-२
१२. शॉवर अली, तरूण अरोड़ा, मेघना की फिल्म-३
१४. संजय दत्त, फरहा की 'मेरा प्यार तेरे जीवन के संग' गीत वाली फिल्म-३
१५. विनोद मेहरा, बिंदिया की फिल्म-३
१७. हिमालय, भाग्यश्री की 'तेरा ही प्यार मेरे इस दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१८. फिल्म 'कभी कभी' में ऋषि की नायिका कौन थी-३
२०. अनिल, अक्षय खन्ना, ऐश्वर्या की 'इश्क बिना क्या' गीतवाली फिल्म-२
२२. दिलीप कुमार, रेखा, ममता कुलकर्णी की फिल्म-२
२४. अमिताभ, रेखा की 'कोई गाता मैं सो जात' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'बागां मां जब मोर बोले' गीत वाली अक्षयकुमार, करीना की फिल्म-३
२७. विनोद खन्ना, हेमा की अरूणा राजे द्वारा निर्मित एवं निर्देशित फिल्म-३
२८. 'क्यूं मेरा दिल तुझको' गीत वाली करण नाथ, मनीषा की फिल्म-२
२९. नसीर, ओमपुरी, स्मिता की 'शमशीर बजे ना' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'बंधन' में सलमान का नाम?-२
३१. फिल्म 'काफी हाउस' में शम्मी कपूर की नायिका?-२,२

फिल्म वर्ग पहेली- 7330

बा	बु	ल	■	आ	का	श	■	यु	द्ध
रि	■	गा	य	ब	■	मीं	■	गां	■
श	गु	न	■	रू	दा	ली	■	ध	र्म
■	स	■	फू	■	ग	■	डो	र	■
गु	■	दि	ल	से	■	मि	ली	■	भा
म	शा	ल	■	ह	म	■	■	जं	ग
रा	■	ज	य	रा	ज	■	माँ	■	म
ह	म	ला	■	■	बू	म	■	र	भा
■	ह	■	स	फ	र	■	दे	■	ग
य	ल	गा	र	■	■	बे	व	फा	■

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः सफलता का रहस्य

किसी गांव में रमेश और दीपक नामक दो मूर्तिकार रहते थे। रमेश की बनाई प्रतिमाएं इतनी सुंदर होती थीं कि लोग उन्हें मुंहमांगे दामों पर खरीद लेते थे। दीपक की मूर्तियां कोई नहीं खरीदता था। एक दिन दीपक ने देखा कि रमेश प्रतिमाएं बनाने में व्यस्त है। उस समय पास से एक सेठ की बरात गुजर रही थी। बरात में बहुत सारे लोग शामिल थे। ढोल-नगाड़े बज रहे थे और आतिशबाजी भी हो रही थी। रमेश प्रतिमाएं बनाने में व्यस्त रहा, उसने बरात की ओर देखा तक नहीं। यह देखकर दीपक रमेश के पास पहुंचा और बोला, 'अभी यहां से बरात गुजरी थी। गांव के सभी लोगों ने अपने-अपने काम छोड़कर बरात को देखा, पर तुमने तो नजर भी नहीं उठाई।' दीपक की बात सुनकर रमेश भौंचक रह गया। उसने आश्चर्य से कहा, 'तुम किस बरात की बात कर रहे हो। मैंने तो किसी बरात के गुजरने की आवाज नहीं सुनी।' दीपक ने कहा, 'अरे भाई कुछ ही देर पहले एक बरात गुजरी है। सभी ने उसे देखा और ढोल-नगाड़ों की आवाज भी सुनी। ऐसा कैसे हो सकता है कि तुम्हें पता ही न लगा हो?' दीपक की बात सुनकर रमेश बोला, 'मैं जब अपना कार्य करता हूं तो मेरा संपूर्ण ध्यान सिर्फउस कार्य पर ही केंद्रित रहता है। यहां तक कि उस समय मुझे अपने शरीर की भी सुध नहीं रहती।' रमेश की बात सुनकर दीपक को उसकी सफलता का कारण समझ में गया। वह जान गया कि एक कलाकार के लिए एकाग्रता सबसे बड़ी चीज है। उस दिन से वह भी ध्यान लगाकर काम करने लगा।

सूडोकु नवताल- 7640

★☆☆☆☆ सरल

3	9			1	4			2
1	2		6		3		5	
		5		8	7			9
	7			6	9			8
2	1			5			4	6
4			3	2			9	
9			8	4		5		
	6		9		5		2	4
8			1	7			6	3

Jagrutidaur.com, Bangalore

- *प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.*
- *प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.*
- *पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .*
- *पहेली का केवल एक ही हल है.*

सूडोकु नवताल -7639 का हल

6	9	2	3	7	4	5	8	1
3	8	5	6	2	1	7	4	9
7	4	1	8	9	5	6	2	3
2	3	9	5	4	6	8	1	7
1	7	4	9	8	3	2	6	5
5	6	8	7	1	2	9	3	4
4	5	7	1	6	8	3	9	2
8	2	3	4	5	9	1	7	6
9	1	6	2	3	7	4	5	8

शब्द पहेली - 8855

बाएँ से दाएँ

1.खटपट,ठनाठनी-4
4.पंजाब की एक नदी-4
6.चित्रकमेल,लम्बी गर्दनवाला पशु-3
8.दंड,दम,शामन-3
9.धरा,भूमि-3
11.शासन व्यवस्था,रहस्य-2
13.नवचंद्राकार-5
15.अकेला-2
16.दया,करुणा-3
18.बंदर का खेल दिखाने वाला-3
19.देवर्षि,देवमुनि-3
20.सब्जी,भाजी-4
22.कुंए पर पानी भरने का चबूतरा-4

ऊपर से नीचे

1.गुनाह,दोष,जुर्म-3
2.अपराधमुक्त,निवृत्त-2
3.सौत,दूसरी स्त्री-3
4.होशियार,गुणवान-5
5.भूकम्प-4
7.भेद,तुलना-3
10.परिचर्या-5
12.स्वभाव-4
14.स्थित होना-3
17.श्मशान-4
18.गृह,भवन-3
21.जीवन,जीव, स्फूर्ति-2

शब्द पहेली -8854 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

वुशु में कनोजे परिवार का धमाका, पिता-बेटों ने जीते तीन पदक

तोषराम ने वरिष्ठ वर्ग में जीता स्वर्ण, निपुण ने फाइनल में प्रतिद्वंद्वी को नॉकआउट कर जीता सोना; पहली ही प्रतियोगिता में नेक ने भी कांस्य पदक पर जमाया कब्जा

पद्मेश न्यूज। लांजी। भोपाल के टी.टी. नगर स्टेडियम में आयोजित 25वीं मध्यप्रदेश राज्य सब-जूनियर, जूनियर एवं वरिष्ठ वुशु चैंपियनशिप 2026-27 में लांजी के कनोजे परिवार ने शानदार प्रदर्शन किया। परिवार के पिता और दोनों बेटों ने प्रतियोगिता में हिस्सा लेते हुए कुल तीन पदक अपने नाम किए। तोषराम कनोजे ने वरिष्ठ वर्ग में स्वर्ण, उनके बेटे निपुण कनोजे ने 21 किलोग्राम भारवर्ग की फाइट में स्वर्ण तथा नेक कनोजे ने सब-जूनियर वर्ग में कांस्य पदक हासिल किया।

फाइनल में निपुण ने प्रतिद्वंद्वी को किया नॉकआउट

21 किलोग्राम भारवर्ग की फाइट के फाइनल मुकाबले में निपुण कनोजे का सामना सीधी के खिलाड़ी शेर अली खान से हुआ। निपुण ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल का प्रदर्शन करते हुए प्रतिद्वंद्वी पर लगातार दबाव बनाए रखा। उनके सटीक और प्रभावी प्रहारों के सामने प्रतिद्वंद्वी टिक नहीं सका। निपुण ने मुकाबला नॉकआउट से जीतकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। खास बात यह रही कि निपुण की यह पहली वुशु प्रतियोगिता थी। पहली ही राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर उन्होंने अपनी खेल प्रतिभा का शानदार परिचय दिया।

पहली प्रतियोगिता में नेक ने भी जीता कांस्य

निपुण के भाई नेक कनोजे ने भी पहली बार वुशु प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। उन्होंने सब-जूनियर वर्ग की अन्य शैली स्पर्धा में कांस्य पदक हासिल किया। इस तरह दोनों भाइयों ने अपनी पहली वुशु प्रतियोगिता में ही पदक जीतकर परिवार और जिले का नाम रोशन किया।

तोषराम ने वरिष्ठ वर्ग में जीता स्वर्ण

कनोजे परिवार के पिता तोषराम कनोजे ने वरिष्ठ वर्ग की लचीले हथियार स्पर्धा में स्वर्ण पदक हासिल किया। एक ही राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में पिता और दोनों बेटों के पदक जीतने से कनोजे परिवार की उपलब्धि खास बन गई।

अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भी कर चुके हैं देश का प्रतिनिधित्व

तोषराम कनोजे का मार्शल आर्ट का सफर लंबे समय से जारी है। वे वर्ष 2019 की जू-जित्सु विश्व चैंपियनशिप और वर्ष 2021 की जू-जित्सु एशियाई चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। जू-जित्सु की राष्ट्रीय चैंपियनशिप में वे चार बार स्वर्ण पदक जीत चुके हैं। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय खुली कराटे चैंपियनशिप में रजत पदक जीत चुके हैं। राष्ट्रमंडल कराटे चैंपियनशिप में भी हिस्सा लिया है। हाल ही में राष्ट्रीय किकबॉक्सिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक हासिल किया। वे वरिष्ठ राष्ट्रीय ताइक्वांडो चैंपियनशिप और राष्ट्रीय कलारीपयट्टू प्रतियोगिता में भी हिस्सा ले चुके हैं। जूडो में महाविद्यालय स्तर पर प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। कराटे, जू-जित्सु, किकबॉक्सिंग, ताइक्वांडो, वुशु, कलारीपयट्टू और जूडो जैसी विभिन्न मार्शल आर्ट विधाओं में अनुभव रखने वाले तोषराम युवाओं को खेलों से जोड़ने के साथ आत्मरक्षा का प्रशिक्षण भी दे रहे हैं।

खेल शिक्षा के साथ आत्मरक्षा प्रशिक्षण

तोषराम कनोजे ने कराटे में पीएचडी, राष्ट्रीय खेल संस्थान का खेल प्रशिक्षण डिप्लोमा तथा योग में स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्राप्त किया है। वे कई वर्षों से आत्मरक्षा और मार्शल आर्ट का प्रशिक्षण दे रहे हैं। उनका उद्देश्य युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करना और आत्मरक्षा के लिए सक्षम बनाना है।

पिता और दोनों बेटों की उपलब्धि बनी चर्चा का विषय

कनोजे परिवार के तीन सदस्यों द्वारा एक ही राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में तीन पदक जीतना बालाघाट के खेल जगत में चर्चा का विषय बना हुआ है। खासकर निपुण और नेक का पहली ही वुशु प्रतियोगिता में पदक जीतना उल्लेखनीय रहा। पिता के अनुभव और दोनों बेटों की शुरुआत ने परिवार की खेल उपलब्धियों में एक और अध्याय जोड़ दिया है।

विद्यार्थियों ने रंगों से दिखाए विकसित भारत के सपने

कुम्हरीकला स्कूल में चित्रकला प्रतियोगिता और प्रदर्शनी, 70 से अधिक विद्यार्थियों ने लिया हिस्सा; कुणाल भीमटे ने हासिल किया प्रथम स्थान

पद्मेश न्यूज। लांजी। पीएमश्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कुम्हरीकला में सेवा संकल्प अभियान के तहत विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा और कलात्मक अभिरुचि को मंच देने के उद्देश्य से चित्रकला प्रतियोगिता एवं चित्रकला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 70 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए विभिन्न सामाजिक एवं समसामयिक विषयों पर आकर्षक और संदेशपरक चित्र बनाए। विद्यार्थियों ने अपनी कलाकृतियों के माध्यम से विकसित भारत, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, प्रकृति प्रेम, शिक्षा और सामाजिक जागरूकता जैसे विषयों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया।

कक्षा 12वीं के छात्र कुणाल भीमटे ने उत्कृष्ट चित्र बनाकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

प्रदर्शनी में कलाकृतियों ने खींचा ध्यान

चित्रकला प्रतियोगिता के बाद विद्यालय परिसर में विद्यार्थियों की कलाकृतियों की प्रदर्शनी लगाई गई। प्रदर्शनी में विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए चित्रों ने अतिथियों, अभिभावकों और शिक्षकों का विशेष ध्यान आकर्षित किया। अतिथियों ने विद्यार्थियों की रचनात्मक सोच और कलात्मक प्रतिभा की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में युवराज बुरांडे, अध्यक्ष शक्ति केंद्र करंजा, सचिन जांबुरकर, सदस्य शक्ति केंद्र करंजा, दुलीचंद राजनिरे, जिला पंचायत सदस्य, डॉ. भूणेश्वर बल्ले, गणमान्य नागरिक तथा भगचंद मेहर, एसएमसी अध्यक्ष सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों को किया मार्गदर्शन

कार्यक्रम में युवराज बुरांडे ने अपने उद्बोधन में सरकार की विभिन्न नीतियों एवं योजनाओं की जानकारी देते हुए विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा को पहचानकर निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। जिला पंचायत सदस्य दुलीचंद राजनिरे ने विद्यार्थियों को उत्कृष्ट कलाकृतियां तैयार करने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की प्रतिभा को उचित मंच और प्रोत्साहन मिलने से उनका आत्मविश्वास बढ़ता है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

शिक्षक-कर्मचारियों ने निभाई महत्वपूर्ण भूमिका

कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के समस्त शिक्षक एवं कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। विद्यालय स्टाफ ने प्रतियोगिता एवं प्रदर्शनी की व्यवस्थाओं में सक्रिय सहभागिता निभाई। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रमाण-पत्र एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में संस्था के प्रभारी प्राचार्य कमल किशोर मेश्राम ने सभी अतिथियों, अभिभावकों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर अपनी प्रतिभा को निखारने और उज्ज्वल भविष्य की ओर आगे बढ़ने की शुभकामनाएं दीं।

लांजी-आमगांव मार्ग बदहाल, झाड़ियों में गुम हुए संकेतक

नहर क्रासिंग के गड्ढे भी बढ़ा रहे परेशानी

पद्मेश न्यूज। लांजी। त्योहारों का दौर शुरू होने के साथ ही परदेस में रोजी-रोटी के लिए गए लोगों की घर वापसी का सिलसिला भी शुरू होने वाला है।

गणेशोत्सव के बाद श्राद्ध पक्ष और फिर नवरात्रि के चलते सीमावर्ती राज्यों में रोजगार के लिए गए लोगों के गांव लौटने से लांजी-आमगांव मार्ग पर वाहनों की आवाजाही बढ़ेगी। लेकिन त्योहारी आवागमन बढ़ने से पहले इस मार्ग की तस्वीर राहत देने वाली नहीं है। सड़क किनारे फैली झाड़ियों ने साइड गार्ड, गांवों की दूरी बताने वाले सूचना बोर्ड और किलोमीटर पत्थरों तक को ढक लिया है। कई स्थानों पर यही झाड़ियां विद्युत पोल और ट्रांसफार्मर तक पहुंच गई हैं। वहीं दहेगांव-साडरा के बीच नहर क्रासिंग के पास सड़क पर उभरे गड्ढे अलग परेशानी बने हुए हैं। लांजी से आमगांव जाने वाले मार्ग पर बारिश के बाद सड़क किनारे झाड़ियों का फैलाव तेजी से हुआ है। अब स्थिति यह है कि कई स्थानों पर सड़क और उसके आसपास लगे जरूरी संकेतक झाड़ियों के बीच दिखाई देना मुश्किल हो गया है। साइड गार्ड का बड़ा हिस्सा झाड़ियों से ढंक चुका है। इससे सड़क की सीमा का अंदाजा लगाने में वाहन चालकों को परेशानी हो सकती है।

सूचना बोर्ड भी झाड़ियों की चपेट में

मार्ग पर अलग-अलग ग्रामों की दूरी बताने के लिए लगाए गए सूचना बोर्ड भी झाड़ियों की चपेट में आ गए हैं। कई जगह बोर्ड तक पहुंचना और उन्हें स्पष्ट रूप से देख पाना मुश्किल हो रहा है। इसी तरह सड़क किनारे लगे किलोमीटर के पत्थर भी झाड़ियों में छिप गए हैं। लंबी दूरी से आने वाले वाहन चालकों के लिए ऐसे बोर्ड और किलोमीटर पत्थर मार्ग की पहचान तथा दूरी का अनुमान लगाने में सहायक होते हैं। इनके झाड़ियों में छिप जाने से सड़क पर लगे जरूरी संकेतकों की उपयोगिता ही प्रभावित हो रही है। झाड़ियों का फैलाव केवल सड़क की सीमा तक ही नहीं रुका है। कई स्थानों पर विद्युत पोल और ट्रांसफार्मर भी इसके बीच घिरे नजर आते हैं। विद्युत उपकरणों के आसपास इस तरह झाड़ियों का बढ़ना सामान्य रखरखाव की जरूरत की ओर भी ध्यान खींचता है। सड़क किनारे की सफाई के साथ इन स्थानों पर भी झाड़ियों की कटाई जरूरी है, ताकि विद्युत पोल और ट्रांसफार्मर आसपास का क्षेत्र साफ रखा जा सके।

नहर क्रासिंग के पास गड्ढे भी बरकरार, त्योहारों में बढ़ेगा मार्ग पर दबाव

लांजी-आमगांव मार्ग पर दहेगांव और साडरा के बीच नहर क्रासिंग के समीप सड़क पर उभरे गड्ढे भी वाहन चालकों की परेशानी बढ़ा रहे हैं। इस हिस्से से गुजरने वाले वाहनों को गड्ढों से बचकर निकलना पड़ता है। अचानक सामने आने वाले गड्ढे दोपहिया वाहन चालकों के लिए विशेष परेशानी का कारण बन सकते हैं। बारिश का दौर थम चुका है। ऐसे में सड़क के क्षतिग्रस्त हिस्सों की मरम्मत और गड्ढों की भराई के साथ सड़क किनारे की झाड़ियों की कटाई का काम भी किया जा सकता है। गणेशोत्सव के बाद श्राद्ध पक्ष और फिर नवरात्रि पर्व के चलते गांवों में लोगों की आवाजाही बढ़ेगी। सीमावर्ती राज्यों में रोजगार के लिए गए ग्रामीण त्योहारों पर बड़ी संख्या में घर लौटते हैं। इससे लांजीङ्कआमगांव मार्ग पर भी यातायात बढ़ने की संभावना है।

भागवत कथा ज्ञानयज्ञ का हवन-पूजन व पूर्णाहुति के साथ हुआ भव्य समापन

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर के मेन रोड स्थित अग्रसेन भवन में सिंघल परिवार, रूपाली साड़ी सेंटर लांजी द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत कथा ज्ञानयज्ञ एवं गयाश्राद्ध का रविवार 20 सितंबर को हवन-पूजन, पूर्णाहुति एवं प्रसाद वितरण के साथ भव्य समापन हुआ। सप्ताहभर चले धार्मिक आयोजन में नगर सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु कथा श्रवण के लिए पहुंचे। कथा के दौरान भजन, संकीर्तन और भगवान के जयघोष से अग्रसेन भवन का वातावरण भक्तिमय बना रहा। परम पूज्य पं. मनसुखलाल शास्त्री, बड़ा अखाड़ा मैहर के श्रीमुख से भागवत कथा का भावपूर्ण वाचन किया गया। कथा के विभिन्न प्रसंगों के माध्यम से श्रद्धालुओं को धर्म, भक्ति, सत्य, सदाचार और भगवान के प्रति समर्पण का संदेश दिया गया। कथा के समापन दिवस पर श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से हवन-पूजन में भाग लिया और पूर्णाहुति के साथ धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुआ। इसके बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया।

शुकदेव आगमन से हुआ कथा का शुभारंभ

भागवत कथा के दौरान प्रथम चरण में शुकदेव आगमन एवं श्रीमद् भागवत महात्म्य का वर्णन किया गया। कथाव्यास ने कहा कि श्रीमद् भागवत केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि मानव जीवन को सत्य, धर्म, भक्ति और सदाचार की राह दिखाने वाला दिव्य ग्रंथ है। भगवान की कथा का श्रवण मनुष्य के अंतर्मन को निर्मल करता है तथा उसे परमात्मा से जुड़ने की प्रेरणा देता है। कथा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण की रासलीला का प्रसंग श्रद्धालुओं के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। कथाव्यास ने रासलीला के आध्यात्मिक महत्व को समझाते हुए इसे जीव और परमात्मा के मिलन का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि रासलीला लौकिक प्रेम का प्रसंग नहीं, बल्कि भगवान के प्रति निष्काम प्रेम, पूर्ण समर्पण और अनन्य भक्ति का संदेश देती है। प्रसंग के दौरान श्रद्धालु भजन-संकीर्तन में भाव-विभोर नजर आए।

कंस वध और रुक्मणी विवाह ने मोहा मन

भगवान श्रीकृष्ण के मथुरा गमन एवं कंस वध का प्रसंग भी भावपूर्ण ढंग से सुनाया गया। कथा में बताया गया कि अधर्म और अत्याचार का अंत निश्चित है तथा धर्म की स्थापना के लिए भगवान समय-समय पर अवतार लेते हैं। वहीं रुक्मणी विवाह प्रसंग कथा का प्रमुख आकर्षण रहा। भगवान श्रीकृष्ण और माता रुक्मणी के विवाहोत्सव के दौरान अग्रसेन भवन को आकर्षक ढंग से सजाया गया। विवाह प्रसंग पर श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा की और भजन-संकीर्तन के साथ उत्सव मनाया। भगवान श्रीकृष्ण के जयघोष से पूरा कथा स्थल गूंज उठा। कथा के अंतिम चरण में भगवान श्रीकृष्ण की द्वारिका लीला एवं सुदामा चरित्र का भावपूर्ण वर्णन किया गया। सुदामा चरित्र के माध्यम से सच्ची मित्रता, सरलता, संतोष और भगवान के प्रति अटूट भक्ति का संदेश दिया गया। प्रसंग सुनकर श्रद्धालु भावुक नजर आए।

श्रद्धालुओं का जताया आभार

समापन अवसर पर सिंघल परिवार ने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग करने वाले सभी श्रद्धालुओं, धर्मप्रेमी नागरिकों, माताओं एवं बहनों का आभार व्यक्त किया। हवन-पूजन और पूर्णाहुति के बाद प्रसाद वितरण के साथ आयोजन का विधिवत समापन हुआ। धार्मिक आयोजन के दौरान अग्रसेन भवन में प्रतिदिन श्रद्धालुओं की मौजूदगी रही और पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण से सराबोर नजर आया।

कारंजा में गूंज रहा 'गणपति बप्पा मोरया', मटकी फोड़ से लेकर भजन-कीर्तन तक रोजाना हो रहे आयोजन

पद्मेश न्यूज। लांजी। जनपद क्षेत्र लांजी के ग्राम कारंजा स्थित बाजार चौक में शिव गर्जना गणेश उत्सव समिति द्वारा प्रतिवर्ष की परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी भगवान श्री गणेश की प्रतिमा विधि-विधानपूर्वक स्थापित की गई है। गणेशोत्सव को लेकर ग्रामीणों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। प्रतिदिन होने वाले धार्मिक, सांस्कृतिक एवं मनोरंजक आयोजनों के चलते बाजार चौक इन दिनों श्रद्धा और उल्लास का केंद्र बना हुआ है। गणेशोत्सव के दौरान प्रतिदिन भगवान श्री गणेश की पूजा-अर्चना एवं आरती के साथ विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। शाम होते ही बाजार चौक में श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगती है और 'गणपति बप्पा मोरया' के जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठता है।

मटकी फोड़ में बच्चों से लेकर बड़े तक ले रहे हिस्सा

समिति द्वारा गणेशोत्सव के दौरान प्रतिदिन मटकी फोड़ कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसमें बच्चों के साथ-साथ युवा एवं बड़े भी उत्साहपूर्वक हिस्सा ले रहे हैं। मटकी फोड़ प्रतियोगिता को लेकर ग्रामीणों में विशेष उत्साह है। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचकर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते नजर आते हैं।

जस गायन और भजन-कीर्तन से भक्तिमय माहौल

धार्मिक आयोजनों की कड़ी में प्रतिदिन जस गायन एवं भक्ति गीतों के कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं। वहीं महिलाओं द्वारा रोजाना भजन-कीर्तन कर भगवान श्री गणेश की आराधना की जा रही है। धार्मिक आयोजनों के साथ सांस्कृतिक एवं मनोरंजक कार्यक्रमों के आयोजन से पूरे गणेशोत्सव में लगातार उत्साह बना हुआ है।

अंतिम दिन हवन-पूजन के बाद होगा महाप्रसादी वितरण

गणेशोत्सव के अंतिम दिन समिति द्वारा हवन-पूजन सहित विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए जाएंगे। इसके पश्चात श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसादी का वितरण किया जाएगा। आयोजन को व्यवस्थित एवं सफल बनाने के लिए समिति के सदस्य लगातार सक्रिय रूप से व्यवस्थाओं में जुटे हुए हैं। शिव गर्जना गणेश उत्सव समिति में सागर शिवणकर, निलेश हेमने, सौरभ फाये, शिवम मस्करे, ओम दहिकर, शुभम हुकरे, मोहित आगासे, तन्मय भंडारकर, उज्वल फाये, प्रदीप गोन्नाडे, कृष्णा गोटाफोडे, शुभम चुटे, वंश चुटे, पवन कठाने, गणेश नंदनवार, संदीप बावनकर एवं प्रवीण आगासे सहित अन्य सदस्य आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन पर खनिज विभाग की कार्रवाई

भमोड़ी, भटेरा-खैरी रोड और बहाकल में तीन ट्रैक्टर-ट्रॉली पकड़ीं

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर रोक लगाने तथा प्राप्त शिकायतों की जांच के लिए खनिज विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में विभागीय अमले ने बालाघाट एवं कटंगी तहसील क्षेत्र में छापामार कार्रवाई करते हुए रेत के अवैध उत्खनन एवं परिवहन में संलिप्त तीन ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को पकड़ा है। उप संचालक खनिज सुश्री फरहत जहां ने बताया कि खनिज विभाग की टीम द्वारा ग्राम भमोड़ी एवं ग्राम भटेरा-खैरी रोड, तहसील बालाघाट में कार्रवाई के दौरान एक-एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को खनिज रेत का अवैध उत्खनन एवं परिवहन करते हुए पाया गया। दोनों वाहनों को कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा), बालाघाट की अभिरक्षा में रखा गया है। इसी प्रकार ग्राम बहाकल, तहसील कटंगी में भी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को खनिज रेत के अवैध उत्खनन एवं परिवहन में संलिप्त पाए जाने पर पुलिस थाना कटंगी की अभिरक्षा में रखा गया है। खनिज विभाग द्वारा पकड़े गए तीनों वाहनों के विरुद्ध मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम, 2022 के प्रावधानों के तहत नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। विभाग द्वारा जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण के लिए जांच एवं कार्रवाई का सिलसिला जारी रखने की बात कही गई है।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबैंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

जिला देखरेख सहकारी संस्था की विशेष सभा रद्द

नोटिस में सहकार कानून व उपविधियों के पालन में त्रुटियां मिलने पर जिला उपनिबंधक के निर्देश

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। गोंदिया जिला देखरेख सहकारी संस्था मर्यादित की 21 सितंबर को आयोजित विशेष सर्वसाधारण सभा को रद्द करने के निर्देश जिला उपनिबंधक, सहकारी संस्था गोंदिया ने दिए हैं। संस्था द्वारा जारी सभा की नोटिस में महाराष्ट्र सहकारी संस्था अधिनियम 1960 तथा संस्था के उपविधियों से संबंधित गंभीर त्रुटियां पाए जाने के बाद यह निर्देश जारी किया गया। जिला उपनिबंधक योगेशकुमार बाकरे ने संस्था के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को पत्र भेजकर सभा तत्काल रद्द करने के स्पष्ट निर्देश दिए हैं। जिला उपनिबंधक कार्यालय के पत्र के अनुसार, विशेष सभा की नोटिस में महाराष्ट्र सहकारी संस्था अधिनियम 1960 की धारा 76 (1) तथा संस्था के उपविधि क्रमांक 13 की आवश्यक प्रक्रिया का पालन दिखाई नहीं देता। संबंधित प्रावधानों के अनुसार, कुल सदस्यों के पांचवें हिस्से अथवा 25 सदस्यों में से जो संख्या कम हो, उतने सदस्यों द्वारा लिखित मांग किए जाने या निबंधक के निर्देश पर विशेष सर्वसाधारण सभा आयोजित की जा सकती है।

अध्यक्ष चयन का प्रावधान भी स्पष्ट नहीं

संस्था के उपविधि क्रमांक 14 के अनुसार सर्वसाधारण सभा के अध्यक्ष ही सभा की अध्यक्षता करते हैं। उनकी अनुपस्थिति में उपस्थित सदस्यों में से अध्यक्ष का चयन करने का प्रावधान है। हालांकि, इस प्रावधान का नोटिस में उचित रूप से समावेश नहीं किए जाने की बात जिला उपनिबंधक के पत्र में कही गई है। इसके अलावा महाराष्ट्र सहकारी संस्था अधिनियम 1960 की धारा 73 (ब) और 73 (क) से संबंधित आवश्यक संशोधन भी नोटिस में प्रस्तावित नहीं किए जाने का उल्लेख पत्र में किया गया है। विशेष रूप से, जिला देखरेख सहकारी संस्था के लिए आदर्श उपविधि अभी तक सहकार आयुक्त की वेबसाइट पर जारी नहीं किए जाने की जानकारी भी सामने आई है।

न्यायालयीन विवाद की आशंका

जिला उपनिबंधक ने पत्र में कहा है कि सभा की नोटिस में कानूनी त्रुटियां होने के कारण भविष्य में सभा की कार्यवाही को लेकर कानूनी विवाद अथवा न्यायालयीन प्रकरण उत्पन्न हो सकता है। संभावित विवाद से बचने के लिए 21 सितंबर को प्रस्तावित विशेष सर्वसाधारण सभा रद्द करने के निर्देश दिए गए हैं। अब संस्था की ओर से आगे कौन-सी कानूनी प्रक्रिया अपनाई जाती है, इस पर सदस्यों की नजर है।

रेल सुविधाओं को लेकर सांसद जैन ने उठाई क्षेत्र की प्रमुख मांगे

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। नागपुर के होटल तुली इम्पीरियल, रामदासपेठ में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक व वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आयोजित मंडल स्तरीय बैठक में सांसद राजेंद्र जैन ने गोंदिया क्षेत्र की विभिन्न रेल संबंधी मांगों व समस्याओं को प्रमुखता से रखा. बैठक में सांसद प्रफुल पटेल के प्रतिनिधि के रूप में विधायक राजूभाऊ कारेमोरे उपस्थित थे.

बैठक में सांसद जैन ने गोंदिया से मुंबई वंदे भारत ट्रेन शुरू करने, आमगांव, सालेकसा, तिरोड़ा व भंडारा में महत्वपूर्ण ट्रेनों को स्टॉपेज देने तथा क्षेत्र के लिए नई रेल सेवाएं शुरू करने की मांग रखी. उन्होंने गोंदिया क्षेत्र की रेल कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए आवश्यक प्रस्तावों पर अधिकारियों से चर्चा की. इसके अलावा गुदमा-प्रतापबाग नई रेल लाइन के लिए भूमि अधिग्रहण से प्रभावित किसानों को थेट खरेदी (डायरेक्ट परचेस) के माध्यम से उचित मुआवजा देने की मांग भी उठाई. सांसद जैन ने प्रक्रिया में किसानों के हितों को प्राथमिकता देने पर जोर दिया. उन्होंने कहा कि गोंदिया व आसपास के यात्रियों को बेहतर रेल सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए रखे गए प्रस्तावों पर गंभीरता से विचार कर उनका शीघ्र निराकरण किया जाना चाहिए. उन्होंने संबंधित अधिकारियों से सकारात्मक व समयबद्ध कार्रवाई की अपेक्षा व्यक्त की।

सालेकसा में कनिष्ठ स्तर दीवानी न्यायालय की स्थापना की मांग

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। सालेकसा तहसील में दिवाणी न्यायालय कनिष्ठ स्तर तथा न्याय दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी का नियमित न्यायालय तत्काल स्थापित करने की मांग को लेकर 20 सितंबर को गोंदिया में सांसद प्रफुल पटेल व सांसद राजेंद्र जैन को ज्ञापन सौंपा गया. रामनगर स्थित निवास पर दिए गए ज्ञापन के माध्यम से प्रशासनिक स्तर पर ठोस व प्रभावी पहल करने की मांग की गई.

ज्ञापन में कहा गया कि सालेकसा तहसील बनने के बाद से आज तक यहां नियमित दिवाणी न्यायालय की व्यवस्था नहीं है. न्यायिक कार्यों के लिए तहसील क्षेत्र के नागरिकों को आमगांव जाना पड़ता है. इससे लोगों का समय और पैसा दोनों खर्च होते हैं. साथ ही समय पर वाहन उपलब्ध नहीं होने के कारण ग्रामीणों को अतिरिक्त परेशानी का सामना करना पड़ता है. वर्तमान में सालेकसा में ग्राम न्यायालय है, जो प्रत्येक सोमवार को नागरिकों के लिए उपलब्ध रहता है. अन्य न्यायिक कार्यों के लिए लोगों को आमगांव जाना पड़ता है. ऐसे में सालेकसा में ही दिवाणी न्यायालय कनिष्ठ स्तर व न्याय दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी का नियमित न्यायालय स्थापित करने की मांग लंबे समय से की जा रही है. ज्ञापन में यह भी बताया गया कि सालेकसा में न्यायालय के लिए प्रशासन की ओर से जमीन उपलब्ध कराई जा चुकी है. अब न्यायालय भवन तथा आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था के लिए प्रशासन व संबंधित विभागों द्वारा तत्काल कार्रवाई किए जाने की आवश्यकता है. ज्ञापन स्वीकार करते हुए सांसद प्रफुल पटेल व सांसद राजेंद्र जैन ने संबंधित विभाग तथा राज्य शासन के विधि व न्याय विभाग, मंत्रालय मुंबई से संपर्क कर सालेकसा में न्यायालय की स्थापना के लिए आवश्यक पाठपुरावा करने का आश्वासन दिया. यह ज्ञापन राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के तहसील अध्यक्ष डा. अजय उमाटे, सालेकसा शहर अध्यक्ष ब्रजभूषण बैस, युवा कार्यकर्ता आकाश बावनकर व रिषी बैस के नेतृत्व में सौंपा गया.

गणेशोत्सव में 29 रक्तदाताओं ने किया रक्तदान

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। सार्वजनिक गणेशोत्सव केवल धार्मिक उत्सव तक सीमित न रहकर सामाजिक समरसता और सामाजिक प्रतिबद्धता का माध्यम भी बन सकता है, यह 'अर्जुनीचा राजा' गणेश मंडल ने एक बार फिर साबित किया है. मंडल की ओर से पिछले 10 वर्षों से लगातार रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है. इस उपक्रम के तहत अब तक 350 से अधिक रक्त यूनिट का संग्रह किया जा चुका है.

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी शनिवार को आयोजित रक्तदान शिविर को उत्स्फूर्त प्रतिसाद मिला. शिविर में 29 रक्तदाताओं ने स्वेच्छा से रक्तदान कर सामाजिक दायित्व निभाया. 'रक्तदान ही महादान है' का संदेश देते हुए मंडल ने गणेशोत्सव के माध्यम से समाजोपयोगी कार्य को प्राथमिकता दी. गणेशोत्सव के दौरान आकर्षक झांकियों और शोभायात्राओं के साथ ही हटकर व अभिनव सामाजिक उपक्रम आयोजित करने की परंपरा 'अर्जुनीचा राजा' मंडल ने कायम की है. पिछले दस वर्षों से लगातार रक्तदान शिविर आयोजित कर मंडल ने क्षेत्र में सामाजिक कार्यों की अलग पहचान बनाई है. सामाजिक प्रतिबद्धता के साथ गणेशोत्सव मनाने वाले मंडल के इस उपक्रम की क्षेत्र में सराहना हो रही है.

तिरोड़ा में 100 किलो गोमांस जब्त, दो गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। तिरोड़ा पुलिस ने अवैध रूप से गोमांस की कथित तस्करी के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर 100 किलो गोमांस और परिवहन में इस्तेमाल ज्युपिटर मोपेड समेत कुल 95 हजार रु. का माल जब्त किया है.

पुलिस को गोंदिया से भंडारा की ओर गोमांस की अवैध ढुलाई की गोपनीय सूचना मिली थी. जिसके आधार पर पुलिस ने रविवार, 20 सितंबर को मातोश्री लॉन के सामने नाकाबंदी कर गोंदिया के रामनगर निवासी इरफान रफिक शेख (32), व भंडारा जिले के मांगली निवासी अक्रम खान मिया खान पठाण (40) को पकड़ा. तलाशी के दौरान मोपेड पर करीब 100 किलो गोमांस मिला. पुलिस ने पंचनामा कर 15 हजार रु. कीमत का गोमांस व 80 हजार रु. की ज्युपिटर मोपेड ऐसा कुल 95 हजार रु. का माल जब्त किया है. दोनों आरोपियों के खिलाफ महाराष्ट्र प्राणी संरक्षण कानून सहित संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है. गोमांस कहां से लाया गया और कहां ले जाया जा रहा था, इसकी जांच की जा रही है. यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे, अपर पुलिस अधीक्षक डोंगरे के मार्गदर्शन में पुलिस उपनिरीक्षक मुंगले, हवलदार नामुर्ते, सिपाही अख्तर शेख, मोहित चौधरी, कैलास ठाकरे व इंगले ने की. जांच सहायक पुलि निरीक्षक दडस पाटिल कर रहे हैं।

ओबीसी के लिए जातीय जनगणना में अलग कॉलम की मांग

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। जातीय जनगणना में ओबीसी के लिए स्वतंत्र कॉलम रखने की प्रमुख मांग को लेकर गोंदिया जिला कांग्रेस कमेटी के ओबीसी विभाग की ओर से सोमवार, 21 सितंबर को जिलाधीश के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा.

ज्ञापन सौंपने के लिए जिला व शहर पदाधिकारी, ओबीसी विभाग के पदाधिकारी, वर्तमान व पूर्व जिला परिषद तथा पंचायत समिति सदस्य, नगर परिषद सदस्य सहित कांग्रेस के सभी नेता, पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं से बड़ी संख्या में उपस्थित रहने का आह्वान किया गया है. ज्ञापन का आयोजन सोमवार को दोपहर 12 बजे जिलाधीश कार्यालय, गोंदिया में किया जाएगा. कार्यक्रम की जानकारी जिला कांग्रेस कमेटी ओबीसी विभाग के अध्यक्ष जितेंद्रकुमार कटरे, शहर अध्यक्ष विष्णु नागरिकर, महासचिव जीवनलाल शरणागत और सचिव अजय रहांगडाले ने दी है.

उदासीटोला में भक्तिभाव से मनाया जा रहा गणेशोत्सव पर्व, दुय्यम महिला शायरी 22 को

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय की सबसे बड़ी ग्राम पंचायत पांढ़रवानी के उदासीटोला में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी गणेश उत्सव का पर्व बड़े ही धूमधाम, हर्षोल्लास एवं भक्तिभाव के साथ मनाया जा रहा है। भगवान श्री गणेश की स्थापना के साथ ही प्रतिदिन शाम की महाआरती के उपरांत बच्चों के लिए विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। वहीं समिति द्वारा आयोजित इन कार्यक्रमों में नन्हे-मुन्ने बच्चों के लिए कुर्सी दौड़, मटकी फोड़ एवं डांस प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं, जिसमें स्थानीय बच्चे बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। वहीं गणेशोत्सव पर्व के दौरान आगामी 22 सितंबर को दुय्यम महिला शायरी का आयोजन किया गया है। चर्चा में नवयुवक गणेश उत्सव समिति के अध्यक्ष बाबूलाल समनपुरे ने बताया कि भगवान श्री गणेशोत्सव का पर्व भक्तिभाव के साथ मनाया जा रहा है। आगामी 22 सितंबर को रात 9 बजे से संगीतमय शायरी मुकाबला का आयोजन किया गया है। इस जंगी मुकाबले में दो महिला शायरों के बीच मुकाबला देखने को मिलेगा। जिसमें जाम से पधार रहीं महिला शायरा अनिता लिल्हारे तथा रपटाटोला (खुरपुड़ी) से पहुंच रहीं लक्ष्मीबाई सराटे अपने-अपने सुमधुर गीतों, गजलों और शायरी की एक से बढ़कर एक बेहतरीन प्रस्तुतियां देंगी। इस अवसर पर क्षेत्तीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील नवयुवक गणेश उत्सव समिति के अध्यक्ष बाबूलाल समनपुरे, सचिव राकेश खैरवार, कोषाध्यक्ष लिकेश कावरे सहित अन्य पदाधिकारी एवं ग्रामीणजनों ने की है।

एक परिचारिका के भरोसे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। ग्रामीण क्षेत्र के नागरिकों को तत्काल स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के लिए तिरोड़ा तहसील के सुकड़ी/डाकराम प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में शनिवार को स्वास्थ्य व्यवस्था बदहाल नजर आई. 12 कर्मचारियों वाले इस केंद्र में केवल एक महिला परिचारिका उपस्थित मिली.

केंद्र में मेडिकल ऑफिसर, सुपरवाइजर, ओपीडी सिस्टर, स्टाफ नर्स, फार्मासिस्ट, डेटा ऑपरेटर समेत अन्य कर्मचारी उपस्थित नहीं थे. इस प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के कार्यक्षेत्र में 25 से 30 गांव आते हैं और इसके अंतर्गत छह उपकेंद्र हैं. ऐसे में डाक्टर व अन्य जरूरी कर्मचारी उपलब्ध नहीं होने से उपचार के लिए आने वाले मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था मजबूत करने के लिए सरकार की ओर से योजनाओं और निधि का प्रावधान किया जाता है. लेकिन डाक्टर और कर्मचारी ही उपलब्ध नहीं होंगे तो स्वास्थ्य केंद्र की सुविधाओं और सरकारी खर्च का लाभ नागरिकों को कैसे मिलेगा, यह सवाल उठ रहा है.

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में डाक्टर और कर्मचारियों की ड्यूटी पर मौजूदगी अनिवार्य है. स्वास्थ्य समिति की बैठकों में भी इस संबंध में पहले ही निर्देश दिए गए हैं. शनिवार को जो डाक्टर या कर्मचारी ड्यूटी से अनुपस्थित थे, उनके खिलाफ उचित कार्रवाई होनी चाहिए. इस संबंध में सोमवार, 21 सितंबर को जिला स्वास्थ्य अधिकारी से मुलाकात करूंगा.

जगदीश बावनथड़े, जिप सदस्य तथा अध्यक्ष, स्वास्थ्य समिति, सुकड़ी/डाक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र

गोठे में बंधी बकरी का तेंदुए ने किया शिकार

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। सड़क अर्जुनी तहसील के कोसबी गांव में गोठे में बंधी बकरी का तेंदुए ने शिकार कर लिया, जबकि एक अन्य बकरी घायल हो गई. घटना शुक्रवार रात की बताई जा रही है. शनिवार सुबह घटना सामने आने के बाद पशुपालकों में भय का माहौल है.

नवेगांवबांध क्षेत्र कार्यालय के अंतर्गत आने वाले कोसबी निवासी किसान राजू मोडकू राऊत के घर के गोठे में यह घटना हुई. सूचना मिलने पर वनरक्षक धुलीचंद सूर्यवंशी ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा किया. सड़क अर्जुनी तहसील के कोसबी, कोलारगांव, बकी, मेंडकी, मनेरी, कनेरी, कोकणा, खोबा, डुग्गीपार, नैनपुर, बामणी, खड़की और मोगरा गांव नवेगांव-नागझिरा व्याघ्र प्रकल्प से सटे हैं. इसके चलते क्षेत्र में वन्यजीवों का आवागमन रहता है. हाल के दिनों में वन्यजीवों के हमले की घटनाएं भी बढ़ी हैं.

नागरिक अपने पालतू पशुओं को सुरक्षित स्थान पर बांधकर रखें. रात के समय क्षेत्र में वन्यजीवों की आवाजाही रहती है, इसलिए समूह में ही आवागमन करें.

धुलीचंद सूर्यवंशी, वनरक्षक, कोसबी

आटा चक्की के पट्टे मारकर किया घायल

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। तिरोड़ा थाने के तहत टिकारामटोला/काचेवानी निवासी फिर्यादी विक्की तुकडूजी राणे (32) अपने माता-पिता के साथ बातचीत कर रहा था. इसी दौरान आरोपी निलेश तुकडूजी राणे (32) वहां आया व माता-पिता के साथ क्यों विवाद कर रहा है, ऐसा कहते हुए गालीगलौज कर उसे घर के बाहर खींचते हुए लेकर गया व आटा चक्की के पट्टे से मारपीट की. जिसमें वह घायल हो गया. फिर्यादी की शिकायत पर तिरोड़ा पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार बिळोरे कर रहे हैं.

गालीगलौज कर दी धमकी

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। सालेकसा थाने के तहत गांधीटोला निवासी फिर्यादी मधु परसराम भांडारकर (45) अपने घर पर खाना खा रहा था. इसी बीच आरोपी सोहन सुखराम भांडारकर (25) वहां आया व फिर्यादी को संदीप कहां है, उसे कहां छुपा कर रखे, ऐसा कहते हुए गालीगलौज कर धक्का-मुक्की की. साथ ही तुझे चाकू से मारुंगा ऐसी धमकी दी. फिर्यादी की शिकायत पर सालेकसा पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार संदीप खडसे कर रहे हैं.

लाठी से प्रहार, दो पर मामला दर्ज

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। गोरेगांव थाने के तहत सोनी निवासी फिर्यादी दिनेश मालिकराम पंधरे (40) अपने घर के आगे गिरधारी चव्हाण के साथ बातचीत कर रहा था. इसी बीच आरोपी मुन्ना बघेले (50) व मयुर मुन्ना बघेले (25) ने मुझे ही बोल रहे है, ऐसा संदेह लेकर फिर्यादी के साथ मारपीट की. साथ ही आरोपी मुन्ना ने फिर्यादी के सिर पर लाठी से प्रहार कर दिया. जिसमें वह घायल हो गया. फिर्यादी की शिकायत पर गोरेगांव पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार कोरेटी कर रहे हैं.

वीणा वादिनी माँ सरस्वती की प्रतिमा स्थापना के लिए किया गया भूमिपूजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय का माँ सरस्वती महोत्सव जिले सहित पूरे महाकौशल क्षेत्र में ख्यातिप्राप्त, ऐतिहासिक रूप से मनाया जाने वाला माँ सरस्वती महोत्सव इस वर्ष 34 वें वर्ष में प्रवेश करते हुए आगामी 15 अक्टूबर को वीणा वादिनी माँ सरस्वती जी की प्रतिमा स्थापना के साथ धूमधाम से मनाया जायेगा। जिसकी तैयारी माँ सरस्वती महोत्सव समिति के द्वारा की जा रही है। माँ सरस्वती महोत्सव की तैयारी के लिए समिति के पदाधिकारियों के द्वारा सरस्वती ग्राउंड में रविवार को वीणा वादिनी माँ सरस्वती जी की प्रतिमा स्थापना के लिए पूजन अर्चन कर भूमिपूजन किया गया। इस अवसर पर पंडित के द्वारा विधि-विधान से पूजा अर्चना कर भूमिपूजन कार्यक्रम संपन्न करवाया गया। वहीं इस 13 दिवसीय माँ सरस्वती महोत्सव के अवसर पर मेले स्वरूप की तरह स्टाल, दुकाने, झूले लगेगें जो श्रध्दालुओं का मनमोह लेगा। साथ ही विविध धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम भी रोजाना आयोजित किये जायेगें जिससे पुरा क्षेत्र भक्तिमय नजर आयेगा, जिसकी तैयारी समिति के द्वारा प्रारंभ कर दी गई है।

15 अक्टूबर से प्रारंभ होगा माँ सरस्वती महोत्सव

आपकों बता दे कि लालबर्रा का माँ सरररस्वती महोत्सव पूरे महाकौशल क्षेत्र में ख्याति प्राप्त, ऐतिहासिक रूप से मनाने वाला पर्व है और इस वर्ष 15 अक्टूबर से माँ सरस्वती महोत्सव प्रारंभ होने वाला है। महोत्सव हर्षोल्लास से मनाने के साथ ही विविध धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित भी किये जायेगें। साथ ही वीणा वादिनी मॉ सरस्वती जी की प्रतिमा स्थल को भी आकर्षण लाईटिंग के साथ सजाने की तैयारी महोत्सव समिति के द्वारा प्रारंभ की जायेगी। माँ सरस्वती महोत्सव समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि माँ सरस्वती जी की प्रतिमा स्थापना हेतु दरबार सजाया जायेगा, जिसके निर्माण के लिए गत दिवस विधि-विधान से पूजा अर्चना कर भूमिपूजन किया गया एवं आगामी 15 अक्टूबर को वीणा वादिनी माँ सरस्वती की प्रतिमा स्थापना के साथ ही माँ सरस्वती महोत्सव प्रारंभ हो जायेगा। इस 13 दिवसीय पर्व पर रोजाना विविध धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये जायेगें। साथ ही यह भी बताया कि पूरे प्रांगण को विशेष आकर्षक लाइटिंग से सजाया जायेगा जो श्रध्दालुओं के लिए आकर्षक का केन्द्र रहेगा। वहीं समिति की गतिविधियां केवल महोत्सव तक सीमित नहीं हैं, बल्कि समय-समय पर पौधारोपण, रक्तदान, सामाजिक सेवा, पर्यावरण संरक्षण एवं नशामुक्ति जैसे सामाजिक संदेशों को भी जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जाता रहा है। यही कारण है कि महोत्सव नगर की सांस्कृतिक गतिविधियों का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। इस अवसर पर पं. विमल मिश्रा, माँ सरस्वती महोत्सव समिति लालबर्रा के संरक्षक शैलेश आश्वले, मनोज शर्मा, यजमान चेतन जैन, समिति अध्यक्ष योगेश आश्वले, उपाध्यक्ष मयूर मोहबे, सचिव विजय रजक, संयुक्त सचिव राजू साहू, सदस्य मुकेश पटले, अप्पू कुमरे, अक्षत साहू, अर्चित साहू, बिट्टू अड़मे, सोनू मर्सकोले, मोनू कटारे, अंकित पिपलोद, शानू ब्रम्हे, शुभम मरठे सहित अन्य समिति सदस्य व युवा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बकोड़ा के श्री सांई ट्रस्ट के अध्यक्ष श्याम कौशल तो सचिव बने रतनलाल एड़े

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 4 किमी. दूर बकोड़ा स्थित श्री सांई मंदिर में रविवार को श्री सांई ट्रस्ट की आवश्यक बैठक संपन्न हुई। यह बैठक ट्रस्ट के पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुई। आयोजित बैठक में नवीन कार्यकारिणी के चुनाव प्रक्रिया संपन्न करवाने के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। जिसके बाद सर्वसम्मति से श्याम कौशल को श्री सांई ट्रस्ट बकोड़ा के अध्यक्ष, रतनलाल एड़े को सचिव, श्रीराम नागेश्वर, मुरारीनाथ चौहान, रणधीरसिंह सेंगर, शैलेष आश्वले, रामजी राकड़े को उपाध्यक्ष, एमआर गोंदुड़े, एमआर पटले को संयुक्त सचिव, नरेन्द्र मेश्राम को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस चुनावी प्रक्रिया को सेवानिवृत्त शिक्षक एवं निर्वाचन अधिकारी एम. आर. पटले द्वारा नियमानुसार निष्पक्ष ढंग से संपन्न करवाया। वहीं बैठक के अंत में ट्रस्ट की नींव रखने वाले स्वर्गीय संस्थापकों स्व. ए. पी. महाजन (बालाघाट), स्व. खूबचन्द चन्देल (बकोड़ा), स्व. बेनीराम चुरहे (बकोड़ा), स्व. अनुपचन्द गौचन्द्र (बकोड़ा) एवं स्व. श्रीराम भार्गव (बालाघाट) को भावभीनी श्रध्दांजलि अर्पित करते हुए उनके योगदान को याद किया गया। वहीं नव-निर्वाचित अध्यक्ष श्याम कौशल ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए ट्रस्ट के माध्यम से जनसेवा, धार्मिक गतिविधियों और जनकल्याणकारी कार्यों को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का संकल्प दोहराया। चर्चा में संस्था के सचिव अनुपचंद गौचंद्र ने बताया कि अध्यक्ष एवं सचिव पद के चुनाव के उपरांत, नव-निर्वाचित अध्यक्ष द्वारा ट्रस्ट के विधान एवं नियमों के अनुसार अन्य महत्वपूर्ण पदों पर निष्ठावान पदाधिकारियों एवं सदस्यों को मनोनीत कर पूर्ण कार्यकारिणी की घोषणा की गई। साथ ही संस्था के सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों को सुचारू रूप से संचालित करने हेतु मनेष केकती, आनंद चूरहे, डी. एल. सोनबिरसे (लालबर्रा), कोमल बान्ते, संदीप मिश्रा (बालाघाट), विनोद चूरहे (बकोड़ा), आशु भार्गव (बालाघाट), राजेश हरडे (लालबर्रा) तथा सुरेन्द्र बनवाले (पनबिहरी) को सदस्य मनोनित किया गया है। वहीं संरक्षक मंडल में श्रीमती अनुभा मुंजारे क्षेत्तीय विधायक, बालाघाट (पदेन), श्रीमती पुष्पा नागेश्वर - सरपंच बकोड़ा (पदेन), आशीष तोमर (बालाघाट), अनूपचन्द गौचन्द्र (बकोड़ा), डी. डी. भारती (लालबर्रा), अरूण चौरसिया (वारासिवनी) को नियुक्त किया गया है। इस अवसर पर श्री सांई ट्रस्ट बकोड़ा के पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहे।

मर्री टोल प्लाजा पर जिले वासियों को रियायत की उम्मीद

नितिन गडकरी से बैठक में पास जारी करने और टोल में राहत का भरोसा, सड़क की गुणवत्ता पर भी उठे सवाल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट से रजेगांव के बीच एनएचआई मार्ग पर मर्री में बनाए गए टोल प्लाजा को लेकर लंबे समय से चल रहे विरोध के बीच बालाघाटवासियों के लिए राहत की खबर सामने आई है। टोल प्लाजा को लेकर ट्रांसपोर्टर, बस ऑपरेटर और विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा लगातार विरोध दर्ज कराने के बाद मामला अब केंद्रीय स्तर तक पहुंच गया है। 20 सितंबर को नागपुर में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के साथ हुई बैठक में बालाघाट के स्थानीय वाहन चालकों को टोल में राहत देने के लिए पास सहित अन्य व्यवस्था किए जाने की बात सामने आई है। साथ ही सड़क की गुणवत्ता को लेकर उठाए गए सवालों पर भी विभागीय स्तर पर कार्रवाई के संकेत दिए गए हैं।

ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के पदाधिकारी अविनाश ठाकुर के अनुसार, 20 सितंबर को नागपुर के एक स्थानीय प्रतिष्ठान में सुबह करीब 11:30 बजे बैठक हुई। इसमें सांसद भारती पारधी, विधायक राजकुमार करांहे, ट्रांसपोर्ट और बस ऑपरेटर एसोसिएशन के पदाधिकारी तथा अन्य संबंधित लोग मौजूद रहे। बैठक में मर्री टोल प्लाजा को लेकर बालाघाटवासियों की समस्याओं और लगातार किए जा रहे विरोध की जानकारी केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के सामने रखी गई। बताया गया कि बैठक में नितिन गडकरी ने टोल प्लाजा के निर्माण के बाद तत्काल उसे हटाना अथवा उसका स्थान बदलना संभव नहीं होने की बात कही। हालांकि बालाघाट के स्थानीय वाहन चालकों को होने वाली परेशानी को देखते हुए उन्हें राहत देने के लिए पास जारी करने सहित अन्य रियायतों की व्यवस्था किए जाने की बात कही गई। अब बालाघाट में एनएचआई अधिकारियों, ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन, बस ऑपरेटरों और अन्य संगठनों के साथ बैठक कर यह तय किया जाएगा कि स्थानीय वाहन चालकों को किस प्रकार और कितनी रियायत दी जा सकती है। बैठक में केवल टोल का मुद्दा ही नहीं, बल्कि बालाघाट-रजेगांव मार्ग की गुणवत्ता को लेकर भी सवाल उठाए गए। ट्रांसपोर्ट प्रतिनिधियों ने सड़क पर सामने आ रही समस्याओं और निर्माण की गुणवत्ता को लेकर केंद्रीय मंत्री के समक्ष अपनी बात रखी। अविनाश ठाकुर के अनुसार, बैठक में सड़क निर्माण से जुड़ी कंपनी की गुणवत्ता को लेकर भी चर्चा हुई और निर्माण कार्य की गुणवत्ता की जांच तथा आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए जाने की बात सामने आई। सड़क को आवश्यक गुणवत्ता के साथ दुरुस्त कराने को लेकर भी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किए जाने की जानकारी दी गई। मर्री टोल प्लाजा को लेकर पिछले दिनों जिस तरह बालाघाट में विरोध बढ़ा था, उसके बाद केंद्रीय स्तर पर हुई इस बैठक को आंदोलन से जुड़े लोगों द्वारा महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

टोल प्लाजा का स्थान एक साल तक नहीं बदलेगा

अविनाश ठाकुर ने स्पष्ट किया कि टोल प्लाजा को लेकर केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी द्वारा कही गई बातें फिलहाल अनौपचारिक हैं और इस संबंध में उनके पास कोई लिखित आदेश उपलब्ध नहीं है। उन्होंने बताया कि गडकरी ने स्पष्ट किया है कि यदि टोल प्लाजा शुरू होने से पहले यह समस्या उनके सामने आती तो निश्चित रूप से टोल प्लाजा का स्थान बदलने पर विचार किया जाता, लेकिन अब टोल प्लाजा बनने के बाद अगले एक वर्ष तक इसके स्थान में किसी तरह का परिवर्तन नहीं किया जाएगा। हालांकि, बालाघाटवासियों को राहत देने के लिए जल्द ही समीक्षा बैठक आयोजित किए जाने की बात कही गई है। इस बैठक में स्थानीय नागरिकों के लिए टोल में रियायत देने, पास जारी करने तथा अन्य सुविधाओं को लेकर निर्णय लिया जाएगा। ऐसे में फिलहाल टोल प्लाजा के स्थान परिवर्तन की उम्मीद पर विराम लग गया है, लेकिन स्थानीय लोगों को शुल्क में राहत और पास की सुविधा मिलने की उम्मीद बनी हुई है।

दो दिन जिंदगी से जूझा... अब अपनों की तलाश में रह गया अज्ञात शव

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। रेलवे ट्रैक पर गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिला करीब 35 से 40 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति आखिरकार जिंदगी की जंग हार गया। बीते दो दिनों से जिला अस्पताल में उसका उपचार चल रहा था लेकिन 20 सितंबर की शाम उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मौत के बाद भी इस व्यक्ति की कहानी अधूरी है क्योंकि वह अपने पीछे अपना नाम, पता और परिवार की कोई पहचान नहीं छोड़ पाया।

2 दिन पहले रेलवे ट्रैक पर घायल हालत में मिला था व्यक्ति

प्राप्त जानकारी के अनुसार 17 और 18 सितंबर की दरमियानी रात बालाघाट-वारासिवनी रेलवे ट्रैक पर एक व्यक्ति के गंभीर रूप से घायल अवस्था में पड़े होने की सूचना डायल-112 को मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस की मदद से घायल व्यक्ति को तत्काल जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचाया गया।जहां चिकित्सकों द्वारा उसका उपचार शुरू किया गया।घायल व्यक्ति की हालत बेहद गंभीर थी। उसके सिर, हाथ-पैर सहित शरीर के अलग-अलग हिस्सों में चोटें आई थीं और वह बेहोशी की हालत में था। वह अपनी पहचान बताने की स्थिति में भी नहीं था। ऐसे में जिला अस्पताल पुलिस ने उसकी पहचान और उसके परिजनों तक पहुंचने के लिए लगातार प्रयास किए लेकिन दो दिन बीत जाने के बाद भी कोई अपना उसे तलाशते हुए अस्पताल नहीं पहुंच सका।20 सितंबर की शाम उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। इसके बाद जिला अस्पताल पुलिस ने शव को सुरक्षित रूप से जिला अस्पताल के फ्रीजर में रखवा दिया है और अब उसके परिजनों की तलाश की जा रही है।सबसे बड़ा सवाल अभी भी यही है कि आखिर यह व्यक्ति रेलवे ट्रैक तक कैसे पहुंचा। क्या वह ट्रेन की चपेट में आया था, या उसके साथ कोई मारपीट हुई थी? फिलहाल इसकी स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। शरीर पर मिले चोट के निशानों को देखते हुए पुलिस सभी संभावनाओं की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा होने की संभावना है

अब पुलिस की जिम्मेदारी, पहचान से लेकर अंतिम विदाई तक

अज्ञात व्यक्ति की पहचान और उसके परिजनों की तलाश के लिए जिला अस्पताल पुलिस द्वारा प्रयास किए जा रहे हैं। यदि काफी प्रयासों के बाद भी उसके परिजनों का पता नहीं चलता है तो नियमानुसार पोस्टमार्टम के बाद उसके अंतिम संस्कार की जिम्मेदारी भी पुलिस को ही निभानी पड़ सकती है। जिस व्यक्ति के घर में कभी उसके लौटने की राह देखी जाती रही होगी आज वही व्यक्ति एक अनजान शव बनकर अस्पताल के फ्रीजर में पड़ा है। न कोई नाम पुकारने वाला है, न कोई अपना आंसू बहाने वाला। रेल की पटरियों के किनारे मिली उसकी जिंदगी की कहानी अब सिर्फ एक सवाल बनकर रह गई है।आखिर वह किसका अपना था।

टीईटी से मुक्ति और पुरानी पेंशन की मांग पर शिक्षकों का हुंकार, उपवास के बाद निकली अधिकार सम्मान रैली

आजाद अध्यापक शिक्षक संघ ने मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन, वर्षों से लंबित मांगों के निराकरण की उठाई आवाज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। अध्यापक-शिक्षक संवर्ग की वर्षों से लंबित मांगों के निराकरण और वर्तमान सेवारत शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा से मुक्त रखने की मांग को लेकर रविवार को आजाद अध्यापक शिक्षक संघ के प्रदेशव्यापी आह्वान पर बालाघाट में एकदिवसीय सामूहिक उपवास, धरना एवं रैली का आयोजन किया गया।

स्थानीय मुला स्टेडियम के समीप आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाएं शामिल हुए। इस दौरान शिक्षकों ने टीईटी को लेकर सरकार और शिक्षा विभाग के समक्ष अपना विरोध दर्ज कराया। कार्यक्रम के बाद शिक्षक अधिकार सम्मान रैली निकाली गई, जो कलेक्टर कार्यालय पहुंची। यहां संघ पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर अध्यापक-शिक्षक संवर्ग की लंबित मांगों पर शीघ्र निर्णय लेने की मांग की। जिला अध्यक्ष आशीष बिसेन के नेतृत्व में हुए कार्यक्रम में शिक्षकों ने कहा कि लंबे समय से उनकी विभिन्न मांगें शासन स्तर पर लंबित हैं, जिनका निराकरण नहीं होने से संवर्ग में असंतोष बना हुआ है। संघ द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में वर्तमान में सेवारत शिक्षकों को टीईटी से मुक्त रखने के साथ पुरानी पेंशन व्यवस्था बहाल करने की मांग प्रमुखता से उठाई गई। इसके अलावा अध्यापक-शिक्षक संवर्ग की प्रथम नियुक्ति दिनांक से सेवा अवधि की गणना करते हुए ग्रेच्युटी एवं अवकाशों के नगदीकरण का लाभ देने, अव्यवहारिक ई-अटेंडेंस व्यवस्था बंद करने तथा सितंबर 2022 की हड़ताल अवधि का लंबित वेतन भुगतान करने की मांग की गई। जबलपुर संभाग के पदोन्नति प्राप्त उच्च माध्यमिक शिक्षकों की लंबित द्वितीय क्रमोन्नति के आदेश शीघ्र जारी करने, अन्य लंबित क्रमोन्नति एवं समयमान वेतनमान के आदेश जारी करने तथा उच्च माध्यमिक शिक्षकों की पदोन्नति व्याख्याता की तरह वरिष्ठता के आधार पर किए जाने की मांग भी ज्ञापन में शामिल रही। कार्यक्रम के दौरान संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि शिक्षक अपने अधिकारों और सम्मान से जुड़े मुद्दों को लेकर लगातार शासन का ध्यान आकर्षित कर रहे हैं। उन्होंने मांगों का समयबद्ध निराकरण नहीं होने की स्थिति में आगामी आंदोलन को और व्यापक रूप देने की बात कही तथा शिक्षकों से संगठन द्वारा प्रस्तावित आगामी कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी की अपील की।

किरनापुर थाने के पथराव-तोड़फोड़ मामले में पुलिस का शिकंजा कसता जा रहा, अब तक 63 नामजद, 26 गिरफ्तार

सीसीटीवी और वीडियो फुटेज से होगी बाकी चेहरों की पहचान, एसपी बोले- निर्दोषों को घबराने की जरूरत नहीं

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। 15 सितंबर को किरनापुर थाना परिसर में हुए पथराव, तोड़फोड़ और पुलिसकर्मियों से विवाद के मामले में पुलिस की कार्रवाई लगातार आगे बढ़ रही है। पुलिस ने अब तक 63 लोगों के खिलाफ नामजद प्रकरण दर्ज किया है और 26 लोगों की गिरफ्तारी की जानकारी दी है। घटना के दौरान बनाए गए सीसीटीवी फुटेज, वीडियो और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस अब उन लोगों की पहचान में जुटी है, जिनकी भूमिका थाने में हुए पथराव और तोड़फोड़ में रही। पुलिस के अनुसार प्रदर्शन के दौरान स्थिति बिगड़ने पर थाना परिसर में पथराव और तोड़फोड़ हुई थी, जिसके बाद भीड़ को नियंत्रित करने के लिए आंसू गैस और लाठीचार्ज का इस्तेमाल किया गया। घटना के बाद पुलिस ने मामले की जांच तेज कर दी है और उपलब्ध वीडियो फुटेज को कार्रवाई का प्रमुख आधार बनाया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने स्पष्ट किया है कि एफआईआर में नाम दर्ज होने मात्र से कोई व्यक्ति अपराधी साबित नहीं हो जाता। जिन लोगों की घटना में संलिप्तता नहीं है, उन्हें डरने की आवश्यकता नहीं है और वे जांच के दौरान अपने पक्ष में उपलब्ध साक्ष्य पुलिस के समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। एसपी ने आमजन से यह भी अपील की है कि यदि कोई बाहरी व्यक्ति थाने में तोड़फोड़ अथवा पथराव में शामिल था और उसके संबंध में किसी के पास वीडियो या अन्य जानकारी है तो पुलिस को उपलब्ध कराई जाए। वहीं पुलिस प्रदर्शन से पहले और उसके दौरान कथित रूप से शराब एवं रुपये बांटकर भीड़ को प्रभावित करने के एंगल से भी जांच कर रही है। इस संबंध में शराब दुकानों, ठेकेदारों और अन्य संबंधित लोगों से पूछताछ की जा रही है। एसपी के अनुसार जांच में सामने आने वाले तकनीकी साक्ष्यों और बयानों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि 15 सितंबर का प्रदर्शन किरनापुर थाना क्षेत्र में कैलाश चौधरी और उनकी पत्नी सावित्री के साथ पुलिस द्वारा कथित मारपीट के आरोपों के विरोध में हुआ था। इस मामले में संबंधित पुलिसकर्मियों को निलंबित कर जांच के लिए एसआईटी गठित की गई है। इसके बाद बड़ी संख्या में लोग प्रदर्शन करते हुए किरनापुर थाने पहुंचे थे, जहां स्थिति बिगड़ने पर पथराव और तोड़फोड़ की घटना हुई। अब पुलिस एक ओर चौधरी दंपती से जुड़े आरोपों की जांच आगे बढ़ा रही है, वहीं दूसरी ओर थाना परिसर में हुए उपद्रव में शामिल लोगों की पहचान कर कार्रवाई कर रही है।

मोती गार्डन में दौड़ी सतपुड़ा एक्सप्रेस, बच्चों के चेहरों पर खिली मुस्कान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर के हृदय स्थल मोती गार्डन में रविवार शाम बच्चों के मनोरंजन के लिए नई टॉय ट्रेन की सौगात मिली। शाम 5 बजे आयोजित समारोह में नई टॉय ट्रेन का भव्य लोकार्पण किया गया। ट्रेन का नाम सतपुड़ा एक्सप्रेस रखा गया है। लंबे समय से मोती गार्डन में टॉय ट्रेन शुरू करने को लेकर चल रहा कार्य पूरा होने के बाद इसके शुभारंभ से शहरवासियों और खासकर बच्चों में उत्साह का माहौल नजर आया। लोकार्पण कार्यक्रम में पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष रमेश रंगलानी, आयोग सदस्य मौसम बिसेन, नगर पालिका उपाध्यक्ष योगेश बिसेन सहित जनप्रतिनिधि, पार्षद, नगर पालिका सभापति, अधिकारी-कर्मचारी और अन्य लोग मौजूद रहे।

कैलाश जैन

उमेश बागरेचा

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन..
हिन्दी दैनिक...

बालाघाट एक्सप्रेस

समाचार पत्र के सफलतम 17 वर्ष पूर्ण होने पर
प्रधान सम्पादक..

श्री उमेश बागरेचा जी
आपश्री को हार्दिक बधाइयाँ

17 वर्ष सफलतम
-शुभेच्छु-
कैलाश जैन, बालाघाट
जिला कार्यकारिणी सदस्य, जिला योजना एवं विकास समिति बालाघाट

श्याम पंजवानी

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन..
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

बालाघाट एक्सप्रेस

के सफलतम 17 वर्ष पूर्ण होने पर
प्रधान सम्पादक..

श्री उमेश बागरेचा जी
आपश्री को हार्दिक बधाईयाँ

- शुभेच्छु -
श्याम पंजवानी
अध्यक्ष
ब्लाक कांग्रेस कमेटी, बालाघाट

अजय सुखदेव

जिले का सर्वाधिक लोकप्रिय
पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

बालाघाट एक्सप्रेस

के सफलतम 17 वर्ष पूर्ण होने पर

प्रधान सम्पादक..
श्री उमेश बागरेचा जी
आपश्री को हार्दिक बधाईयाँ

विनीत- **अजय सुखदेव** स्थायी आमंत्रित सदस्य भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा, म.प्र.

श्याम कौशल

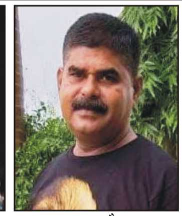
गुड्डू कौशल

उमेश बागरेचा

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन..हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

बालाघाट एक्सप्रेस

के सफलतम 17 वर्ष पूर्ण होने पर
प्रधान सम्पादक..

श्री उमेश बागरेचा जी
एवं समस्त स्टाफ
आपश्री को हार्दिक बधाईयाँ

-शुभेच्छु-
कौशल ट्रेव्हल्स, बालाघाट

अनुराग जायसवाल (जीतू)

उमेश बागरेचा

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन..जिले का सर्वाधिक प्रचारित एवं प्रकाशित निष्पक्ष समाचार पत्र ..
हिन्दी दैनिक...

बालाघाट एक्सप्रेस

के सफलतम 17 वर्ष पूर्ण होने पर
प्रधान सम्पादक..

श्री उमेश बागरेचा जी
आपश्री को हार्दिक शुभकामनायें

17 वर्ष सफलतम
-शुभेच्छु-
अनुराग जायसवाल (जीतू)
संचालक-हीरो मोटो कार्प, बालाघाट

उमेश जायसवाल

17 वर्ष सफलतम

उमेश बागरेचा

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन..जिले का सर्वाधिक प्रचारित एवं प्रकाशित निष्पक्ष समाचार पत्र ..
हिन्दी दैनिक...

बालाघाट एक्सप्रेस

के सफलतम 17 वर्ष पूर्ण होने पर
प्रधान सम्पादक..

श्री उमेश बागरेचा जी
आपश्री को हार्दिक शुभकामनायें

-शुभेच्छु-
उमेश जायसवाल
संचालक-होटल शीतल पैलेस, भटेरा रोड, बालाघाट

विशाल बिसेन

वैभव बिसेन

उमेश बागरेचा

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन..हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

बालाघाट एक्सप्रेस

के आज सफलतम 17 वर्ष पूर्ण होने पर
प्रधान सम्पादक..

श्री उमेश बागरेचा जी
एवं समस्त स्टाफ
आपश्री को हार्दिक बधाईयाँ

-शुभेच्छु-
विशाल बिसेन
जिलाध्यक्ष
पंवार क्षत्रीय समाज, बालाघाट

वैभव बिसेन
जिलाध्यक्ष
जिला सरपंच संघ, बालाघाट

बधाई... शुभकामनाएं... बधाई

दिनेश धुर्वे

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन..
जिले का सर्वाधिक लोकप्रिय समाचार पत्र
हिन्दी दैनिक...

बालाघाट एक्सप्रेस

के सफलतम 17 वर्ष पूर्ण होने पर
प्रधान सम्पादक..

श्री उमेश बागरेचा जी
आपश्री को हार्दिक बधाईयाँ
कोटिशः शुभमंगल कामनायें

-शुभेच्छु- **दिनेश धुर्वे**
जिलाध्यक्ष, म.प्र. आदिवासी विकास परिषद, जिला-बालाघाट

डॉ. अजीत गनवीर

उमेश बागरेचा

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन..
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र ..

बालाघाट एक्सप्रेस

के सफलतम
17 वर्ष पूर्ण होने पर
प्रधान सम्पादक..

श्री उमेश बागरेचा जी
एवं समस्त स्टाफ
आपश्री को हार्दिक बधाईयाँ

- शुभेच्छु -
डॉ. अजीत गनवीर
(हड्डी रोग विशेषज्ञ)
समाधान हॉस्पिटल
डॉक्टर कालोनी, बूढ़ी, बालाघाट

सफल, सार्थक
4 वर्ष

कितना बदला बालाघाट...

चार साल का हिसाब-बालाघाट में कहां बदली तस्वीर, आगे क्या है तैयारी, विकास की पूरी कहानी

आवास, सड़क, पानी, स्वच्छता, शिक्षा, खेल और हरियाली पर फोकस; अब भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर बड़ी योजनाओं की तैयारी, रू. 30 करोड़ से वार्डों में विकास, रू.48 करोड़ से जलापूर्ति का विस्तार, रू. 30 करोड़ की लिक्विड वेस्ट योजना; नए वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, आधुनिक बस टर्मिनल, स्पोर्ट्स हब और जरूरतमंद बच्चों के लिए प्रतियोगी परीक्षा कोचिंग की तैयारी

बालाघाट। नगर पालिका परिषद बालाघाट के वर्तमान पंचवर्षीय कार्यकाल के चार वर्ष पूरे होने जा रहे हैं। 13 अगस्त 2022 को वर्तमान परिषद ने जिम्मेदारी संभाली थी। इन चार वर्षों में शहर में सड़क, नाली, पेयजल, आवास और स्वच्छता जैसी मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के साथ शिक्षा, खेल, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण, स्वरोजगार, बाजारों की व्यवस्था, तालाब-घाट संरक्षण और नगर सौंदर्यीकरण की दिशा में अनेक कार्य किए गए। इसके साथ भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए कई बड़ी परियोजनाओं की कार्ययोजना भी तैयार की गई है। परिषद की सोच रही कि विकास केवल सीमेंट-कांक्रीट के निर्माण तक सीमित न हो। गरीब परिवार को पक्का घर मिले, हर क्षेत्र तक पर्याप्त पानी पहुंचे, जलभराव से राहत मिले, बच्चों को शहर में ही बेहतर शिक्षा एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की सुविधा मिले, युवाओं को खेल के बेहतर अवसर मिलें, महिलाएं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनें, शहर के बाजार व्यवस्थित हों, नदी-तालाब संरक्षित रहें और बालाघाट अधिक स्वच्छ, सुंदर एवं हराभरा बने।

3,500 से अधिक आवास, गरीब परिवारों के पक्के घर का सपना हुआ साकार

प्रधानमंत्री आवास योजना के बीएलसी घटक के अंतर्गत शहर में 3,500 से अधिक आवासों का निर्माण किया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 के अंतर्गत भी नए पात्र परिवारों को योजना से जोड़ने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। एएचपी आवास योजना के अंतर्गत लगभग 175 परिवारों को मात्र रू. 2 लाख हितग्राही अंशदान पर लगभग रू. 10 लाख वास्तविक लागत के आवास उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य किया गया है। एएचपी आवासीय क्षेत्र में भविष्य में 600 से अधिक परिवारों के निवास को ध्यान में रखते हुए कम्युनिटी हॉल, खेल परिसर एवं अन्य आवश्यक नागरिक सुविधाओं के विस्तार की योजना भी तैयार की गई है।

रू. 30 करोड़ की विशेष निधि से वार्ड और मोहल्लों तक पहुंचा विकास

नगर के वार्डों में मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए लगभग रू.30 करोड़ की विशेष निधि से सीसी सड़क, पेवर ब्लॉक, नालियों का निर्माण एवं सुधार, क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत तथा जल निकासी सहित विभिन्न अधोसंरचना कार्य किए गए। परिषद का प्रयास रहा कि विकास केवल शहर की मुख्य सड़कों एवं बाजार क्षेत्र तक सीमित न रहे, बल्कि आंतरिक मोहल्लों और वार्डों तक पहुंचे।

रू. 4.50 करोड़ से सड़कों का कायाकल्प, गौरव पथ के नए स्वरूप की तैयारी

कायाकल्प योजना के अंतर्गत लगभग रू.4.50 करोड़ की लागत से शहर के प्रमुख मार्गों का नवीनीकरण कराया गया। क्षतिग्रस्त सड़कों और गड्ढों को सुधारकर आवागमन को बेहतर बनाने का प्रयास किया गया। द्वारका नगरी योजना के अंतर्गत गौरव पथ के बीटी नवीनीकरण, सड़क किनारे पेवर/गट्टू तथा अन्य आवश्यक अधोसंरचना विकास की योजना भी प्रस्तावित है।

जहां थी गंदगी, वहां संवरे सार्वजनिक स्थल

शहर के प्रमुख मार्गों के किनारे कचरे और अव्यवस्थित पड़े स्थानों को साफ कर उन्हें सौंदर्यीकरण एवं हरियाली से जोड़ने का प्रयास किया गया। उत्कृष्ट विद्यालय मैदान के सामने सहित प्रमुख चौक-चौराहों एवं सार्वजनिक स्थलों पर महापुरुषों की प्रतिमाएं स्थापित कर सौंदर्यीकरण किया गया। प्रमुख मार्गों, चौक-चौराहों एवं रेलवे ओवरब्रिजों को महापुरुषों के नाम से जोड़कर शहर की सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक पहचान को मजबूत करने का प्रयास भी किया गया। परिषद की सोच रही कि विकास केवल निर्माण नहीं, बल्कि शहर की पहचान, इतिहास और संस्कृति को संजोने का माध्यम भी बने।

रू.200 करोड़ से अधिक के तीन रेलवे ओवरब्रिज बदलेंगे यातायात की तस्वीर

सरेखा, भटेरा चौकी एवं गर्रा में निर्माणाधीन तीन रेलवे ओवरब्रिज बालाघाट की महत्वपूर्ण अधोसंरचना परियोजनाओं में शामिल हैं। इनकी संयुक्त लागत रू.200 करोड़ से अधिक है। इन ओवरब्रिजों के पूर्ण होने के बाद रेलवे क्रॉसिंग पर लगने वाले जाम से राहत मिलने के साथ शहर के विभिन्न हिस्सों की कनेक्टिविटी बेहतर होगी। जागपुर घाट में वैनगंगा नदी पर उच्चस्तरीय पुल भी क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को बेहतर करने वाली महत्वपूर्ण परियोजना है।

रू. 48 करोड़ से जलापूर्ति का विस्तार, नए क्षेत्रों तक बिछ रही पाइपलाइन

बालाघाट की वर्तमान एवं भविष्य की पेयजल आवश्यकताओं को देखते हुए लगभग रू. 48 करोड़ की नल-जल एवं अमृत 2.0 योजना के माध्यम से जलापूर्ति व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है। शहर के पुराने क्षेत्रों के साथ लगातार विकसित हो रहे नए एवं विस्तारित क्षेत्रों में नई पाइपलाइन बिछाने का कार्य किया जा रहा है, ताकि बढ़ती आबादी तक पर्याप्त एवं नियमित पेयजल पहुंच सके। भविष्य की जरूरतों को देखते हुए अर्बन चैलेंज फंड के अंतर्गत नया वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, नया इंटेक वेल तथा तीन नई पानी टंकियों की कार्ययोजना प्रस्तावित है। नई टंकियों के लिए वार्ड क्रमांक 32, वार्ड क्रमांक 2 एवं वार्ड क्रमांक 16 के नौगुजरी चौक क्षेत्र को प्रस्तावित किया गया है।

समता से देवी तालाब तक, जलस्त्रोतों के संरक्षण की समग्र योजना

अमृत 2.0 के अंतर्गत समता तालाब का जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण किया जा रहा है। इसके साथ आमा तालाब एवं सरेखा तालाब के गहरीकरण, संरक्षण एवं सौंदर्यीकरण की कार्ययोजना तैयार की जा रही है। देवी तालाब की स्वच्छता बनाए रखने के लिए नगर पालिका द्वारा आवश्यक व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। तालाबों में बाहरी एवं दूषित पानी सीधे न पहुंचे, इसके लिए अलग नालियों एवं बड़े नालों के माध्यम से जल निकासी की व्यवस्था विकसित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

मोती उद्यान में दौड़ी टॉय ट्रेन, बच्चों को मिला नया आकर्षण

मोती उद्यान का कायाकल्प कर इसे बच्चों एवं परिवारों के लिए आकर्षक सार्वजनिक स्थल के रूप में विकसित किया गया है। यहां बच्चों के लिए टॉय ट्रेन सेवा प्रारंभ की गई है। विशेष रूप से जरूरतमंद एवं छात्रावासों में रहने वाले बच्चों को भी समय-समय पर निःशुल्क इसका आनंद दिलाने की पहल की गई है, ताकि शहर की सार्वजनिक मनोरंजन सुविधाएं समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंच सकें।

हरित बालाघाट के लिए हजारों पौधे, मियावाकी से तैयार किए सघन हरित क्षेत्र

बालाघाट को अधिक हराभरा और पर्यावरण अनुकूल शहर बनाने के लिए वृक्षारोपण को विशेष प्राथमिकता दी गई है। प्रतिवर्ष वर्षाकाल में बड़े स्तर पर पौधरोपण करने के साथ शहर के अलग-अलग स्थानों को चिन्हित कर उन्हें हरित क्षेत्र के रूप में विकसित करने के प्रयास किए गए। कम स्थान में सघन हरियाली विकसित करने के लिए मियावाकी पद्धति का उपयोग किया गया। मोती उद्यान क्षेत्र, एएचपी आवास क्षेत्र, नमो वन सहित शहर के विभिन्न चिन्हित स्थानों पर हजारों की संख्या में पौधे लगाए गए। विशेष बात यह रही कि वृक्षारोपण अभियान केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं रखा गया। लगाए गए पौधों की देखभाल, संरक्षण एवं पालन-पोषण की जिम्मेदारियां भी तय की गईं, ताकि अधिक से अधिक पौधे जीवित रहें और वृक्ष का रूप ले सकें। नगर पालिका ने आम नागरिकों, सामाजिक संस्थाओं एवं विभिन्न संगठनों को भी वृक्षारोपण अभियान से जोड़कर इसे जनभागीदारी का स्वरूप देने का प्रयास किया है। ग्रीन बालाघाट-क्लीन बालाघाट की अवधारणा के साथ शहर में अधिक से अधिक हरित क्षेत्र विकसित कर आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, सुंदर और हराभरा बालाघाट तैयार करने की दिशा में काम किया जा रहा है।

किसान पॉकेट गार्डन में दिखेगी बालाघाट की ग्रामीण संस्कृति

शहर के उद्यानों एवं हरित क्षेत्रों के विकास के साथ किसान पॉकेट गार्डन की परिकल्पना की गई है। इसमें बैलगाड़ी, हल एवं ग्रामीण जीवन से जुड़े प्रतीकों के माध्यम से बालाघाट की कृषि एवं ग्रामीण संस्कृति को शहर के सौंदर्यीकरण से जोड़ने की योजना है।

धोबी तालाब से वैनगंगा के घाटों तक संरक्षण पर जोर

धोबी तालाब के जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण को आगे बढ़ाया गया है। वहीं वैनगंगा नदी के बजरंग घाट, शंकर घाट, जागपुर घाट एवं धीमरटोला घाट के संरक्षण एवं विकास को अर्बन चैलेंज फंड की कार्ययोजना में शामिल किया गया है। इन घाटों के सौंदर्यीकरण, नागरिक सुरक्षा, आवश्यक अधोसंरचना और नदी तट पर हो रहे मिट्टी कटाव को रोकने की दिशा में समग्र योजना तैयार की गई है।

निर्माल्य से बनेगी खाद, गौ-ग्रास पहुंचेगा गौशालाओं तक

धार्मिक आस्था और पर्यावरण संरक्षण को जोड़ते हुए घरों एवं मंदिरों से निकलने वाले निर्माल्य का ई-वाहनों के माध्यम से अलग संग्रह करने की योजना तैयार की गई है। फूल-माला एवं अन्य जैविक निर्माल्य को पॉलीथिन सहित नदी-तालाबों में जाने से रोककर उससे कम्पोस्ट तैयार किया जाएगा, जिसका उपयोग पेड़-पौधों में किया जा सकेगा। घाटों एवं विसर्जन स्थलों पर निर्माल्य कलश की व्यवस्था भी इसी पहल का हिस्सा होगी। इसी तरह घरों से निकलने वाले गौ-ग्रास का पृथक संग्रह कर गौशालाओं एवं गोपालन करने वाले लोगों तक पहुंचाने की योजना है। इससे नागरिक अपनी आस्था के अनुरूप गौ-ग्रास दे सकेंगे और भोजन की तलाश में पशुओं के सड़कों पर विचरण को कम करने में भी सहायता मिलेगी।

16 के बाद छह और स्वच्छता वाहन, दो होंगे ई-वाहन

नगर पालिका द्वारा 16 नए स्वच्छता वाहन लिए जा चुके हैं। अब सफाई व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए छह अतिरिक्त वाहन लिए जा रहे हैं, जिनमें दो ई-वाहन शामिल होंगे। इनसे डोर-टू-डोर कचरा संग्रह के साथ निर्माल्य, गौ-ग्रास एवं अन्य पृथक संग्रह व्यवस्थाओं को भी मजबूती मिलेगी। रात्रिकालीन सफाई व्यवस्था के साथ पोकलेन एवं जेसीबी से नालों की नियमित सफाई और गहरीकरण भी कराया जा रहा है।

हनुमान चौक में बारिश हुई, लेकिन पुराने जैसा जलभराव नहीं

हनुमान चौक की वर्षों पुरानी जलभराव समस्या के समाधान के लिए लगभग रू.2.50 करोड़ की लागत से नालों एवं जल निकासी की कार्ययोजना पर काम किया गया। पुराने नालों की विशेष सफाई, गहरीकरण एवं जल निकासी मार्गों को व्यवस्थित करने का परिणाम रहा कि अच्छी वर्षा के बावजूद हनुमान चौक में पूर्व वर्षों जैसी गंभीर जलभराव की स्थिति नहीं बनी। इस कार्य में नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारियों एवं परिषद सदस्यों का विशेष सहयोग रहा। शेष समस्या के स्थायी समाधान के लिए सरेखा रेलवे ओवरब्रिज से रानी अवंतीबाई चौक तक प्रस्तावित ह्रद्ध मार्ग में हनुमान चौक के सड़क स्तर को आवश्यकतानुसार ऊंचा करने तथा गोंदिया रोड की जल निकासी व्यवस्था को बेहतर करने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। इसी तरह शहर के अन्य जलभराव प्रभावित क्षेत्रों में भी स्थलवार स्थायी समाधान की दिशा में कार्य किया जाएगा।

रू.30 करोड़ की लिक्विड वेस्ट योजना, चार ट्रीटमेंट प्लांट से साफ होगा नालों का पानी

स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत लगभग रू.30 करोड़ की लिक्विड वेस्ट मैनेजमेंट योजना स्वीकृत हुई है। इसे राज्य एवं केंद्र शासन से स्वीकृत कराने की दिशा में परिषद द्वारा विशेष प्रयास किए गए। इसके अंतर्गत शहर के प्रमुख नाले-नालियों के निर्माण एवं सुधार के साथ चार वेस्ट वाटर/सीवर ट्रीटमेंट प्लांट बनाए जाएंगे। एएचपी आवास क्षेत्र के फिल्टर प्लांट के पास, मोती तालाब के नीचे और बंदरझिरिया क्षेत्र सहित चिन्हित स्थानों पर परियोजना को आगे बढ़ाया जा रहा है। इन प्लांटों के माध्यम से नालों से नदी एवं तालाबों में जाने वाले दूषित पानी को पहले उपचारित किया जाएगा। उपचारित पानी का आवश्यकतानुसार पुनः उपयोग भी किया जा सकेगा।

सार्वजनिक शौचालय और अग्निशमन सुविधाओं का विस्तार

नगर के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर लगभग रू.1.30 करोड़ की लागत से सर्वसुविधायुक्त सार्वजनिक शौचालयों के निर्माण की दिशा में कार्य किया गया है। अग्निशमन व्यवस्था मजबूत करने के लिए दो नए फायर वाहन खरीदे गए और पुराने वाहनों को भी दुरुस्त कराया गया।

महात्मा गांधी स्कूल में डिजिटल लाइब्रेरी

महात्मा गांधी स्कूल में लगभग रू. 2.50 करोड़ की लागत से डिजिटल लाइब्रेरी एवं नवीन भवनों के निर्माण को आगे बढ़ाया गया है, जिससे विद्यार्थियों एवं युवाओं को आधुनिक अध्ययन सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

खाली पड़े पुराने स्कूल भवन अब बच्चों का भविष्य संवारेंगे

संदीपनी विद्यालय में स्कूलों के स्थानांतरण के बाद उपलब्ध हुए पुराने स्कूल भवनों के जीर्णोद्धार एवं पुनः उपयोग की योजना नगर पालिका परिषद की बैठक में तैयार की गई है। इन भवनों का उपयोग विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद परिवारों के बच्चों तथा शहर के विभिन्न छात्रावासों में रहकर पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों के लिए किया जाएगा। नगर पालिका द्वारा यहां नीट, जेईई एवं अन्य प्रतियोगी और प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी के लिए कोचिंग कक्षाएं प्रारंभ करने की कार्ययोजना बनाई जा रही है। इसका उद्देश्य है कि आर्थिक परिस्थितियों के कारण कोई प्रतिभाशाली विद्यार्थी गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन से वंचित न रहे और उसे प्रतियोगी परीक्षाओं की बेहतर तैयारी के लिए बड़े शहरों में जाने की मजबूरी न हो। विशेष रूप से दूरस्थ आदिवासी एवं ग्रामीण अंचलों से बालाघाट के छात्रावासों में रहकर पढ़ाई करने वाले जरूरतमंद विद्यार्थियों को भी इस सुविधा से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

उत्कृष्ट विद्यालय मैदान में मिनी स्टेडियम और फ्लड लाइट

उत्कृष्ट विद्यालय मैदान को बच्चों एवं युवाओं के लिए व्यवस्थित खेल परिसर के रूप में विकसित किया जा रहा है। यहां मिनी स्टेडियम, बाउंड्री वॉल, सुलभ शौचालय, नाली एवं जल निकासी की व्यवस्था के साथ रात्रिकालीन खेलों के लिए फ्लड लाइट लगाई जा रही हैं। इसका उद्देश्य बच्चों एवं खिलाड़ियों को दिन के साथ शाम और रात में भी बेहतर खेल एवं अभ्यास सुविधा उपलब्ध कराना है।

ओलंपिक स्तर के स्विमिंग पूल की योजना

लगभग रू. 4.50 करोड़ की लागत से ओलंपिक स्तर के स्विमिंग पूल की योजना को आगे बढ़ाया गया है, जिससे स्थानीय बच्चों एवं खिलाड़ियों को बेहतर तैराकी एवं प्रशिक्षण सुविधा उपलब्ध हो सके।

मुलना स्टेडियम बनेगा खेल सुविधाओं का बड़ा केंद्र

द्वारका नगरी योजना के अंतर्गत मुलना स्टेडियम के व्यापक आधुनिकीकरण की कार्ययोजना बनाई गई है। इसमें फ्लड लाइट, रनिंग ट्रैक, खिलाड़ियों एवं दर्शकों के लिए शेड तथा अन्य आवश्यक खेल सुविधाएं विकसित करने का प्रस्ताव है। इसके साथ खेल विभाग को आवंटित भूमि पर अतिरिक्त मिनी स्टेडियम विकसित करने की योजना है, ताकि विभिन्न खेलों से जुड़े खिलाड़ियों को एक ही क्षेत्र में अधिकतम सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। स्टेडियम परिसर में जल निकासी की समुचित व्यवस्था भी बनाई जाएगी, ताकि वर्षाकाल में मैदान एवं खेल गतिविधियां प्रभावित न हों। लक्ष्य है कि मुलना स्टेडियम एवं आसपास का क्षेत्र एक ऐसे समग्र स्पोर्ट्स हब के रूप में विकसित हो, जहां बालाघाट के बच्चों और युवाओं को प्रशिक्षण, अभ्यास, प्रतियोगिता, रनिंग ट्रैक एवं रात्रिकालीन खेलों की सुविधा एक ही स्थान पर मिल सके।

महिला सशक्तिकरण-सहायता से स्वावलंबन की ओर

महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्व-सहायता समूहों को बैंक लिंकेज एवं स्वरोजगार से जोड़ा गया। महिला स्व-सहायता समूहों के 116 प्रकरणों में लगभग रू. 1 करोड़ का ऋण उपलब्ध कराया गया। उद्देश्य महिलाओं को छोटे व्यवसाय, उत्पादन एवं आयमूलक गतिविधियों से जोड़कर उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत बनाना है।

कोरोना काल में पथ विक्रेताओं का सहारा बनी पीएम स्ट्रीट वेंडर योजना

प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर योजना के माध्यम से बड़ी संख्या में छोटे व्यवसायियों एवं पथ विक्रेताओं को ऋण सुविधा से जोड़ा गया। कोरोना काल में व्यवसाय प्रभावित होने के समय यह योजना छोटे व्यापारियों के लिए महत्वपूर्ण आर्थिक सहारा बनी। नगर पालिका परिषद एवं कर्मचारियों ने अधिक से अधिक पात्र पथ विक्रेताओं का पंजीयन कर उन्हें ऋण सुविधा से जोड़ने पर विशेष ध्यान दिया। इससे अनेक छोटे व्यवसायी पुनः अपना कारोबार खड़ा कर सम्मानपूर्वक आजीविका चला पा रहे हैं।

स्वरोजगार, लाड़ली बहना और खाद्यान्न योजनाओं से जरूरतमंदों को जोड़ा

विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं के माध्यम से युवाओं एवं छोटे व्यवसाय शुरू करने वाले लोगों को बैंक ऋण और शासन की योजनाओं से जोड़ने का प्रयास किया गया। शहर की हजारों महिलाओं को लाड़ली बहना योजना से जोड़ने तथा पात्र गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों को खाद्यान्न सुरक्षा योजनाओं का लाभ दिलाने में भी नगर पालिका द्वारा सहयोग किया गया।

संबल से आयुष्मान तक, जरूरतमंद परिवारों को सुरक्षा कवच

संबल योजना के माध्यम से पात्र श्रमिक एवं जरूरतमंद परिवारों को प्रसूति सहायता, दुर्घटना सहायता, दिव्यांगता सहित शासन द्वारा निर्धारित विभिन्न सामाजिक सुरक्षा लाभों से जोड़ा जा रहा है। इसके साथ नगर पालिका में आयुष्मान कार्ड बनाने का कार्य भी जारी है। पात्र होने के बावजूद आयुष्मान कार्ड से वंचित जरूरतमंद परिवारों को आवश्यक प्रक्रियाओं से जोड़कर, आवश्यकता के अनुसार राशन पर्ची जनरेट कराने एवं आयुष्मान कार्ड बनवाने में सहयोग किया जा रहा है। प्रयास है कि केवल दस्तावेज अथवा प्रक्रिया के अभाव में कोई पात्र परिवार स्वास्थ्य सुरक्षा के लाभ से वंचित न रहे।

रू. 6 करोड़ से अधिक के कार्यों के बाद इतवारीगंज मंडी को और व्यवस्थित करने की तैयारी

शहर के प्रमुख व्यापारिक क्षेत्र गुजरी बाजार, झूलेलाल गुजरी मार्केट एवं इतवारीगंज मंडी को व्यवस्थित और सुविधाजनक बनाने की दिशा में विशेष कार्ययोजना बनाई गई है। इतवारीगंज मंडी में रू. 6 करोड़ से अधिक की राशि से हॉल, शेड, पार्किंग, सड़क एवं नालियों सहित विभिन्न विकास एवं अधोसंरचना कार्य किए गए हैं। अब उपलब्ध सुविधाओं का बेहतर उपयोग करते हुए पूरे मंडी परिसर को और अधिक सुव्यवस्थित करने का प्रयास किया जाएगा। झूलेलाल गुजरी मार्केट में उपलब्ध खाली छतों एवं नगर पालिका की व्यावसायिक जगहों का नियमानुसार नीलामी के माध्यम से बेहतर उपयोग करने की योजना है। बाजार के बाहर एवं मुख्य आवागमन मार्गों पर दुकान लगाकर व्यवसाय कर रहे व्यापारियों को उपलब्ध स्थान एवं नियमों के अनुरूप मार्केट के भीतर व्यवस्थित करने का प्रयास किया जाएगा। उद्देश्य व्यापारियों की आजीविका को सुरक्षित रखते हुए बाजार में नागरिकों के लिए आवागमन मार्ग को भी सुगम बनाना है।

अर्बन चैलेंज फंड से बनेगा आधुनिक सर्वसुविधायुक्त बस टर्मिनल

बालाघाट बस स्टैंड को भविष्य की जरूरतों के अनुरूप आधुनिक एवं सर्वसुविधायुक्त बस टर्मिनल के रूप में विकसित करने की योजना बनाई जा रही है। पूर्व में तैयार की गई कार्ययोजना में अतिरिक्त भूमि की आवश्यकता थी, जो उपलब्ध नहीं हो सकी। इसलिए अब उपलब्ध भूमि पर ही अर्बन चैलेंज फंड के अंतर्गत बस टर्मिनल विकसित करने की तैयारी है। इसमें यात्रियों के लिए प्रतीक्षालय, पेयजल, स्वच्छता एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं के विस्तार के साथ नगर पालिका भवन के आसपास दुकानों के निर्माण की व्यवस्था भी प्रस्तावित होगी।

नए नगर पालिका भवन की दिशा में पहल

नगर पालिका परिषद के नए भवन के निर्माण के लिए स्टेडियम के पास भूमि आवंटन की प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई है, ताकि भविष्य में नागरिकों को आधुनिक एवं व्यवस्थित परिसर में बेहतर प्रशासनिक सेवाएं मिल सकें।

जल बचाइए, पौधे लगाइए-संपत्ति कर में प्रोत्साहन की तैयारी

जल एवं पर्यावरण संरक्षण में नागरिक भागीदारी बढ़ाने के लिए आगामी परिषद बैठक में विशेष प्रस्ताव रखने की तैयारी है। इसके अंतर्गत रेन वाटर हार्वेस्टिंग/रिचार्ज पिट बनाने तथा निर्धारित संख्या में पौधे लगाकर उनका संरक्षण करने वाले नागरिकों को नियमानुसार संपत्ति कर में प्रोत्साहन स्वरूप छूट देने का प्रावधान प्रस्तावित किया जाएगा।

रू. 1 करोड़ की रोड सेफ्टी योजना, अंबेडकर चौक पर लगा ट्रैफिक सिग्नल

शहर की यातायात व्यवस्था को सुरक्षित एवं व्यवस्थित बनाने के लिए लगभग रू. 1 करोड़ की रोड सेफ्टी योजना के अंतर्गत प्रमुख चौक-चौराहों पर यातायात सुधार कार्य किए जा रहे हैं। अंबेडकर चौक पर ट्रैफिक सिग्नल लगाए जा चुके हैं, जबकि कालीपुतली चौक एवं हनुमान चौक में शीघ्र ट्रैफिक सिग्नल लगाने की कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ब्लैक स्पॉट सुधार, संकेतक बोर्ड, कर्व मिरर एवं अन्य सड़क सुरक्षा उपायों को भी आगे बढ़ाया जाएगा।

स्वागत द्वारों से रेलवे ओवरब्रिज तक सौंदर्यीकरण

शहर के प्रमुख स्वागत द्वारों एवं प्रवेश स्थलों पर पेंटिंग, रेडियम एवं सौंदर्यीकरण के माध्यम से नया स्वरूप देने की योजना है। गर्रा एवं सरेखा रेलवे ओवरब्रिज के नीचे उपलब्ध खाली स्थानों को भी नागरिक एवं खेल गतिविधियों के लिए उपयोगी बनाने की संभावनाओं पर कार्य किया जा रहा है।

अर्बन चैलेंज फंड से भविष्य के बालाघाट की तैयारी

बालाघाट की आने वाले वर्षों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए अर्बन चैलेंज फंड के अंतर्गत कई बड़ी परियोजनाओं की समग्र कार्ययोजना तैयार की जा रही है। इसमें नया वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, नया इंटेक वेल, तीन नई पानी टंकियां, वैनगंगा के बजरंग घाट, शंकर घाट, जागपुर घाट एवं धीमरटोला घाट का संरक्षण एवं विकास, एएचपी आवासीय क्षेत्र में कम्युनिटी हॉल, खेल परिसर एवं नागरिक सुविधाओं का विस्तार तथा आधुनिक बस टर्मिनल जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाएं शामिल हैं।

द्वारका नगरी योजना से गौरव पथ और खेल अधोसंरचना को नई दिशा

द्वारका नगरी योजना के अंतर्गत गौरव पथ के नवीनीकरण के साथ मुलना स्टेडियम के आधुनिकीकरण एवं खेल अधोसंरचना के विस्तार की योजना तैयार की गई है। इसका उद्देश्य सड़क, खेल एवं नागरिक सुविधाओं को एक साथ मजबूत करते हुए भविष्य की जरूरतों के अनुरूप शहर का विकास करना है।

ग्रीन बालाघाट-क्लीन बालाघाट, टाइगर सिटी की पहचान

बालाघाट के वन, टाइगर, धान, सारस, जल संरक्षण, बैगा संस्कृति, स्वच्छता एवं हरियाली जैसी प्राकृतिक और सांस्कृतिक विशेषताओं को शहर की पहचान से जोड़ने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। ग्रीन बालाघाट-क्लीन बालाघाट और टाइगर सिटी बालाघाट की अवधारणा के माध्यम से शहर की प्राकृतिक, सांस्कृतिक एवं पर्यावरणीय पहचान को मजबूत करने की सोच है।

चार साल की मजबूत बुनियाद, अब भविष्य के बालाघाट की तैयारी

नपाध्यक्ष भारती सुरजीत सिंह ठाकुर का कहना है कि 13 अगस्त 2022 को नगर की जनता द्वारा दिए गए विश्वास के अनुरूप परिषद ने दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सभी क्षेत्रों में समान विकास पहुंचाने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा, विकास का अर्थ केवल सीमेंट और कांक्रीट नहीं है। शहर की पहचान, इतिहास, संस्कृति और पर्यावरण का संरक्षण भी विकास का हिस्सा है। हमारा प्रयास है कि गरीब को पक्का घर मिले, नागरिकों को बेहतर पानी और सड़क मिले, बच्चों को अच्छी शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की सुविधा मिले, युवाओं को खेल के अवसर मिलें, महिलाएं आत्मनिर्भर बनें, व्यापारियों को व्यवस्थित बाजार मिले और हर नागरिक को स्वच्छ, सुंदर, सुरक्षित एवं हराभरा बालाघाट मिले। उन्होंने कहा कि चार वर्षों में अनेक कार्य पूरे हुए हैं और कई बड़ी परियोजनाएं आगे बढ़ रही हैं। अब जलापूर्ति, सीवरेज, जल निकासी, आधुनिक बस टर्मिनल, बाजारों का व्यवस्थित विकास, खेल अधोसंरचना, जरूरतमंद बच्चों की प्रतियोगी परीक्षा कोचिंग, तालाब-घाट संरक्षण और हरित क्षेत्रों के विस्तार जैसी

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
बालाघाट एक्सप्रेस
के सफलतम
17 वर्ष पूर्ण होने पर
हार्दिक शुभकामनाएं
- शुभेच्छु -
अध्यक्ष, उपाध्यक्ष
एवं समस्त पार्षदगण
नगरपालिका परिषद, बालाघाट

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :**9425138710**, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट